आज का विचार

समाज में रिश्ते निभाने के लिए बुद्धि नहीं केवल दिल की शुद्धि चाहिए।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | मंगलवार, 7 अक्टूबर, 2025 वर्ष 23, अंक 256, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

श्री गुरु तेग बहादर जी का शहीदी दिवस केंद्र की ओर से राष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार दिवस के रूप में मनाया जाए : भगवंत मान

गुरु तेग बहादर साहिब के 350वें शहादत दिवस की तैयारियों संबंधी मुख्य मंत्री द्वारा सिख संतों, महापुरुषों एवं विद्वानों से बैठक

संवाददाता

चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि नवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादर जी के शहादत दिवस को राष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार दिवस के रूप में मनाने के लिए राज्य सरकार इस मामले को भारत सरकार के समक्ष उठाएगी। आज यहां संत समाज की प्रमुख हस्तियों के साथ विचार-विमर्श करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादर साहिब जी का शहादत दिवस राष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे देशभर में धार्मिक निष्पक्षता, अंतर-सांप्रदायिक सद्भाव और भाईचारे को और मजबूत किया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि नवें पातशाह समानता और धर्मनिरपेक्षता के पक्षधर थे और उन्होंने देश में मानव अधिकारों की रक्षा के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादर जी का शहादत दिवस मानवाधिकार दिवस के रूप में मनाने से जहां महान गुरु साहिब जी को विन्रम श्रद्धांजलि दी जाएगी, वहीं लोगों के बीच आपसी भाईचारा और मजबूत होगा, क्योंकि उनका जीवन और दर्शन पूरी मानवता के लिए मार्गदर्शन है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार, गुरु साहिब जी के दिल्ली जाने के समय अपनाए मार्ग के पंजाब हिस्से का निर्माण श्री गुरु तेग बहादर मार्ग के रूप में करने की संभावना तलाशेगी। उन्होंने कहा कि पंजाब लोक निर्माण और पंजाब मंडी बोर्ड द्वारा इस मार्ग का खाका तैयार किया जाएगा, जो सही मायनों में गुरु साहिब जी के प्रति श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक होगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब

सरकार इस मार्ग को दिल्ली में गुरुद्वारा सीस गंज साहिब तक ले जाने के लिए केंद्र सरकार के समक्ष मामला उठाएगी।

एक अन्य मामले का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस मार्ग से महान सिख जर्नल बाबा जीवन सिंह (भाई जैता जी) ने नवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादर जी का पवित्र सीस श्री आनंदपुर साहिब लाये थे, उस मार्ग को विकसित करके बाबा जीवन सिंह मार्ग के नाम पर रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि बाबा जीवन सिंह जी ने गुरु साहिब जी का सीस लाते समय उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा का मार्ग कठिनाइयों भरा था। संबंधित राज्यों और भारत सरकार से इस मार्ग को बनाने का अनुरोध किया जाएगा, जो महान सिख नायक को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 18 नवंबर को श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) में कीर्तन दरबार आयोजित किया जाएगा और अगले दिन 19 नवंबर को नगर कीर्तन का आयोजन होगा, जिसमें कश्मीरी पंडित भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह नगर कीर्तन 19 नवंबर को जम्मू में, 20 नवंबर को पठानकोट और 21 नवंबर को होशियारपुर में रुकेगा। यह नगर कीर्तन 22 नवंबर को श्री आनंदपुर साहिब पहुंचेगा। भगवंत सिंह मान ने बताया कि नगर कीर्तन तख्त श्री दमदमा साहिब से 19 नवंबर को सजाया जाएगा और 20 नवंबर को फरीदकोट तथा गुरदासपुर में नगर कीर्तन सजाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी चारों नगर कीर्तन 22 नवंबर को श्री आनंदपुर साहिब में संपूर्ण होंगे।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि 350 वर्षीय शहादत दिवस को सही ढंग से मनाने के लिए दुनिया भर से संत समाज का आशीर्वाद और सुझाव लिया जाएगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह उनके लिए बहुत गर्व और संतोष की बात है कि यह ऐतिहासिक अवसर उनके कार्यकाल में आ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार इन कार्यक्रमों को सही तरीके से आयोजित करेगी और कार्यक्रमों के लिए संत समाज की हस्तियों की राय ली जाएगी। इस बैठक में संत समाज की प्रमुख हस्तियों में बाबा बलबीर सिंह जी 96 करोड़, बाबा कश्मीर सिंह जी भूरी वाले, बाबा सतनाम सिंह जी किला आनंदगढ़ साहिब वाले, संत बाबा अवतार सिंह जी टिब्बी साहिब रोपड़, बाबा तीर्थ सिंह जी तप अस्थान भाई जैता जी, भाई गुरप्रीत सिंह जी रंधावे वाले, बाबा सुखविंदर सिंह जी रतवाड़ा साहिब वाले, अन्य संत और गुरुद्वारा समिति के सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस, हरभजन सिंह ई.टी.ओ., तरुनप्रीत सिंह सौंद, मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा, डी.जी.पी. गौरव यादव, पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामलों के सलाहकार दीपक बाली सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

हरियाणा-जापान साझेदारी से विकास को नई उड़ान

राज्य में 1185 करोड़ रुपये का होगा निवेश, 13 हजार युवाओं को मिलेगा रोजगार

संवाददाता

चंडीगढ़

विकसित भारत-विकसित हरियाणा विजन के तहत हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में जापान के दौरे पर गए प्रतिनिधिमंडल ने पहले ही दिन जापान की बड़ी कंपनियों के साथ 6 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। इन एमओयू के माध्यम से कंपनियों द्वारा हरियाणा में लगभग 1185 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा और लगभग 13000 से अधिक युवाओं के लिए रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त होगा।

प्रतिनिधिमंडल में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, विदेश सहयोग विभाग की आयुक्त एवं सचिव श्रीमती अमनीत पी. कुमार, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल, एचएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक डॉ. यश गर्ग और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

हरियाणा में जापानी निवेश को आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री ने एआईएसआईएन, एयर वाटर, टीएएसआई, नम्बू, डेंसो, सोजित्ज, निसिन, कावाकिन और टोप्पन सहित प्रमुख जापानी कंपनियों के साथ बैठकें कीं। इन बैठकों के परिणामस्वरूप

1185 करोड़ रुपये के 6 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए, जिससे हरियाणा में लगभग 13000 लोगों के लिए रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त हुआ।

मुख्यमंत्री ने कंपनियों के साथ बैठकें कर हरियाणा और जापान के मध्य द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने पर जोर दिया। उन्होंने छोटे और मध्यम उद्योगों के बीच साझेदारी बढ़ाने की पहल का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में उपकरण, औद्योगिक पुर्जे, मेटल वर्किंग उद्योगों के साथ-साथ ऑटो, ऑटो पार्ट्स और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्षेत्र में बड़ी संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों में जापान और हरियाणा के बीच परस्पर सहयोग से व्यापारिक गतिविधियों के काफी फायदा मिलेगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिमाने प्रीफेक्चर के गवर्नर तात्सुया मारुयामा से की मुलाकात

- दोनों क्षेत्रों के उद्यमों के बीच प्रौद्योगिकी आदान-प्रदान, संयुक्त उद्यमों के नए अवसर तलाशने पर हुई चर्चा
- मुख्यमंत्री ने हरियाणा-शिमाने प्रीफेक्चर रोड-शो को किया संबोधित
- निवेशकों, उद्योगपतियों को हरियाणा में निवेश करने के लिए किया आमंत्रित

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपने जापान दौरे के दौरान आज शिमाने प्रीफेक्चर के गवर्नर तात्सुया मारुयामा से मुलाकात की। इस दौरान दोनों क्षेत्रों के उद्यमों के बीच प्रौद्योगिकी आदान-प्रदान, नवाचार और संयुक्त उद्यमों के नए अवसर तलाशने पर विस्तार से चर्चा हुई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने टोक्यो में आयोजित हरियाणा-शिमाने प्रीफेक्चर रोड शो में भी हिस्सा लिया। यहां उपस्थित उद्योगपतियो और निवेशकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान के साथ हमारे संबंध हजारों वर्ष पुराने हैं। ये संबंध ऐतिहासिक और भावानात्मक हैं। जिस प्रकार शिमाने की अपनी चिरस्थायी परंपराएं हैं, उसी प्रकार हरियाणा भी भारतीय सभ्यता के सबसे प्राचीन और पूजनीय स्थलों में से एक है। हरियाणा में ही धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र की वह पावन भूमि है, जहां सदियों पहले भगवान श्रीकृष्ण जी ने गीता का दिव्य संदेश दिया था। इसमें कर्तव्य, धर्म और ज्ञान का सार निहित है। उन्होंने कहा कि हमारा आपसी संबंध एक विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी का है। इसे गहरे विश्वास, लोकतांत्रिक सिद्धांतों और अटूट उद्यम द्वारा बल मिला है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जापान की यात्रा की है।

शिक्षा और नवाचार आधारित अनुसंधान से ही विकास संभवः नितिन गडकरी

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका प्रशिक्षित, कुशल और प्रतिभाशाली युवा वर्ग है। यदि युवा शक्ति को संसाधनों और अवसरों से जोड़ा जाए तो भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को जल्दी हासिल कर सकता है। शिक्षा और नवाचार आधारित अनुसंधान से ही देश के विकास को गति मिल सकती है।

गडकरी ने यहां आयोजित 20वें फिक्की उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा किसी भी देश के भविष्य की नींव होती है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने में इसकी अहम भूमिका होगी। दुनिया में जो देश आज विकसित हैं, उन्होंने शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के बल पर ही अपनी ताकत बढ़ाई है। शिक्षा व्यवस्था को भविष्योन्मुखी बनाया जाए और इसे जिला एवं राज्य स्तर पर स्थानीय जरूरतों और संसाधनों के आधार पर अनुसंधान से जोड़ा जाए। अगर हमारे विश्वविद्यालय और संस्थान यह देखें कि उनके क्षेत्र की क्या आवश्यकताएं हैं और कौन-कौन से संसाधन उपलब्ध हैं, तो वे शिक्षा को स्थानीय विकास से जोड़ सकते हैं।

चैन्नई मैट्रो परियोजना में विदेश तकनीक के प्रयोग से बचा सकते हैं 20 हजार करोड़ रुपये

गडकरी ने कहा कि मलेशिया में हाल ही में एक नई निर्माण तकनीक विकसित की गई है, जो अवसंरचना क्षेत्र में क्रांतिकारी साबित हो सकती है। इस तकनीक में किसी पुल या मेट्रो लाइन के निर्माण के दौरान सामान्यतः दो पिलर के बीच की दूरी जो अब तक 30 मीटर होती थी, उसे बढ़ाकर 120 मीटर तक किया जा सकता है। यह तकनीक स्टील फाइबर प्रीकास्ट संरचनाओं पर आधारित है, जिसमें दोनों तरफ पिलर खड़े किए जाते हैं और उनके बीच स्टील फाइबर का प्रीकास्ट स्लैब रखा जाता है। इस तकनीक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इससे निर्माण लागत में लगभग 25 प्रतिशत तक की बचत होती है। जब चेन्नई मेट्रो प्रोजेक्ट पर चर्चा हो रही थी, तब मैंने इस तकनीक का ज़िक्र प्रधानमंत्री मोदी से किया और समझाया कि इससे परियोजना की लागत में 30 से 35 फीसदी तक की कमी लाई जा सकती है। अगर इस इस एक तकनीक के इस्तेमाल से चेन्नई मेट्रो परियोजना में किया जाएगा तो लगभग 15 से 20 हजार करोड़ रुपये की सीधी बचत होगी। उन्होंने कहा कि हमारे देश के शैक्षणिक संस्थानों में अभी भी ज्ञान, तकनीक और अनुसंधान को वह महत्व नहीं मिल रहा है जो मिलना चाहिए। शिक्षा को स्थानीय आवश्यकताओं और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप बनाना होगा। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास को तकनीकी अनुसंधान और स्किल आधारित शिक्षा से जोड़ना होगा, तभी देश तेजी से आगे बढ़ पाएगा। उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों से अपील की कि वे केवल डिग्री नहीं, बल्कि व्यावहारिक कौशल और नवाचार को बढ़ावा दें, ताकि भारत आने वाले समय में न केवल तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बने, बल्कि वैश्विक नेतृत्व में भी अपनी भूमिका निभा सके।

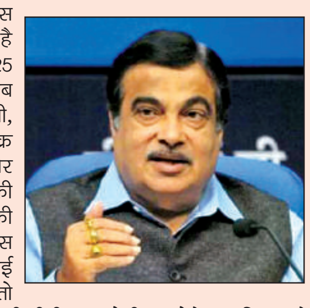

गडकरी ने कहा कि भारत में पहले जहां प्रतिदिन केवल 2 किलोमीटर सड़क बनती थी, अब यह आंकड़ा 40 किलोमीटर प्रतिदिन तक पहुंच गया है। हम देश में बड़े पुल, सुरंगें और मेट्रो प्रोजेक्ट्स बना रहे हैं, लेकिन टनल बोरिंग मशीन और टनल निर्माण की विशेषज्ञता अब भी हमारे पास नहीं है। उन्होंने स्वीडन, ज्यूरिख और जर्मनी जैसे देशों का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां टनलिंग को लेकर विशेष संस्थान हैं, जबकि भारत में इस क्षेत्र में रिसर्च और उपकरण निर्माण की भारी कमी है।

राष्ट्रपति ने माई भारत - राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार प्रदान किए

एजेंसी

नई दिल्ली

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (6 अक्टूबर, 2025) राष्ट्रपति भवन में वर्ष 2022-23 के लिए माई भारत - राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार प्रदान किए। माई भारत - राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। इसका उद्देश्य स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करना है। यह योजना 1969 में महात्मा गांधी के जन्म शताब्दी समारोह के दौरान शुरू की गई थी। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा 1993-94 में स्थापित माई भारत-

एनएसएस पुरस्कार, समाज सेवा, सामुदायिक विकास और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में युवाओं के उत्कृष्ट योगदान का सम्मान करते हुए उत्सव मनाता है।

सीजेआई पर हमले की कोशिश न्याय पालिका की गरिमा और विधि के शासन पर सीधा हमलाः खरगे

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर एक वकील द्वारा हमले की कोशिश को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अभूतपूर्व, शर्मनाक और घृणित बताते हुए न्याय पालिका की गरिमा और विधि के शासन पर सीधा हमला करार दिया।

खरगे ने सोमवार को सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, एक ऐसे व्यक्ति को निशाना बनाना, जो संविधान की रक्षा के लिए सामाजिक बंधनों को तोड़कर सर्वोच्च न्यायिक पद तक पहुंचा है, बेहद विचलित करने वाला संदेश देता है। उन्होंने कहा कि यह धमकी और अपमान का प्रयास है, जो हमारी न्याय व्यवस्था की स्वतंत्रता को कमजोर करने की कोशिश है। उन्होंने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि न्याय और तर्क की जीत होनी चाहिए, धमकी की नहीं।

कांग्रेस पार्टी ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में कहा कि यह केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं है बल्कि देश की संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने, ईमानदार आवाजों को डराने और न्यायपालिका में जनता के भरोसे को कमजोर करने की साजिश का हिस्सा है। भारत में डर नहीं, कानून का शासन होना चाहिए और ऐसी घटनाएं न्याय व्यवस्था पर जनता के भरोसे को कमजोर करती हैं। न्यायपालिका की सुरक्षा, गरिमा और स्वतंत्रता को राजनीतिक हस्तक्षेप और धमकी से बचाया जाना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि आज उच्चतम न्यायालय की कार्यवाही के दौरान 71 वर्षीय वकील राकेश किशोर ने कोर्ट रूम में मुख्य न्यायाधीश की ओर कथित रूप से कुछ फेंकने की कोशिश की थी। मौके पर मौजूद दिल्ली पुलिस के एक कांस्टेबल ने तुरंत उन्हें पकड़ लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आरोपित कथित तौर पर भगवान विष्णु से संबंधित एक टिप्पणी से आहत था।

कोर्ट रूम से बाहर ले जाते समय आरोपित ने नारेबाजी करते हुए कहा, सनातन धर्म का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश शांत रहे और कार्यवाही प्रभावित नहीं हुई। उन्होंने प्रतिक्रिया में कहा, इन चीजों से मुझे फर्क नहीं पड़ता।

विजय कुमार मल्होत्रा ने राजनीति, जनसेवा और खेल जगत में अमिट छाप छोड़ीः मोदी

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने राजनीति, जनसेवा और खेल जगत तीनों क्षेत्रों में अमिट छाप छोड़ी। मल्होत्रा का जीवन भारतीय राजनीति और संगठन के लिए एक प्रेरणास्त्रोत है।

प्रधानमंत्री ने सोमवार को एक्स और नमो एप पर एक आलेख साझा करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी परिवार ने हाल ही में अपने सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक को खो दिया। प्रो. मल्होत्रा ने जीवन में अनेक उपलब्धियां हासिल कीं, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह था कि उन्होंने परिश्रम, दृढ़ निश्चय और सेवा से भरा जीवन जिया। उनके जीवन को देखकर समझा जा सकता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जनसंघ और भाजपा के मूल संस्कार क्या हैंझ विपरीत परिस्थितियों में साहस, स्वयं से ऊपर सेवा भावना और राष्ट्रीय-सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति गहरी निष्ठा।

उन्होंने उल्लेख किया कि विभाजन के समय मल्होत्रा परिवार ने भयावह परिस्थितियों का सामना किया, परंतु उस पीड़ा ने उन्हें आत्मकेंद्रित नहीं बनाया। इसके विपरीत, उन्होंने स्वयं को समाज सेवा में समर्पित कर दिया। उन्होंने बंटवारे में विस्थापित हुए हजारों परिवारों की मदद की और उनके पुनर्वास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जनसंघ के साथी मदनलाल खुराना और केदारनाथ साहनी के साथ उन्होंने दिल्ली में निःस्वार्थ सेवा कार्य किए, जिन्हें आज भी लोग याद करते हैं। मोदी ने याद किया कि 1967 में दिल्ली मेट्रोपॉलिटन काउंसिल के पहले चुनाव में जनसंघ ने शानदार प्रदर्शन किया था। लालकृष्ण आडवाणी चेयरमैन बने और मल्होत्रा को चीफ एग्जीक्यूटिव काउंसलर की जिम्मेदारी सौंपी गई—जो मुख्यमंत्री के समकक्ष पद था। उस समय उनकी उम्र मात्र 36 वर्ष थी। उन्होंने दिल्ली के इंफ्रास्ट्रक्चर और नागरिक सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया और राजधानी के विकास में नई दृष्टि दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मल्होत्रा का दिल्ली से जुड़ाव अटूट रहा। ने हमेशा जनता के बीच रहकर जनहित के मुद्दों पर आवाज उठाते रहे। 1960 के दशक में गौ रक्षा आंदोलन में उनकी सक्रिय भागीदारी रही, जहां उन्हें पुलिस अत्याचारों का भी सामना करना पड़ा। आपातकाल के दौरान उन्होंने लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया। 1984 में सिख विरोधी दंगों के दौरान जब सड़कों पर निर्दोष सिखों की हत्या हो रही थी, तब उन्होंने शांति और सद्भावना की आवाज उठाई और पीड़ितों के साथ खड़े रहे। प्रधानमंत्री ने लिखा कि मल्होत्रा का मानना था कि राजनीति केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि सिद्धांतों और मूल्यों की

रक्षा का भी दायित्व है। वे संगठन के लिए एक संस्था निमार्ता थे, जिन्होंने जनसंघ और भाजपा की दिल्ली इकाई को मजबूत नेतृत्व प्रदान किया। उन्होंने सिविक प्रशासन, विधानसभा और संसद सभी स्तरों पर उल्लेखनीय योगदान दिया। मोदी ने 1999 के लोकसभा चुनाव का उल्लेख किया, जब मल्होत्रा ने दक्षिण दिल्ली से डॉ. मनमोहन सिंह को हराया था। यह चुनाव बेहद हाई-प्रोफाइल था, लेकिन मल्होत्रा ने सकारात्मक प्रचार किया, कभी व्यक्तिगत हमले नहीं किए और 50 प्रतिशत से अधिक वोटों से विजय प्राप्त की। यह उनकी जनता के साथ गहरे संबंधों और मजबूत संगठनात्मक पकड़ का प्रमाण था। प्रधानमंत्री ने लिखा कि संसद में मल्होत्रा हमेशा सटीक तैयारी के साथ बोलते थे। यूपीए-1 के दौरान विपक्ष के उपनेता के रूप में उन्होंने भ्रष्टाचार और आतंकवाद के मुद्दों पर सरकार को घेरा। मोदी ने कहा, उन दिनों मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था और हम अक्सर बातचीत करते थे। वे गुजरात की विकास यात्रा को लेकर हमेशा उत्सुक रहते थे। राजनीति के साथ-साथ मल्होत्रा एक शिक्षाविद् और विद्वान भी थे। उन्होंने अपनी पढ़ाई समय से पहले पूरी की थी और हिंदी पर गहरी पकड़ रखते थे। वे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के भाषणों का हिंदी अनुवाद करते थे। उन्होंने संघ से जुड़ी कई सांस्कृतिक और शैक्षिक संस्थाओं की स्थापना की, जिनके माध्यम से अनेक प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिला। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन संस्थाओं ने समाज में सेवा और आत्मनिर्भरता की भावना को प्रोत्साहित किया। मल्होत्रा ने खेल प्रशासन में भी असाधारण योगदान दिया। वे आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के लंबे समय तक अध्यक्ष रहे और उनके नेतृत्व में भारतीय तीरंदाजी को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। खिलाड़ियों के लिए अवसर और संसाधन उपलब्ध कराने में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि मल्होत्रा को लोग न केवल उनके पदों के लिए, बल्कि उनकी संवेदनशीलता और समर्पण भावना के लिए याद करते हैं। वे हमेशा लोगों की कठिनाइयों में उनके साथ खड़े रहे।

अक्तूबर में बर्फबारी से कांपा हिमाचल लाहौल-स्पीति में शून्य डिग्री पहुंचा पारा

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में अक्तूबर के शुरूआती हफ्ते में हो रही बर्फबारी ने पूरे प्रदेश को ठंड की चपेट में ला दिया है। आमतौर पर दिसंबर-जनवरी में गिरने वाली बर्फ इस बार समय से पहले गिरने से मौसम ने सबको चौंका दिया है। लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कुल्लू और चम्बा जिलों के ऊपरी इलाकों में रुक-रुक कर बर्फबारी हो रही है, जबकि राजधानी शिमला समेत राज्य के कई मैदानी क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ बारिश का दौर जारी है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में यह बदलाव आया है। तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है और पहाड़ी इलाकों में ठंड ने दिसंबर जैसी दस्तक दे दी है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य का औसतन न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.6 डिग्री नीचे चला गया है। लाहौल-स्पीति जिला मुख्यालय केलंग में सोमवार को न्यूनतम तापमान 0.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जिससे यहां सर्दी का असर तेज हो गया है। किन्नौर के कल्पा में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री, ताबो और कुकुमसेरी में 5.2 डिग्री, नारकंडा में 5.8, डलहौजी में 6, कुफरी में 6.8, मनाली में 8.5, भरमौर में 7 और राजधानी शिमला में न्यूनतम तापमान 11.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। तापमान में गिरावट के चलते लोगों ने गर्म कपड़े निकाल लिए हैं और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अलाव का सहारा लेना शुरू कर दिया है। लाहौल-स्पीति में बीती रात से बर्फबारी के दौर चल रहा है। अटल टनल रोहतांग, सिस्सू और कोकसर सहित पूरी घाटी में दो इंच तक ताजा बर्फबारी हुई है। बर्फबारी के चलते सड़कों पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है और वाहन धीरे-धीरे रेंगते हुए चल रहे हैं। लाहौल घाटी में ठंड बढ़ने से जनजीवन प्रभावित हो गया है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार अगले 24 घण्टों के दौरान ऊंचे इलाकों में बर्फबारी का दौर जारी रहने की संभावना है।

लाहौल स्पीति और चम्बा के ऊपरी इलाकों में बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है। चम्बा जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल साच पास में भी सीजन की पहली बर्फबारी दर्ज की गई है। यहां दो से ढाई इंच तक ताजा बर्फ गिरी है। इससे क्षेत्र में सर्दी की शुरूआत हो गई है। लोग अब गर्म कपड़े पहनकर बाहर निकल रहे हैं। किन्नौर में भी हल्का हिमपात हुआ है, जबकि निचले इलाकों में लगातार हल्की बारिश हो रही है। राज्य के कई निचले व मैदानी क्षेत्रों में भी बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, कांगड़ा जिला के गुलेर में सर्वाधिक 42 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जबकि कांगड़ा सुरियां में 38, भरविन में 37, देहरा गोपीपुर में 35, सिरमौर के पच्छाद में 34, हमीरपुर के अघर में 32 और नादौन में 28 मिलीमीटर वर्षा हुई है। कुल्लू जिले के गोंदला में 5 सेंटीमीटर और केलंग में 4 सेंटीमीटर बर्फबारी दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने आज चम्बा, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी जिलों में गरज-चमक के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से आंधी चलने की संभावना जताई है। इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, शिमला, सोलन, सिरमौर, किन्नौर और लाहौल-स्पीति जिलों में येलो अलर्ट लागू है।

7 अक्तूबर को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चम्बा, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी जिलों में भारी वर्षा और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से आंधी चलने की चेतावनी दी गई है। 8 अक्तूबर को भी मौसम खराब रहने का अनुमान है, हालांकि इस दिन कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। मौसम विभाग ने बताया कि 9 से 12 अक्तूबर तक पूरे राज्य में आसमान साफ रहेगा और मौसम सामान्य होने लगेगा।

शिमला में करोड़ों की ठगी का मामला दर्ज, बिल्डर ने समझौते का उल्लंघन कर बेचे फ्लैट

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राजधानी शिमला में फ्लैट की आड़ में करोड़ों रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। चंडीगढ़ के समीप मोहाली निवासी गुरबचन सिंह बंगा की शिकायत पर एक बिल्डर/डेवलपर के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है।

शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि 11 अप्रैल 2014 को उनका और पंचकूला स्थित राजदीप एंड कंपनी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राजदीप शर्मा के बीच एक समझौता (एमओयू) हुआ था।

इस समझौते के तहत शिमला के भराड़ी क्षेत्र के कालेस्टन में 1416.80 वर्ग मीटर भूमि पर फ्लैट निर्माण और बिक्री का प्रोजेक्ट तय हुआ था। पूरे प्रोजेक्ट की कीमत 7 करोड़ रुपये तय की गई थी।

शिकायत के अनुसार राजदीप शर्मा ने शुरूआत में 50 लाख रुपये अग्रिम के रूप में दिए और सुरक्षा के तौर पर 18 फ्लैट अपने नाम आवंटित करवा लिए। लेकिन इसके बाद उन्होंने न तो शेष 6 करोड़ 50 लाख रुपये का भुगतान किया और न ही फ्लैटों का कब्जा शिकायतकर्ता को सौंपा। भुगतान की औपचारिकता पूरी करने के लिए आरोपी ने कुछ चेक जारी किए, मगर बाद में वे चेक वापस लेकर उनकी जगह बिना तारीख और कम राशि वाले नए चेक थमा दिए।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि राजदीप शर्मा ने जानबूझकर धोखाधड़ी की नीयत से ऐसा किया और बाद में उन्हीं फ्लैटों को तीसरे पक्ष को बेच दिया। यह सब न केवल एमओयू की शर्तों के खिलाफ था, बल्कि उस शपथपत्र (एफिडेविट) का भी उल्लंघन था जो आरोपी ने 9 मई 2014 को दिया था, जिसमें उसने समझौते का पालन करने की बात कही थी।

गुरबचन सिंह बंगा का कहना है कि अब तक उन्हें केवल करीब 2 करोड़ 36 लाख रुपये ही मिले हैं, जबकि लगभग 5 करोड़ 23 लाख रुपये ब्याज समेत अब भी बकाया हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी ने उन्हें ठगने की नीयत से यह पूरा सौदा किया और करोड़ों का नुकसान पहुंचाया।

सदर थाना पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आईपीसी की धारा 420 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस केस में वित्तीय लेन-देन तथा फ्लैट बिक्री से संबंधित दस्तावेज खंगाले जाएंगे।

नगरोटा में पकड़ी गई एक किलो चरस के मामले में तीसरा आरोपी भी गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

जिला कांगड़ा पुलिस की विशेष टीम द्वारा बीते 3 अक्टूबर को चरस की 1 किलो 6 ग्राम की खेप के साथ पकड़े गए दो तस्करों के बाद पुलिस ने इस मामले में एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। नगरोटा पुलिस ने मामले की जांच और आरोपियों से कड़ी पूछताछ के बाद त्वरित कार्यवाही करते हुए तीसरे आरोपी विजय कुमार निवासी गांव व डाकघर चलवाड़ा तहसील ज्वाली जिला कांगड़ा उम्र 29 साल को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में अब तीन नशा तस्कर सलाखों के पीछे डाल दिये गए हैं। एसपी कांगड़ा अशोक रत्न ने बताया कि मामले की गहन जांच, तकनीकी विश्लेषण एवं पुख्ता साक्ष्यों के आधार पर यह तथ्य सामने आया कि पूर्व में पकड़े गये उक्त आरोपी रॉकी को उसका साला गौरव निवासी ज्वाली पैसे देकर उसके दोस्त हरीश कुमार उर्फ बिट्टू के साथ चरस खरीद कर लाने के लिए इस्तेमाल करता था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उक्त आरोपी को भी गिरफ्तार कर आगामी कार्यवाही की है। उक्त आरोपी कुख्यात तस्कर है और उसके खिलाफ 3 अन्य मामले भी दर्ज हैं। गौरतलब है कि हरीश कुमार उर्फ बिट्टू पुत्र स्व गुरदास राम निवासी गांव छतरोली डाकघर जसूर तहसील नूरपुर जिला कांगड़ा उम्र 45 साल व रॉकी पुत्र कुलदीप कुमार निवासी गांव चकधरावखान डाकघर चनग्रां वार्ड नम्बर 4 तहसील व जिला कठुआ जम्मू-कश्मीर उम्र 34 साल को बीते 3 अक्टूबर को 1 किलो 06 ग्राम चरस सहित गिरफ्तार किया गया था तथा इनके विरुद्ध पुलिस थाना नगरोटा बगवां में मामला दर्ज किया गया था।

बैजनाथ में गाड़ी से 318.10 ग्राम चरस बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

कांगड़ा जिला के पुलिस थाना बैजनाथ की टीम द्वारा गश्त व यातायात चैकिंग के दौरान गाड़ी नम्बर एचपी64बी-9372 में सवार तीन युवकों से 318.10 ग्राम चरस बरामद की है। पुलिस ने इस मामले में इरफन मोहम्मद पुत्र रमजान मोहम्मद निवासी गांव बालकरूपी डाकघर व तहसील जोगिन्द्रनगर जिला मण्डी उम्र 23 साल, सचित भारद्वाज पुत्र राजेश कुमार निवासी गांव बतनाहर डाकघर नोहली तहसील जोगिन्द्रनगर जिला मण्डी उम्र 19 साल तथा रविन्द्र कुमार पुत्र शेर सिंह राज निवासी गांव करसेड डाकघर सुधार, तहसील पधर जिला मण्डी उम्र 26 साल को गिरफ्तार किया है। उपरोक्त तीनों आरोपियों के विरुद्ध पुलिस थाना बैजनाथ में मादक पदार्थ अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्यवाही नियमानुसार प्रगति पर है। एसपी कांगड़ा अशोक रत्न ने बताया कि जिला कांगड़ा पुलिस द्वारा नशे के धन्धे में संलिप्त अपराधियों पर नकेल कसने के उद्देश्य से लगातार गशत व ट्रैफिक चैकिंग भी की जा रही है। इसी दौरान बीती मध्य रात्रि जब ये आरोपी गाड़ी में चरस की खेप लेकर आ रहे थे तो पुलिस थाना बैजनाथ की टीम ने अप्पर भट्टू चौक के समीप ट्रैफिक चैकिंग के दौरान इन्हें रंगे हाथों काबू किया तथा इनके कब्जे से 318.10 ग्राम चरस बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। मौका पर गाड़ी नम्बर एचपी64बी-9372 को भी पुलिस ने कब्जे में लिया है। उन्होंने बताया कि नशे और अवैध शराब के कारोबार में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

संक्षिप्त-समाचार

शिमला में एचआरटीसी बस से पकड़ा गया 30 ग्राम चिट्टा, पंजाब का युवक गिरफ्तार

शिमला। नशे के खिलाफ शिमला पुलिस का अभियान जारी है। इस कड़ी एचआरटीसी बस में सवार एक यात्री से 30 ग्राम चिट्टा पकड़ा गया है। आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह पंजाब का रहने वाला है। पुलिस को ये कामयाबी कालका-शिमला हाइवे पर शोघी कस्बे में रूटीन चैकिंग के दौरान मिली। एएसआई सुशील कुमार, प्रभारी स्पेशल सेल, शिमला अपनी टीम सहित रविवार देर रात शोघी बैरियर पर वाहनों की जांच कर रहे थे। इस दौरान सोलन से शिमला आ रही एचआरटीसी बस (नंबर ल्ढ 64इ-9734) को जांच के लिए रोका गया। बस में सवार एक यात्री के पास से तलाशी लेने पर 30 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। आरोपी की पहचान बलजीत सिंह पुत्र जगतार सिंह, गांव कादरवाला, डाकघर कादरवाला, तहसील धरमकोट, जिला मोगा (पंजाब), आयु 28 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी इस नशे को लेकर कहां से आया था और कहां पहुंचाने जा रहा था, इसकी जांच जारी है। पुलिस ने चिट्टा बरामदगी को लेकर आरोपी के विरुद्ध बालूगंज थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। एसएसपी पुलिस शिमला संजीव गांधी ने कहा कि नशे के कारोबार में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

गुलमर्ग, गुरेज और अन्य पर्वतीय क्षेत्रों सहित कश्मीर के ऊंचे इलाकों में हुई मौसम की पहली बर्फबारी

श्रीनगर। गुलमर्ग, गुरेज और अन्य पर्वतीय क्षेत्रों सहित कश्मीर के ऊंचे इलाकों में इस सप्ताह मौसम की पहली बर्फबारी हुई है जिससे घाटी में सर्दियों का आगमन जल्दी हो गया है। गुलमर्ग के अफरवत, अनंतनाग के सिंथन टॉप, जोजिला दर्रा, गुमरी, मिनीमर्ग और बांदीपोरा जिले में गुरेज घाटी के प्रवेश द्वार राजदान टॉप जैसे कई ऊँचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई। राजदान टॉप पर सोमवार सुबह से ही हल्की बर्फबारी शुरू हो गई जिससे ऊपरी इलाकों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई। हालाँकि अधिकारियों ने कहा कि बांदीपोरा गुरेज मार्ग पर यातायात खुला है। मौसम अधिकारियों ने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण 5 से 7 अक्टूबर तक जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में और बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है। श्रीनगर और उसके आसपास के इलाकों में भी हल्की बारिश दर्ज की गई जबकि उत्तरी और दक्षिणी कश्मीर के मैदानी इलाकों में रुक-रुक कर बारिश दर्ज की गई। मौसम में आए इस नए बदलाव से स्थानीय लोगों और पर्यटकों में खुशी की लहर है जो इसे सर्दियों के आगमन का पहला संकेत मान रहे हैं। हालाँकि अधिकारियों ने यात्रियों को खासकर ऊँचे इलाकों में सतर्क रहने की सलाह दी है क्योंकि तापमान में गिरावट जारी है और सड़कें फिसलन भरी हो गई हैं। वहीं दूसरी ओर जम्मू संभाग के ज्यादातर इलाकों को देर रात से हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो रही है। जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

दिल्ली-उधमपुर एटीआर 72 फ्लाइट शुरू

जम्मू। एसोसिएट चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, उधमपुर के प्रधान शाम कालसोत्रा ने आज एक पत्रकार वार्ता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पीएमओ के माध्यम से डॉक्टर जितेंद्र सिंह का धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली से उधमपुर के लिए एटीआर 72 फ्लाइट शुरू करने के लिए आभार प्रकट करते हैं। शाम कालसोत्रा ने बताया कि इस नई उड़ान से उधमपुर की अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। पटनीटॉप और माता वैष्णो देवी जाने वाले यात्री इस सेवा का लाभ उठाकर उधमपुर पहुंचेंगे, जिससे स्थानीय लोगों को भी व्यवसायिक और पर्यटन के अवसर बढ़ेंगे।

पीडीपी दक्षिण कश्मीर निर्वाचन क्षेत्र प्रभारियों की घोषणा

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने सोमवार को दक्षिण कश्मीर, गांदरबल और बांदीपोरा जिलों के लिए निर्वाचन क्षेत्र प्रभारियों को नामित किया। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने आगामी पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों से पहले पार्टी की जमीनी संरचना को मजबूत करने के लिए वरिष्ठ नेताओं को निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी के रूप में नामित किया है। जिनमें पार्टी ने अब्दुल रहमान वीरी (अनंतनाग पूर्व, शांगस निर्वाचन क्षेत्र), डॉ. मेहबूब बेग (अनंतनाग), को उम्मीदवार बनाया है। शेख जावेद (अनंतनाग पश्चिम), डॉ. शब्बीर सिद्दीकी (पहलगाम), इल्तिजा मुफ्ती (श्रीगुफवारा, बिजबेहरा), चौधरी तालिब (कोकेरनाग-एसटी), और मोहम्मद अशरफ मलिक (डूरू) शामिल हैं। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में पार्टी ने मोहम्मद सरताज मदनी (देवसर) और गुलजार अहमद डार (डीएच पोरा) को उम्मीदवार बनाया है। पीडीपी ने जहूर अहमद मीर (पंपोर), वहीद-उर-रहमान पारा (पुलवामा) और रफीक अहमद नाइक (त्राल) को निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी के रूप में बरकरार रखा है। शोपियां जिले में अजाज अहमद मीर (जैनपोरा, वाची) और राजा वहीद (शोपियां) को निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी के रूप में नामित किया गया है। पार्टी ने बशीर अहमद मीर (गांदरबल) और जमात अली शाहीन (कंगन) को निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी के रूप में नामित किया है।

डीपीएल बारामूला में संयुक्त कानून एवं व्यवस्था प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित

बारामूला। जिला पुलिस लाइन्स (डीपीएल) बारामूला के परेड ग्राउंड में वर्तमान में एक संयुक्त कानून एवं व्यवस्था प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जहाँ ड्रिल प्रशिक्षक बलों के बीच समन्वय और परिचालन तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। यह प्रशिक्षण बारामूला पुलिस के पाठ्यक्रम समन्वयक उप-निरीक्षक गुलाम नबी (क्रमांक 2371/एस) की देखरेख में आयोजित किया जा रहा है। डीपीएल बारामूला, 53 बटालियन सीआरपीएफ और एसएसबी द्वितीय बटालियन के कर्मी इस पाठ्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।

लाहौल में ताजा बर्फबारी, कुल्लू में बारिश से ठंड की दस्तक

एजेंसी (हि.स.)
कुल्लू

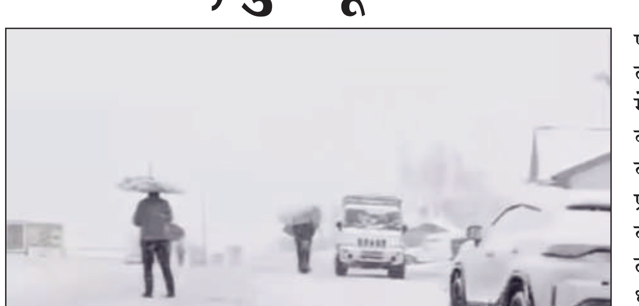

जनजातीय जिला लाहौल स्पीति में सोमवार सुबह से हो रही बर्फबारी के बाद एकाएक मौसम में बदलाव आ गया है। जहां दो दिन पूर्व दिन के समय अत्यधिक गर्मी थी तो अब एकाएक ठंड बढ़ गई और लोगों को गर्म कपड़े पहनने को मजबूर होना पड़ा है।

अटल टनल रोहतांग, सेवन सिस्टर दारचा, धुंदी शिंकुला पास तथा रोहतांग पास में सुबह सवेरे से ही बर्फबारी का दौर शुरू हो चुका है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी तथा निचले क्षेत्रों में बारिश का दौर जारी है। घाटी में हो रही बर्फबारी और बारिश के कारण ठंड का प्रकोप बढ़ गया है।

जनजातीय जिला जनजातीय जिला लाहौल स्पीति में हो रही बर्फबारी के बाद एकाएक मौसम बदल गया है। अटल टनल रोहतांग, सेवन सिस्टर दारचा, धुंदी शिंकुला पास तथा रोहतांग पास में सुबह सवेरे से ही बर्फबारी का दौर शुरू हो चुका है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी तथा निचले क्षेत्रों में बारिश का दौर जारी है। घाटी में हो रही बर्फबारी और बारिश के कारण ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। स्पीति मेंजनजातीय जिला लाहौल स्पीतिजनजातीय जिला लाहौल स्पीति में हो रही बर्फबारी के बाद एकाएक मौसम बदल गया है। अटल टनल रोहतांग, सेवन सिस्टर दारचा, धुंदी शिंकुला पास तथा रोहतांग पास में सुबह सवेरे से ही बर्फबारी का दौर शुरू हो चुका है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी तथा निचले क्षेत्रों में बारिश का दौर जारी है। घाटी में हो रही बर्फबारी और बारिश के कारण ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। में हो रही बर्फबारी के बाद एकाएक मौसम बदल गया है। अटल टनल रोहतांग, सेवन सिस्टर दारचा, धुंदी शिंकुला पास तथा रोहतांग पास में सुबह सवेरे से ही बर्फबारी का दौर शुरू हो चुका है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी तथा निचले क्षेत्रों में बारिश का दौर जारी है। घाटी में हो रही बर्फबारी और बारिश के कारण ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। होजनजातीय जिला लाहौल स्पीति में हो रही बर्फबारी के बाद एकाएक मौसम बदल गया है। अटल टनल रोहतांग, सेवन सिस्टर दारचा, धुंदी शिंकुला पास तथा रोहतांग पास में सुबह सवेरे से ही बर्फबारी का दौर शुरू हो चुका है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी तथा निचले क्षेत्रों में बारिश का दौर जारी है। घाटी में हो रही बर्फबारी और बारिश के कारण ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। रही बर्फबारी के बाद एकाएक मौसम बदल गया है। टनल रोहतांग, सेवन सिस्टर दारचा, धुंदी शिंकुला पास तथा रोहतांग पास में सुबह सवेरे से ही बर्फबारी का दौर शुरू हो चुका है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी तथा निचले क्षेत्रों में बारिश का दौर जारी है। घाटी में हो रही बर्फबारी और बारिश के कारण ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। जिला लाहौल स्पीति में हो रही बर्फबारी के बाद एकाएक मौसम बदल गया है। अटल टनल रोहतांग, सेवन सिस्टर दारचा, धुंदी शिंकुला पास तथा रोहतांग पास में सुबह सवेरे से ही बर्फबारी का दौर शुरू हो चुका है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी तथा निचले क्षेत्रों में बारिश का दौर जारी है। घाटी में हो रही बर्फबारी और बारिश के कारण ठंड का प्रकोप बढ़ गया है।

बीसीसीआई महिला सीनियर टी-20 प्रतियोगिता : हिमाचल टीम की घोषणा, सुषमा वर्मा को कप्तान की जिम्मेदारी

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

बीसीसीआई महिला सीनियर (टी-20) एलीट टूनार्मेंट 2025-26 के लिए हिमाचल की महिला सीनियर टीम की घोषणा कर दी गई है। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने महिला वरिष्ठ खिलाड़ियों का चयन कर टीम की सोमवार को घोषणा कर दी है। टीम का जिम्मा वरिष्ठ खिलाड़ी एवं पूर्व में भारतीय टीम का हिस्सा रही सुषमा वर्मा को दिया गया है।

चयनित टीम के खिलाड़ियों में नैंसी शर्मा चंबा, ज्योति ठाकुर कांगड़ा, प्रीती देवी कांगड़ा, सुष्मिता कुमारी किन्नौर, मोनिका कुल्लू, यमुना देवी कुल्लू, नीना चौधरी मंडी, निकिता मंडी, शिवानी मंडी, सोनल मंडी, देवांशी वर्मा शिमला, मनीषा शिमला, निकिता चौहान शिमला, प्राची चौहान शिमला, सुषमा वर्मा (कप्तान) शिमला, वासुवी फिश्टा शिमला शामिल हैं।

इसके अलावा टीम में सहायक कर्मचारियों में योगिंदर पुरी कोच, प्रेम सिंह सहायक कोच, शिवानी शर्मा फील्डिंग कोच, मनीषा फिजियो, वीना देवी प्रशिक्षक, आशुतोष पांडे वीडियो विश्लेषक, सोनाली ठाकुर मसाजर तथा शिव कपूर को बतौर प्रबंधक नियुक्त किया गया है।

कश्मीर घाटी पहुंचे भारत भर के युवा फुटबॉल खिलाड़ियों का मुख्यमंत्री उमर ने स्वागत किया

फुटबॉल को किक मारकर 69वें राष्ट्रीय स्कूल खेलों का मुख्यमंत्री उमर ने किया उद्घाटन

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को श्रीनगर के टीआरसी फुटबॉल ग्राउंड में फुटबॉल को किक मारकर 69वें राष्ट्रीय स्कूल खेलों का आधिकारिक उद्घाटन किया। इस प्रकार राष्ट्रीय स्तर के इस खेल आयोजन की औपचारिक शुरूआत हुई। इस वर्ष के राष्ट्रीय स्कूल खेलों में देश भर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने वाली 30 टीमें भाग ले रही हैं और छह अलग-अलग स्थानों पर मैच खेले जायेंगे। इन प्रतियोगिताओं में फुटबॉल, वुशु, ताइक्वांडो और टेबल टेनिस की प्रतियोगिताएं शामिल हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल देश के विभिन्न क्षेत्रों के युवाओं के बीच एकता, मित्रता और आपसी समझ को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल एकता और मित्रता के सेतु का निर्माण करते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को सरकार और आयोजकों की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि उनकी सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर आपमें से किसी को भी किसी भी तरह की असुविधा हो, चाहे गर्म कपड़ों की कमी हो या कोई अन्य आवश्यकता तो कृपया हमसे संपर्क करने में संकोच न करें। हम आपके प्रवास और भागीदारी को आरामदायक बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

मौसम की स्थिति में सुधार की आशा व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने युवा एथलीटों को प्रतियोगिता और सौहार्द के अनुभव का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने खिलाड़ियों को यादगार पलों और टूनार्मेंट में सफलता की कामना करते हुए कहा कि जैसा कि कहा जाता है कि जीतना उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना कि भाग लेना। 30 प्रतिभागी टीमों के मार्च पास्ट की मुख्यमंत्री ने सराहना की और कार्यक्रम स्थल पर मौजूद स्कूली बच्चों और दर्शकों की एक बड़ी भीड़ ने तालियां बजाईं। खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और टीम अधिकारियों ने भी खेल भावना की शपथ ली और निष्पक्ष खेल, अनुशासन और टीम वर्क के मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लिया।

उद्घाटन समारोह में युवा सेवा एवं खेल मंत्री सतीश शर्मा, मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, लाल चौक के विधायक शेख अहसान अहमद (परदेसी), युवा सेवा एवं खेल महानिदेशक अनुराधा गुप्ता, जम्मू-कश्मीर खेल परिषद की सचिव नुजहत गुल और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं अधिकारी उपस्थित थे।-

इससे पहले जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को राष्ट्रीय स्कूल खेलों (अंडर-19 फुटबॉल टूनार्मेंट) में भाग लेने के लिए घाटी पहुंचे भारत भर के युवा फुटबॉल खिलाड़ियों का स्वागत किया और उन्हें खराब मौसम के बावजूद पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। उमर ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि मौसम मुझे लंबा भाषण देने और आपको बारिश में खड़े रहने की अनुमति नहीं देता। मौसम हमारे हाथ में नहीं है, लेकिन मैं अपनी, अपने सहयोगियों और जम्मू-कश्मीर के लोगों की ओर से देश के कोने-कोने से आए सभी खिलाड़ियों और उनकी टीमों का स्वागत करता हूं। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना और उत्साह के साथ प्रतिस्पर्धा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि आप इस टूनार्मेंट में पूरे जोश और उत्साह के साथ हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री ने ठंड के कारण किसी भी टीम को होने वाली परेशानी के लिए तुरंत मदद का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि अगर आप में से किसी ने गर्म कपड़ों का इंतजाम नहीं किया है या मौसम की वजह से किसी भी तरह की परेशानी का सामना कर रहे हैं तो कृपया हमें बताएं। हम पूरी व्यवस्था करेंगे, ताकि आपको इस टूनार्मेंट में कोई परेशानी न हो। उन्होंने इसे थोड़ी सी ठंड बताते हुए कहा कि यह दो दिन का सीजन है। हमें उम्मीद है कि दो दिन बाद मौसम सुधर जाएगा और आप अच्छे माहौल में हिस्सा ले पायेंगे। उन्होंने आगे कहा कि जीतना उतना महत्वपूर्ण नहीं है, जितना कि हिस्सा लेना। यहां तक आने के लिए आप सभी का धन्यवाद। आप सभी को शुभकामनाएं।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
नवोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा, स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्कः 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

सैनी ने जापानी कंपनियों को हरियाणा में निवेश के लिए किया आमंत्रित

जापान दौरे पर हरियाणा प्रतिनिधिमंडल ने टीडीके कॉर्पोरेशन के साथ की अहम बैठक, निवेश को लेकर हुई चर्चा

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में जापान दौरे पर गए प्रतिनिधिमंडल ने पहले ही दिन जापान की बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों से बैठकें कर हरियाणा में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने आज टोक्यो में जापान की अग्रणी इलेक्ट्रॉनिक कंपनी टीडीके कॉर्पोरेशन के साथ अहम बैठक कर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, सेंसर और चुंबकीय सामग्री के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने पर विचार-विमर्श किया।

उल्लेखनीय है कि टीडीके कॉर्पोरेशन की सहायक कंपनी एटीएल बैटरी द्वारा ईएमसी सोहना, हरियाणा में भारत का सबसे बड़ा लिथियम-आयन बैटरी विनिर्माण संयंत्र स्थापित किया जा रहा है। यह परियोजना हरियाणा को ऊर्जा भंडारण तकनीक के क्षेत्र में अग्रणी बनाएगी और राज्य में रोजगार, नवाचार तथा तकनीकी विकास को गति प्रदान करेगी।बैठक में टीडीके कंपनी के अन्य पार्टनर्स को हरियाणा में एक व्यापक इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण इकोसिस्टम स्थापित करने के लिए निवेश करने हेतु भी प्रोत्साहित किया गया। मुख्यमंत्री ने टीडीके कॉर्पोरेशन को हरियाणा सरकार की उद्योग-हितैषी नीतियों, उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे और निवेशकों को प्रदान किए जा रहे सहयोग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार ने राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' का एक इको-सिस्टम तैयार किया है। इसके तहत उद्योगों को सभी प्रकार के एनओसी एवं अनुमोदन सिंगल-विंडो प्लेटफॉर्म के माध्यम से मिलते हैं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के साथ लगते गुरुग्राम शहर में 250 से ज्यादा फॉर्च्यून 500 कंपनियों के कार्यालय स्थित हैं।इतना ही नहीं, लागत को कम करने, बिक्री बढ़ाने और सप्लाई चैन को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, एन.सी.आर. क्षेत्र में हरियाणा सबसे उपयुक्त डेस्टीनेशन है। क्योंकि, दिल्ली के तीन ओर हरियाणा प्रदेश की सीमा लगती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में कारोबार के लिए जरूरी सभी सुविधाएं और इन्फ्रास्ट्रक्चर मौजूद हैं। उन्होंने आश्वसन दिया कि राज्य सरकार उद्योगों को सफल बनाने के लिए हर संभव सहयोग करेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरूण कुमार गुप्ता, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ अमित अग्रवाल, विदेश सहयोग विभाग की आयुक्त एवं सचिव श्रीमती अमनीत पी कुमार, हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम के प्रबंध निदेशक तथा उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के महानिदेशक श्री यश गर्ग सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन में अब तक 1014.19 करोड़ की अदायगी किसानों के बैंक खातों में सीधे स्थानांतरित

संवाददाता
चंडीगढ़

- हरियाणा की मंडियों से अब तक 10.00 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई
- राज्य में अब तक 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल' पर पंजीकृत 81410 किसानों से धान की खरीद की गई

हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन 2025 - 26 के दौरान किसानों के खातों में अब तक 1014.19 करोड़ की अदायगी उनके बैंक खातों में सीधे स्थानांतरित की जा चुकी है। इस तरह सरकार ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का भुगतान सुनिश्चित किया है। 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर पंजीकृत किसानों से धान की खरीद की जा रही है। राज्य में अब तक 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल' पर पंजीकृत 81410 किसानों से धान की खरीद की गई है।

हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के एक प्रवक्ता ने आज यहाँ जानकारी देते हुए कहा कि अब तक राज्य भर की मंडियों में कुल 13.68 लाख मीट्रिक टन धान की आवक हुई है। प्रवक्ता ने कहा कि विभिन्न जिलों की मंडियों से अब तक 5.65 लाख मीट्रिक टन धान का उठान हो चुका है। अब तक मंडियों से 10.00 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है हरियाणा की मंडियों/खरीद केंद्रों में धान की खरीद खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग, हैफेड और हरियाणा राज्य भंडारण निगम द्वारा की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि राज्य में धान की खरीद भारत सरकार द्वारा धान के लिए निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर करते हुए फसल का भुगतान किसानों के बैंक खातों में सीधे तौर पर स्थानांतरित किया जाता है। सरकार द्वारा किसान भाइयों से बार बार अपील की जा रही है कि वे अपनी फसल की मंडी में अच्छी तरह सुखाकर भारत सरकार द्वारा निर्धारित मापदण्डों (जैसे कि नमी 17 प्रतिशत) की सीमा अनुसार लेकर आएं।

उन्होंने कहा कि राज्य की खरीद संस्थाओं द्वारा धान की खरीद के लिए पुख्ता प्रबंध किये हुए हैं और धान के उठान कार्य में भी तेजी लाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि राज्य की खरीद संस्थाओं द्वारा खरीद किये गए धान के भारत सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य की अदायगी किसानों के बैंक खातों में सीधे तौर पर स्थानांतरित की जाती है। भारत सरकार द्वारा धान के लिए निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2389 प्रति क्विंटल में कोई कटौती नहीं की गई है।

इसके अतिरिक्त राज्य की मण्डियों और खरीद केंद्रों में किसानों द्वारा लाये गए धान की साफ - सफाई का कार्य आढ़तियों द्वारा अपने स्तर पर किया जा रहा है। इसके साथ साथ मंडियों और खरीद केंद्रों पर होने वाले मण्डी श्रम कार्य (जैसे कि भराई, तुलाई, सिलाई, लदाई इत्यादि) के शुल्क दरों की अदायगी भी सरकार द्वारा वहन की जाती है।

सीआईएसएफ ने प्रशिक्षण प्रणाली में किए व्यापक सुधार

संवाददाता
चंडीगढ़

- नई पहल से युद्ध क्षमता, तकनीकी शिक्षा और परिचालन तैयारी में किया गया बड़ा सुधार

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने खुद को युद्ध-सक्षम, तकनीक-दक्ष और भविष्य के लिए तैयार बल में तब्दील करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। बल ने अपने प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, शारीरिक मानकों और तकनीकी अभ्यास प्रणाली में व्यापक बदलाव किए हैं। इन सुधारों को अंतिम रूप हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय औद्योगिक सुरक्षा अकादमी (निसा) में आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण सम्मेलन 2025 के दौरान महानिदेशक श्री राजविंदर सिंह भट्टी की अध्यक्षता में दिया गया। सीआईएसएफ के एक प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दो दिवसीय सम्मेलन में देशभर के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लेकर सीआईएसएफ की परिचालन क्षमता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का रोडमैप तैयार किया गया। उन्होंने बताया कि ह्यवन फोर्स, वन स्टैंडर्डह्न नीति लागू की है, जिसके तहत सभी रैंकों को अब एनएसजी जैसे विशिष्ट बलों के कठोर युद्ध एवं शारीरिक मानकों पर प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में 26 बाधाओं वाला बैटल ऑब्स्टेकल असॉल्ट कोर्स, 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन और विशेष आतंकवाद-रोधी मॉड्यूल शामिल किए गए हैं।इन उपायों से प्रत्येक रिक्रूट में दृढ़ता, सामरिक कौशल और आत्मविश्वास का विकास होगा।उन्होंने बताया कि सीआईएसएफ ने अपने प्रशिक्षण में 20 अत्याधुनिक सुरक्षा तकनीकों को शामिल किया है, जिनमें ड्रोन-रोधी प्रणालियां, साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण और एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र शामिल हैं।

दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के लिए मोबाइल एप से हो रहे आवेदन : कैलाश सैनी

संवाददाता
लाडवा

मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 25 सितंबर को हरियाणा सरकार द्वारा दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के आवेदन के लिए एप लॉन्च की हुई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महिलाओं के लिए इस योजना को शुरू किया है।उन्होंने एक लाख से कम इनकम वाले परिवार की महिलाओं को योजना के लिए जरूरी कागजात को पूरे कर आवेदन करने की अपील की।

प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य वित्तीय स्वतंत्रता को मजबूत करके और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करके महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है, जिससे उनकी समग्र भलाई और सामाजिक भागीदारी को बढ़ावा मिले और महिलाएं आत्मनिर्भर बन सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की करनी और कथनी में कोई अंतर नहीं है।उन्होंने चुनावों के दौरान जिस वायदे को महिलाओं से किया था, उसको सरकार का एक वर्ष पूरा होने से पहले ही पूरा करके दिखाया है।दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र महिला को 2100 प्रति माह लाभ दिया जाएगा। यह लाभ बैंकों के माध्यम से डीबीटी के तहत वितरित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस योजना के प्रयोजन के लिए प्रत्येक पात्र लाभार्थी के नाम पर एक चालू बैंक खाता होना चाहिए। इस योजना के तहत पात्र व्यक्ति महिला होगी तथा जिसकी आयु 23 वर्ष से 60 वर्ष के मध्य होनी चाहिए व ऐसे परिवार से सम्बन्धित हो जिसकी सत्यापित वार्षिक आय 1 लाख रुपये से अधिक ना हो, जो महिला किसी अन्य राज्य से हरियाणा में विवाहित है जिसका पति हरियाणा का निवासी है और आवेदन के समय पिछले 15 वर्षों या उससे अधिक समय से हरियाणा राज्य में रह रहा है यह महिला इस योजना की पात्र है।एक नवंबर से महिलाओं के खाते में योजना का लाभ आना शुरू हो जाएगा।

प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि यदि कोई महिला सामाजिक न्याय अधिकारिता एवं अनुसूचित जातियां, पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय सेवा विभाग से किसी अन्य प्रकार की सहायता प्राप्त कर रही है जैसा कि वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, विधवा और निराश्रित महिला को वित्तीय सहायता दिव्यांग वित्तीय सहायता, लाडली सामाजिक सुरक्षा, कश्मीरी प्रवासी परिवारों को वित्तीय सहायता, हरियाणा बौना भत्ता, एसिड अटैक वित्तीय सहायता, अविवाहित वित्तीय सहायता का लाभ प्राप्त करने उपरान्त दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ प्राप्त नहीं कर सकती।

संक्षिप्त-समाचार

सुगनी देवी स्कूल के खिलाड़ी देव व सुनैना पहुंचे राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में

लाडवा। लाडवा के सुगनी देवी आर्य गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रधानाचार्या पूजा छाबड़ा ने हर्ष के साथ बताया कि राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर हमारे विद्यालय के देव और सुनैना राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच गए` उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता दून वैली इंटरनेशनल स्कूल करनाल में आयोजित की गई` जिसमें 500 बच्चों ने भाग लिया` सुगनी देवी स्कूल के खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण पदक देव, सुनैना और वेनिका ने रजत पदक प्राप्त किया` बच्चों की इस उपलब्धि पर मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य, प्रधानाचार्या , हेडमिस्ट्रेस , कोऑर्डिनेटरस और सभी अध्यापकों ने बच्चों को और अध्यापक करणजीत को हार्दिक शुभकामनाएं दीं` प्रधानाचार्या ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की ।

छात्रों को चीनी मिल का शैक्षणिक भ्रमण कराया

लाडवा । किड्जी स्कूल के बच्चों को करनाल चीनी मिल का छात्रों द्वारा शैक्षिक भ्रमण करवा गया।इस दौरे का उद्देश्य छात्रों को चीनी उत्पादन की प्रक्रिया से परिचित कराना और मिल की कार्यप्रणाली को समझना था। छात्रों ने गन्ना लाने से लेकर चीनी बनने तक की पूरी प्रक्रिया को बारीकी से देखा। जिसमें गन्ने की पेराई, रस की सफाई और चीनी के क्रिस्टलीकरण जैसे चरण शामिल थे। यह दौरा उनके लिए काफी ज्ञानवर्धक रहा। किड्जी स्कूल समय समय इस तरह के शैक्षिक भ्रमण करता रहता है ताकि बच्चों के प्रैक्टिकल ज्ञान में वृद्धि की जा सके और उनके शिक्षा के विषय को रोचक बना सके।मिल प्रशासन ने सभी छात्रों और अध्यापिका का स्वागत किया और उन्हें सभी आवश्यक जानकारी प्रदान की।शुगर मिल के हेड निर्मल जी स्कूल के साथ पूरा सहयोग किया और रावत सर ने बच्चों को गन्ने से चीनी बनाने की पूरी प्रकिया की जानकारी दी।मिल की नवीनतम तकनीकी मशीनरी और दक्षता को देखकर छात्र प्रभावित हुए। हाल ही में मिल ने तकनीकी दक्षता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीता है।।इस मौके पर गीता शर्मा,भावना,पल्लवी मदान,पल्लवी शर्मा,गौरव मौजूद थे।

गृह विभाग ने यातायात एवं सार्वजनिक व्यवस्था के सुचारू संचालन हेतु निर्देश किए जारी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य में जनता की सुविधा एवं बिना बाधा के यातायात के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रशासन को कड़े निर्देश जारी किए हैं। इन निदेर्शों में कानून-व्यवस्था को बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया है, ताकि आम जन-जीवन प्रभावित न हो। गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि किसी भी व्यक्ति या समूह को किसी भी परिस्थिति में सड़क, राजमार्ग या सार्वजनिक मार्ग अवरुद्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ऐसा करने से न केवल आम नागरिकों को असुविधा होती है, बल्कि कानून-व्यवस्था की स्थिति भी प्रभावित होती है। न निदेर्शों में सभी पुलिस आयुक्तों, जिला पुलिस अधीक्षकों और संबंधित प्रशासनिक इकाइयों को सतर्क रहने और संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी संभावित स्थिति को रोकने के लिए निवारक एवं प्रवर्तनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने पर बल दिया गया है। गृह विभाग ने यह भी कहा है कि स्थानीय प्रशासन और पुलिस के बीच निरंतर समन्वय बनाए रखा जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना या अवरोध की स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके। निदेर्शों में उल्लेख किया गया है कि यदि कोई व्यक्ति या संगठन इन आदेशों का उल्लंघन करता है, तो उसके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री चौ. भजन लाल को भावभीनी श्रद्धांजलि

लाडवा। संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, धनौरा-लाडवा के प्रबंधन, प्रधानाचार्य, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने हरियाणा के तीन बार पूर्व मुख्यमंत्री रहे चौ. भजन लाल को उनकी जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यालय के प्रधान पवन गर्ग ने बताया कि चौ. भजन लाल हरियाणा के बिश्नोई समाज से थे। उनका जन्म 6 अक्टूबर 1930 को ब्रिटिश भारत के पंजाब प्रांत में हुआ था। विभाजन के बाद वे आदमपुर, हिसार आकर बस गए। उन्होंने राजनीति में प्रवेश किया और आदमपुर से विधानसभा सदस्य के लिए चुनाव लड़ा और निर्वाचित हुए। वे 1979, 1982 और 1991 में हरियाणा के मुख्यमंत्री बने। उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री और भारत सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्री के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने हरियाणा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पवन गर्ग ने वाल्मीकि जयंती की शुभकामनाएँ भी दीं।

फसल कटाई के बाद बचे हुए अवशेषों को जलाने पर 30 नवंबर 2025 तक पूर्ण रूप से प्रतिबंध : पंकज सेतिया

अनिल गोयल
लाडवा

- अवशेष में आग लगाते पाए जाने वाले के खिलाफ बीएनएसएस 2023 की धारा 223 के तहत होगी कानूनी कार्रवाई

एसडीएम पंकज सेतिया ने कहा कि धान व अन्य फसल कटाई के बाद बचे हुए अवशेषों को जलाने पर 30 नवंबर 2025 तक पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया हुआ है।फसल अवशेषों में आग लगाने से रोकने और जनहित को जहन में रखते हुए जिलाधीश द्वारा बीएनएसएस 2023 की धारा 163 लगाई हुई है। इसके बावजूद भी यदि कोई फसल अवशेष में आग लगाते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ बीएनएसएस 2023 की धारा 223 के तहत कानूनी कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी।

एसडीएम पंकज सेतिया ने कहा कि क्षेत्र में धान सहित अन्य फसलों की कटाई का कार्य चला हुआ है। इन फसलों की कटाई उपरांत कुछ किसान खेतों में बचे हुए फसल अवशेषों में आग लगा देते है, जिस कारण वायु प्रदूषण होता है और वायु प्रदूषण अधिक होने से बीमारियां फैलती है। इसके साथ ही आमजन को सांस लेने में कठिनाई आती है तथा कई बार सडक दुर्घटना भी हो जाती है।इससे पशुओं के चारे की भी कमी हो जाती है और भूमि की ऊपरी सतह जलने के कारण सूक्ष्म जीव मर जाते है और इससे भूमि की उपजाऊ शक्ति भी क्षीण हो जाती है।

एसडीएम पंकज सेतिया ने कहा कि जिलाधीश ने कृषि विभाग की सूचना के आधार पर बीएनएसएस 2023 की धारा 163 में वर्णित प्रद्धत शक्तियों के अंतर्गत तुरंत प्रभाव से लाडवा सहित पूरे कुरुक्षेत्र जिले में फसल कटाई के बाद बचे हुए अवशेषों को जलाने पर 30 नवंबर 2025 तक पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया है। इन आदेशों की सम्बन्धित विभाग के अधिकारी पालना करवाना सुनिश्चित करेंगे।अगर कोई भी व्यक्ति आदेशों की अवहेलना करते हुए दोषी पाया जाता है तो उस व्यक्ति के खिलाफ बीएनएसएस 2023 की धारा 223 के तहत कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जापान दौरे के दौरान जापान की सेइरेन कंपनी ने हरियाणा के साथ किया एमओयू

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में जापान दौरे पर गए प्रतिनिधिमंडल ने आज टोक्यो में जापान की प्रतिष्ठित सेइरेन कंपनी लिमिटेड के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत सेइरेन कंपनी रोहतक में अपने मेगा प्रोजेक्ट में 220 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। इस परियोजना से लगभग 1700 से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इस दौरान हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह भी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि सेइरेन कंपनी लिमिटेड वस्त्र समाधान और उन्नत सामग्री निर्माण में विश्व स्तर पर अग्रणी कंपनी है, जिसके उत्पाद ऑटोमोबाइल, इंटीरियर, पर्यावरण संरक्षण, लाइफस्टाइल, कॉस्मेटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स, सेंसर और मैग्नेटिक मटेरियल जैसे कई क्षेत्रों में उपयोग होते हैं।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भारत की बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था, युवा आबादी व बड़ा बाजार तथा जापान के तकनीकी कौशल, विनिर्माण कौशल और वित्तीय संसाधन दोनों देशों की प्रगति में अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा की पहचान एक सशक्त औद्योगिक और प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में बनी है। हरियाणा, भारत के भौगोलिक क्षेत्रफल का केवल 1.3 प्रतिशत है। लेकिन, यह देश की जी.डी.पी. में 3.6 प्रतिशत का योगदान देता है। हरियाणा हमेशा से भारत में जापानी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए एक पसंदीदा निवेश स्थल रहा है। हरियाणा भारत के निर्यात में योगदान देने वाला प्रमुख राज्य है।

सूरजकुंड दीपावली मेला में विद्यार्थियों और लोक कलाकार ने सांस्कृतिक मंच पर मचाया धमाल

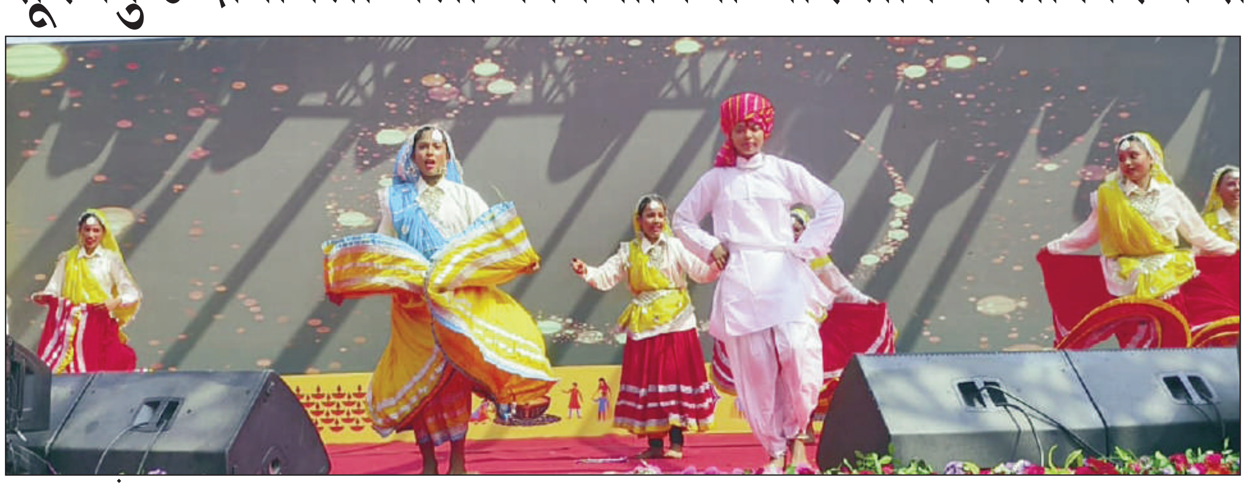

संवाददाता
चंडीगढ़

अरावली की पहाड़ियों से घिरे सूरजकुंड की खूबसूरत वादियों में आत्मनिर्भर भारत- स्वदेशी मेला थीम पर आयोजित किए जा रहे द्वितीय सूरजकुंड दीपावली मेला की मुख्य चौपाल पर विद्यार्थी और लोक कलाकार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों से सांस्कृतिक मंच पर धमाल मचा रहे हैं। दीपावली मेला के पांचवे दिन सोमवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मुख्य चौपाल पर विद्यार्थियों के साथ-साथ लोक कलाकारों ने मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों दीपावली मेले में रंग जमा दिया। हरियाणा सरकार और हरियाणा पर्यटन निगम की ओर से मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन और पर्यटन मंत्री डा. अरविंद कुमार शर्मा के निर्देशन में सूरजकुंड परिसर में आत्मनिर्भर भारत-स्वदेशी मेला थीम के साथ द्वितीय सूरजकुंड दीपावली मेले का आयोजन किया जा रहा है। भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति देने और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी मेला एक महत्वपूर्ण पहल बनकर उभरा है।सूरजकुंड में आयोजित किया जा रहा यह मेला न केवल स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को मंच प्रदान कर रहा है। दीपावली मेला में विद्यार्थियों और लोक कलाकारों द्वारा मुख्य चौपाल से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां दी जा रही हैं। सोमवार को राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पाली फरीदाबाद के विद्यार्थियों द्वारा हरियाणवी, नालंदा उच्च विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा असम का बिहू व आदिवासी नृत्य, जीजीएसएसएस उंचा फरीदाबाद के विद्यार्थियों ने नी मैं नचना श्याम दे नाल पर शानदार नृत्य प्रस्तुत करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी हरियाणवी सहित अन्य लोकगीतों पर सामूहिक और एकल नृत्य की शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन किया और मेले को यादगार बना दिया। वहीं बीन पार्टी सहित अन्य कलाकारों ने भी शानदार मनोहारी प्रस्तुतियां देकर मेले में समा बांध दिया।

दीपावली मेला में मक्का के छिलकों से बने प्रोडक्टस देख हो जाएंगे दंग

चंडीगढ़। फरीदाबाद के सूरजकुंड में आत्मनिर्भर भारत-स्वदेशी मेला थीम पर आयोजित किया जा रहा दीपावली मेला प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी विजन को मजबूती प्रदान कर रहा है। दीपावल मेले में बुलंदशहर के गांव जुगसाना कलां से आए श्री प्रदीप चंद्रा द्वारा मक्का के छिलकों से अनूठी कारीगरी करते हुए बैठने का सामान सहित आकर्षक फूल, गुलदस्ते और अन्य सजावटी सामान बनाए गए हैं, जो घर-घर की शोभा बढ़ाते हैं। प्रदीप चंद्रा ने बताया कि ये सभी प्रोडक्ट फूलजा फाउंडेशन के सहयोग से गांव की महिलाओं द्वारा मक्का के छिलकों से तैयार किए जाते हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही हैं और महिला सशक्तिकरण का बढ़ावा मिल रहा है। महिलाओं द्वारा मक्का के छिलकों से सुंदर, उपयोगी और टिकाऊ उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। संस्था द्वारा गांव की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का काम भी किया जा रहा है। आसपास की महिलाओं को रोजगार से जोड़ा जाता है और उन्हें वेस्ट मटेरियल से प्रोडक्ट्स बनाना सिखाया जाता है। इस पहल से महिलाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ा है। प्रदीप चंद्रा ने उनकी कला को मंच प्रदान करने के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी व हरियाणा पर्यटन निगम के मंत्री डा. अरविंद शर्मा का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा वे फरवरी में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेले में भी अपनी स्टॉल लगाने सूरजकुंड आएंगे।

संपादकीय

मासूमों की मौत पर हावी होता कफ सिरप: सरकार को उठाने होंगे सख्त कदम

पिछले कुछ हफ़्तों में मध्यप्रदेश और राजस्थान से ऐसी दिल दहला देने वाली खबरें आई हैं जिनसे पूरे देश में सनसनी फैल गयी है - 'कफ सिरप' नामक खांसी की दवा ने मासूम बच्चों की जान ले ली है। छिंदवाड़ा, भरतपुर, सीकर जैसे जिलों में कुल मिलाकर 11 से 20 बच्चों की मौत हुई है, जिनमें अधिकांश मामले किडनी फेलियर जैसी गम्भीर शारीरिक अवस्थाओं के कारण सामने आये। यह सिर्फ एक स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि सरकार, औषधि कंपनियों और नियंत्रक तंत्र की जवाबदेही की परीक्षा है। यदि सतर्कता नहीं बढ़ाई गयी, तो ऐसी घटनाएँ सार्वजनिक विश्वास को तोड़ देंगी और बच्चों की ज़िंदगियाँ हमेशा के लिए बदल जाएँगी। याद रहे मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में 'कोल्ड्रिफ सिरप' नामक कफ सिरप के सेवन से 9 बच्चों की जान गयी, जबकि राजस्थान के भरतपुर व सीकर में मिलाकर 2 और 3 और मामलों की खबर है। प्रारंभिक जांच रिपोर्टों में 'डायथिलीन ग्लाइकोल' नामक जहरीले रसायन की उपस्थिति पायी गयी है, जिसकी मात्रा निर्धारित सुरक्षित सीमा से कई गुना अधिक थी। सरकार ने 'कोल्ड्रिफ सिरप' को प्रतिबंधित किया है और कई राज्य सरकारों ने इसकी बिक्री व वितरण पर रोक लगायी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एडवाइजरी जारी की है कि 2 साल से कम आयु के बच्चों को कोई खांसी-सर्दी की सिरप दवाएं ना दी जाएँ, और पाँच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए ऐसी दवाएँ तभी दी जाएँ जब डॉक्टर की जांच के बाद अत्यावश्यक हो। यहां कई स्तरों पर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए:दवा निमार्ता और कंपनी-दोषी निर्धारित बैचों में गुणवत्ता और सामग्री नियंत्रण की अवहेलना हुई। जितने नमूने लिये गए हैं उनमें कई में संदूषक मिले, विशेष रूप से डी ई जी जो गुर्दे को बुरी तरह प्रभावित करता है। दवा नियंत्रण विभाग और राज्य सरकारें-मुफ्त दवाओं की योजना में शामिल दवाएँ कई बार ब्लैकलिस्टेड हो चुकी थीं या गुणवत्ता परीक्षण में फेल हुई थीं, फिर भी इस्तेमाल में लाई गयीं। राजस्थान में 'केसन फार्मा' कंपनी की दवाओं पर कई प्रश्न खड़े हैं। सरकारी अस्पतालों, पी एच सी, सी एच सी आदि में दवा वितरण और निगरानी प्रणाली में कमजोरियाँ नजर आई हैं। जहाँ चिकित्सकों ने निर्धारित प्रोटोकॉल के मुताबिक काम करना चाहिए था, वहीं संभव है वे दबाव या सुविधा की दृष्टि से संदिग्ध सिरप लिखने या देने में शामिल हो गए हों। लेकिन डॉक्टरों को दोष देना आसान है; बड़े स्तर पर व्यवस्था और नियंत्रण अपेक्षाकृत कमजोर रही है। ड्रग इंस्पेक्टरों और औषधि नियंत्रण विभागों की निगरानी, दवाओं की गुणवत्ता परीक्षणों की पारदर्शिता, दोषी पर कार्रवाई – इन सभी में देरी हुई है। उल्लेखनीय है कि कुछ मामलों में कंपनी को 'क्लीन चिट' दी गयी है जबकि आम जनता और विशेषज्ञ रिपोर्टें में गंभीर विसंगतियों की ओर इशारा किया है। अब ठीक करते हैं उन कदमों की जो उक्त हालातों में उठाये जाने चाहिएं। सरकार के पास अवसर है कि वह इस तरह की त्रासदी को एक बार के लिए स्थायी रूप से समाप्त करे। नीचे कुछ सख्त उपाय हैं जो तुरंत लागू होने चाहिए: सख्त गुणवत्ता मानक लागू करना-दवा निर्माण प्रक्रियाएँ सख्त रूप से लागू हों। प्रयोगशालाएँ स्वतंत्र एवं विश्वसनीय हों; नमूनों की नियमित जांच हो; जहरीले पदार्थों की सीमा निर्धारित हो और उसकी निगरानी हो। स्वतः प्रतिबंध और बैन-प्रक्रिया की पारदर्शिता-यदि कोई सिरप किसी बैच के अनुसार ब्लैकलिस्ट हो जाता है, तो उसी निमार्ता की अन्य दवाएँ तुरंत जांच में लगें या बैन हों। समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित हो। अधिसूचनाएँ सार्वजनिक होनी चाहिए। चिकित्सकों एवं अस्पतालों की जवाबदेही-डॉक्टर और स्वास्थ्य केंद्र दवाएँ लिखते/शिफारिश करते समय गुणवत्ता निरीक्षण रिपोर्ट देखें। विशेषकर मुफ्त दवाएँ या सार्वजनिक हेल्थ प्रोग्राम द्वारा वितरित दवाएँ। कम उम्र के बच्चों को विशेष सावधानी से दवाएँ देने की नीति हो। सरकारी योजनाओं में पारदर्शी वितरण-मुफ्त वितरण योजना, पी एच सी, सी एच सी, जिला अस्पतालों आदि में जो भी दवाएँ पहुंचती हैं उनका ट्रैकिंग सिस्टम हो; हर बैच की समीक्षा, स्टॉक का लेखा-जोखा, समय-समय पर आनुवंशिक/विषैले परीक्षण कराया जाए। कानूनी कार्रवाई और सजा-दोषी कंपनियों और व्यक्तियों पर सजा निश्चित हो – सिर्फ जुर्माना नहीं, बल्कि गंभीर उल्लंघन के मामलों में जेल की कार्रवाई की व्यवस्था की जाए। औषधि अधिनियम और ड्रग नियमावली का पूरी तरह पालन हो, और संशोधन किया जाए यदि वर्तमान कानून पर्याप्त प्रभावी नहीं हैं। जन जागरूकता और अभिभावकों की शिक्षा-जनता, विशेषकर माता-पिताओं को यह जानकारी हो कि किस सिरप का उपयोग सुरक्षित है, किन परिस्थितियों में खांसी-सर्दी की दवा देना चाहिए, और कब डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए। घरेलू उपचार, और गैर-जरूरी दवाओं से बचने की सलाह बढ़ायी जाए। मासूम बच्चों की जानें खो जाना एक अपूर्ण वापसी है – ये जीवन कभी लौट कर नहीं आते। लेकिन यह त्रासदी इस बात की चेतावनी है कि यदि हम अब नहीं जागे, तो ऐसी घटनाएँ बढ़ती जाएँगी। कफ सिरप नाम की सामान्य दवा में सुरक्षा और गुणवत्ता लोप होना – यह सिर्फ चिकित्सा त्रुटि नहीं, बल्कि सामाजिक और प्रशासनिक विफलता का संकेत है। सरकार का काम है कि वो सार्वजनिक स्वास्थ्य की परवाह करे, औषधि नियंत्रण प्रणाली को मजबूत बनाए, जवाबदेही सुनिश्चित करे, और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाए। यदि ये कदम नहीं उठाये गये, तो मात्र मृत संख्या नहीं बढ़ेगी, बल्कि विश्वास का सौदा टूटेगा। हमें अभी कार्रवाई करनी है – बच्चों के जीवन की रक्षा करना है, विज्ञान और मानवता की शक्ति को भरोसा देना है। सरकार को यह दिखाना होगा कि जब जनता की जान सवाल में हो, तो कानून अपने पूरे जोर से काम करता है – न कि कागजों पर, बल्कि असली ज़िंदगी में।

एआई सबको भायी, खतरे भी लाई

योगेश कुमार सोनी (हि.स)

तकनीक का जितना फायदा नहीं होता उससे ज्यादा नुकसान होने लगता है। बीते दिनों एक रिपोर्ट आई कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से कुछ लोगों के नकली आधार और पैन कार्ड बनाने का प्रयास किया गया।आजकल अपनी फोटो को चैट जीपीटी से कलात्मक व आकर्षक बनाने के लिए लोग इसका जमकर प्रयोग कर रहे हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर गूगल जेमिनी का (बनाना एआई साडी ट्रेंड) किस्सा वायरल हो रहा है, जिसमें यूसर्ज अपनी फोटो को एआई की मदद से साडी में बदल रहे हैं। बीते दिनों एक महिला ने इंस्टाग्राम पर बताया कि उससे इस ऐप का प्रयोग किया और साडी वाली तस्वीर बनवाई, लेकिन एआई ने उसकी फोटो के शरीर के उस हिस्से का तिल दिखा दिया जो उसकी अपलोड की गई फोटो में नजर नहीं आ रहा था। इस बात से वह महिला बहुत भयभीत हो गई और इस घटना को डरावना बताया और बाकी लोगों को भी चेताया कि बिना सोचे समझे अपनी फोटो इस तरह के ऐप पर न डालें।

इसके अलावा एक लड़का जो किसी लड़की को चाहता था लेकिन लड़की उसको पंसद नहीं करती थी। उसने एआई की मदद से अपना और उसके फोटो को मिलाकर किसिंग वाला वीडियो बना दिया और उसको उस लड़की के रिश्तेदार व दोस्तों को सेंड कर दिया, जिससे उसकी इमेज पर बडा डेंट पडा। दरअसल आज भी एक आयु वर्ग एआई से परिचित नही हैं तो कुछ लोगों ने उसको असली मान लिया, जिससे वह लड़की को ही गलत समझने लगे। स्थिति यह थी कि लड़की आत्महत्या करने की कोशिश करने लगी लेकिन उसको बचा लिया। यह एक छोटी सी घटना है लेकिन देशभर में हर रोज ऐसी सैकड़ों घटनाएं हो रही हैं। इसके अलावा एक शर्मसार करने वाले घटना सामने आई जिसमें देश के बड़े संत व कथावाचकों के साथ पोर्न स्टार का बात करते हुए व अश्लील हरकत करते हुए वीडियो बना दिया गया। इस घटना से समाज में एक नकारात्मकता फैली व भक्त बहुत नाराज हुए।

इसके अलावा उत्तर प्रदेश के महोबा में शातिर दिमाग लोगों ने एआई का दुरुपयोग कर सरकारी राजस्व को चूना लगा दिया। महोबा जिले में इस हाईटेक फजीर्वाड़ा में तीन लोग धरे गए। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपितों ने खनिज विभाग की आधिकारिक वेबसाइट upmines.updsc.gov.in की हूबहू कॉपी बनाते हुए www.upmines-upsdc.gov.ink‘ नाम से नकली पोर्टल तैयार कर लिया। वह इस वेबसाइट के जरिए ठेकेदारों और बिचौलियों को फर्जी ई-ट्रांजिट पास (रॉयल्टी प्रपत्र) उपलब्ध करा रहे थे। ऐसी घटनाओं से विशेषज्ञ चिंतित तो हैं लेकिन अब तक इसका कोई हल नहीं निकल पाया।

09 सितंबर, 2025 को अभिनेत्री ऐश्वर्या राय ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया और व्यक्तियों व प्लेटफॉर्मों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व अन्य तरीकों से उनकी छवि, पहचान और व्यक्तित्व के दुरुपयोग से रोकने की मांग की। उनकी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप सेठी, वकील प्रवीण आनंद और ध्रुव आनंद पेश हुए। उन्होंने दलील दी कि ऐश्वर्या राय बच्चन का नाम और चेहरा उनकी अनुमति के बिना इस्तेमाल किया जा रहा है। यहां तक कि उनके नाम पर कथित रूप से पैसे भी वसूले जा रहे हैं। सेठी ने अदालत को बताया कि उनकी छवि का ऑनलाइन इस्तेमाल यहां तक किया जा रहा है कि किसी की ‘यौन इच्छाओं की पूर्ति’ हो सके, जिसे उन्होंने ‘बेहद दुर्भाग्यपूर्ण’ बताया।

ऐश्वर्या की याचिका ने देश के मनोरंजन उद्योग में डीप फेक और एआई जनित कंटेंट से बढ़ते खतरे को उजागर किया है। ऐश्वर्या राय से पहले, बॉलीवुड के दिग्गज जैकी श्रॉफ ने मई में अदालत का रुख किया था। उनका आरोप था कि उनके नाम पर मर्चेंडाइज बेचना और उनके विकृत वीडियो बनाने जैसी गतिविधियां प्रथम दृष्टया, उनकी शख्सियत और पब्लिसिटी राइट्स के ‘अनधिकृत शोषण’ के माध्यम से व्यावसायिक लाभ कमाने के प्रयास लगते हैं। अदालत ने उनके व्यक्तित्व और पब्लिसिटी अधिकारों की सुरक्षा की थी। हाल के महीनों में कई बड़े सितारों ने भी अपनी पहचान की सुरक्षा के लिए इसी तरह के कदम उठाए हैं। 2023 में अनिल कपूर ने दिल्ली हाई कोर्ट से अपने नाम, आवाज और मशहूर डायलॉग ‘झक्कास’ के दुरुपयोग पर रोक का आदेश हासिल किया था। उसी समय अमिताभ बच्चन ने भी अपनी पहचान के अनधिकृत इस्तेमाल से सुरक्षा प्राप्त की थी। आज देश में आस्था की दुनिया में प्रख्यात संत प्रेमानंद देश के बड़े संत हैं। कुछ लोगों ने उनको भी नही छोड़ा। उनके प्रसारित प्रवचन का कुछ लोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से दुरुपयोग कर रहे हैं। एआई की मदद से उनके प्रवचनों को दूसरी भाषाओं में प्रसारित कर रहे हैं।

श्रीराधा केलिकुंज ने चेतावनी जारी कर इस तरह के अमर्यादित कृत्यों से बचने को कहा है।दरअसल एआई के दुरुपयोग से लगातार अनैतिक गतिविधियों से खास से लेकर आम आदमी तक परेशान हो रहा है। कुछ शरारती तत्व इसका गलत इस्तेमाल करके लोगों को परेशान कर रहे हैं। इससे निजता का भी हनन हो रहा है व इसके अलावा अन्य कई तरह के संकट बढ़ते जा रहे हैं। इसके लिए जल्द ही कोई ठोस नीति बनानी चाहिए। चूंकि यह एक ऐसा तंत्र बन चुका है जिसकी वजह से बहुत लोगों की जीवन में परेशानी आ रही है। इसके दुरुपयोग होने पर कड़े कानून तो बनने चाहिए साथ में ऐसे भी फीचर्स होने चाहिए जिससे कि कोई किसी की फोटो व अन्य दस्तावेजों का दुरुपयोग न कर सके। यह बेहद दुर्लभ है चूंकि इस प्रकरण में निजता पर जो प्रहार हो रहा है उससे विशेषज्ञ भी परेशान हो रहे हैं। दरअसल हम चाहें तो किसी तकनीकी का सही प्रयोग कर बहुत हासिल कर सकते हैं लेकिन कुछ लोग इसका गलत इस्तेमाल करके लोगों का डरा रहे हैं। ऐसे लोगों पर तुरंत कार्रवाई हो, जिससे कोई भी ऐसा करने से डरे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सतत् पर्यटन, साझा समृद्धि

पर्यटन केवल यात्रा करना नहीं है, यह लोगों को जोड़ने वाला पुल है, रोजगार का साधन है और हमारी संस्कृति को दुनिया तक पहुंचाने का माध्यम है। पर्यटन और सतत परिवर्तन को समर्पित इस विश्व पर्यटन दिवस पर, यह समझना जरूरी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में भारत की पर्यटन यात्रा को कैसे नया रूप दिया गया है। जो पहले कभी मौसमी और बिखरा हुआ क्षेत्र था, वह आज योजनाबद्ध, समावेशी और सतत राष्ट्रीय विकास का प्रमुख साधन बन गया है।

यह बदलाव केवल कल्पनाओं में नहीं, बल्कि लोगों की ज़िंदगी में दिखाई देता है। जून 2025 तक भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या 16.5 लाख पहुंच गई, विदेश यात्रा करने वाले भारतीयों की संख्या 84.4 लाख रही और पर्यटन से विदेशी मुद्रा आय 51,532 करोड़ तक पहुंची। अकेले 2023-24 में ही इस क्षेत्र ने जीडीपी में 15.73 लाख करोड़ का योगदान दिया, जो अर्थव्यवस्था का पांच प्रतिशत से अधिक है और 8.4 करोड़ से ज्यादा नौकरियों को सहारा दिया। इन आंकड़ों के पीछे कारीगरों को नए बाजार मिलना, परिवारों का होमस्टे शुरू करना, और गाइड, चालक व छोटे व्यवसायियों के लिए लगातार काम और मांग का अवसर जुड़ा हुआ है।

इस प्रगति के केंद्र में प्रधानमंत्री का यह विश्वास है कि पर्यटन को राष्ट्रीय प्राथमिकता होना चाहिए, न कि कोई हाशिये की गतिविधि। नए हवाईअड्डों, आधुनिक रेल नेटवर्क, नवनिर्मित राजमार्गों और आंतरिक जलमार्गों से बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी का विस्तार किया गया। उड़ान योजना ने हवाई यात्रा को छोटे शहरों की पहुंच में ला दिया। धरोहर स्थलों और तीर्थ यात्राओं के मार्गों तक बेहतर अंतिम कनेक्टिविटी ने उन लाखों लोगों के लिए यात्रा संभव कर दी, जो पहले दूरी या खर्च के कारण वंचित रह जाते थे। इस तरह पर्यटन अब केवल शहरी विलासिता न होकर संतुलित क्षेत्रीय विकास का साधन बन गया है।

गंतव्य (डेस्टिनेशन) विकास भी इसी दृष्टि से आगे बढ़ाया गया है। स्वदेश दर्शन 2.0 और प्रसाद जैसे कार्यक्रम स्थिरता और सांस्कृतिक अखंडता को अपने केंद्र में रखते हैं। डेस्टिनेशन मैनेजमेंट ऑर्गनाइजेशन की शुरूआत ने सरकार, निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदायों को एक साथ जोड़ा है, ताकि संसाधनों का समझदारी से उपयोग हो और लाभ सब तक समान रूप से पहुंचे।

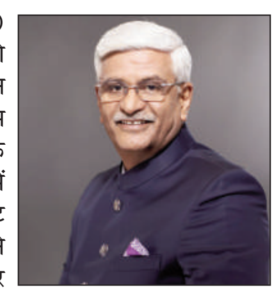

श्री गजेंद्र सिंह शेखावत

प्रधानमंत्री ने यह भी नया दृष्टिकोण दिया है कि भारत दुनिया के सामने खुद को कैसे प्रस्तुत करे। नए रूप में अतुल्य भारत पोर्टल, वैश्विक यात्रा प्लेटफॉर्म्स के साथ साझेदारी और डिजिटल स्टोरीटेलिंग के नए तरीके ने सबसे छोटे संचालकों, ग्रामीण मेजबानों, होमस्टे चलाने वाले परिवार, सांस्कृतिक उद्यमियों को भी वैश्विक दर्शकों तक पहुंचने का अवसर दिया है। तकनीक अब केवल प्रचार का साधन ही नहीं रही, बल्कि डेटा-आधारित प्रबंधन के जरिए संवेदनशील स्थलों की सुरक्षा का माध्यम भी बन गई है।

हालांकि, इस बदलाव की सबसे बड़ी विशेषता स्थिरता है। प्रधानमंत्री ने अपने व्यापक लाइफ आंदोलन(लाइफस्टाइल फॉर एंवायरमेंट) को आगे बढ़ाते हुए ट्रैवल फॉर लाइफ की शुरूआत की, जिसमें पर्यटन को भी पर्यावरण संरक्षण से जोड़ा गया। कम प्रभाव वाले ग्रामीण अनुभवों से लेकर पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बुनियादी ढांचे और ज़िम्मेदार तीर्थ प्रबंधन तक, पूरा जोर इस बात पर है कि यात्रा प्रकृति को संवारने वाली हो, न कि उसे नुकसान पहुँचाने वाली। भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत, वैश्विक पर्यटन को सतत विकास लक्ष्यों के साथ जोड़ने के लिए 'गोवा रोडमैप' को आगे बढ़ाया गया, जिसमें हरित विकास, कौशल विकास, डिजिटलीकरण और सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमों के समर्थन को वैश्विक चर्चा के केंद्र में रखा गया।

ज्यादा यात्रियों का मतलब है ज्यादा भरे हुए होटल, स्थानीय सेवाओं की बढ़ती माँग और कारीगरों व उद्यमियों के लिए नए अवसर। जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जोर दिया है, सामर्थ्य केवल एक आर्थिक साधन नहीं, बल्कि एक लोकतांत्रिक सिद्धांत है, राजकोषीय सुधारों ने भी इन संरचनात्मक बदलावों को और मजबूती दी है। हाल का सबसे अहम कदम रहा 1,000 से 7,500 रुपये तक के होटल कमरों पर जीएसटी घटाकर 5% करना। यह सोच-समझकर उठाया गया कदम था ताकि मध्यम वर्ग के यात्री प्रोत्साहित हों, जिनकी तीर्थ यात्राएं, वीकेंड ट्रिप और ग्रामीण प्रवास पर्यटन क्षेत्र को बड़ा सहारा देते हैं। हालांकि, इनपुट टैक्स क्रेडिट वापस लेने पर बहस जारी है, लेकिन इसका व्यापक असर स्पष्ट है। किफायती दामों ने अधिक लोगों के लिए पर्यटन का रास्ता खोला है। अधिक यात्री मतलब भरे हुए होटल, स्थानीय सेवाओं की ज्यादा मांग और कारीगरों व उद्यमियों के लिए नए अवसर। जैसा प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा है, किफायत सिर्फ. आर्थिक उपाय नहीं बल्कि एक लोकतांत्रिक सिद्धांत है, जो यात्रा को कुछ लोगों के विशेषाधिकार के बजाय बहुतों का अधिकार बनाता है।

फिर भी, प्रधानमंत्री लगातार यह याद दिलाते रहे हैं कि केवल नीतियां ही काफी नहीं हैं। असली बदलाव के लिए समुदाय का सहयोग जरूरी है। इसीलिए कार्यक्रम स्थानीय युवाओं को गाइड के रूप में प्रशिक्षित करते हैं, पर्यावरण-अनुकूल आतिथ्य को प्रोत्साहित करते हैं, कारीगरों को व्यापक बाजारों तक पहुंचने में मदद करते हैं और तीर्थयात्रा मार्गों की पवित्रता की रक्षा करते हैं। इस दृष्टि में पर्यटन ऊपर से थोपा नहीं जाता, बल्कि उन्हीं लोगों के साथ मिलकर गढ़ा जाता है, जिनकी ज़िंदगी पर इसका सबसे गहरा असर पड़ता है।

चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। ढांचे की कमियां, जलवायु परिवर्तन की संवेदनशीलताएं, और आधुनिक यात्रियों की बढ़ती अपेक्षाएं, लेकिन आज भारत के पास इनसे निपटने के साधन हैं। मोदी जी के नेतृत्व में हमने ऐसी संस्थाएं, वित्तीय मॉडल और शासन व्यवस्था तैयार की हैं जो इन चुनौतियों का सामना कर सकें।

आगे बढ़ते हुए, तीन प्राथमिकताएं हमें मार्गदर्शन देंगी। हमें स्थिरता को और गहरा करना होगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि विकास हमेशा पर्यावरणीय लाभ भी दे। हमें लाभों को लोकतांत्रिक बनाना होगा, यानी स्थानीय नौकरियां पैदा करने वाले एमएसएमई और मध्यम स्तर के उद्यमों में निवेश करना होगा। और हमें शासन और डेटा को मजबूत करना होगा ताकि संसाधनों का समझदारी से प्रबंधन हो और संपत्तियों की रक्षा हो सके।

भारत का अनुभव यह साबित करता है कि जब सुसंगत नीति, राजकोषीय विवेक और समुदाय की भागीदारी दूरदर्शी नेतृत्व के तहत एक साथ आती है, तो असली बदलाव संभव होता है। इस विश्व पर्यटन दिवस पर, आइए हम यह संकल्प लें कि जिम्मेदारी के साथ यात्रा करेंगे, स्थानीय रोजगार का समर्थन करेंगे और हर यात्रा कार्यक्रम में विकसित भारत के वादे को जीवंत रखेंगे। सही ढंग से पोषित पर्यटन न केवल हमारी अर्थव्यवस्था का स्तंभ बनेगा, बल्कि भारत की सभ्यतागत लोक व्यवहार यानी खुला, सहनशील और आतिथ्यपूर्ण का जीवित प्रमाण भी बनेगा। आगे का रास्ता लंबा है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमने वाहन तैयार कर लिया है। अब हमें इसे सावधानी, साहस और साझा उद्देश्य की भावना के साथ चलाना होगा।

(लेखक भारत सरकार में केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री हैं।)

आज का राशिफल

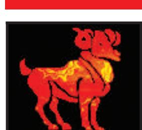

मेषः आज जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी रहेगी। योजनाबद्ध कार्य अपेक्षित समय पर पूरे न होने से मन खिन्न रह सकता है। किसी सामाजिक या परोपकारी कार्य में धन व्यय होगा। मन में अस्थिरता रहेगी, जिससे किसी कार्य पर एकाग्र नहीं रह पाएंगे।

वृषभः आज आप अपनी कार्यशैली में सुधार लाने की दिशा में सफल प्रयास करेंगे। संतान से जुड़ी चिंता दूर होगी। आर्थिक मामलों में लेन-देन करते समय सावधानी आवश्यक है। ससुराल पक्ष से सम्मान और सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुनः आज आप सामाजिक कार्यों और शुभ आयोजनों में भाग लेंगे। दांपत्य जीवन की परेशानियां समाप्त हो सकती हैं। कानूनी मामलों में राहत मिलने के संकेत हैं। युवा वर्ग नए व्यवसाय की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। माता-पिता से मिली सलाह आपके लिए बेहद उपयोगी साबित होगी।

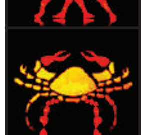

कर्कः व्यवसाय या नौकरी में कुछ अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। किसी मित्र या रिश्तेदार की मदद करनी पड़ सकती है। महिलाओं के लिए यह दिन विशेष रूप से शुभ रहेगा। आपके विचारों को समाज में सम्मान मिलेगा और विरोधियों के बीच आपका प्रभाव बढ़ेगा।

सिंहः आज अपने कीमती सामान और दस्तावेज संभालकर रखें। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें, विशेषकर महिलाओं को स्वच्छता पर ध्यान देना चाहिए। अधूरे कार्यों को लेकर तनाव रह सकता है। व्यर्थ के विवादों से बचें, वरना संबंधों में खटास आ सकती है।

कन्याः राजनीति, बैंकिंग और मैनेजमेंट से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अत्यंत लाभकारी रहेगा। सोशल मीडिया पर नए संपर्क बनेंगे। व्यापारिक यात्रा के योग हैं, जो लाभकारी सिद्ध होगी। पुराने स्टॉक को बेचकर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आय के नए स्रोत विकसित होंगे।

तुलाः भविष्य की नई योजनाओं पर विचार करेंगे। विद्यार्थी वर्ग के लिए समय अनुकूल है, बच्चों की पढ़ाई में सुधार देखने को मिलेगा। प्रशासनिक सेवा से जुड़े लोगों को प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। बीमार लोगों की तबीयत में सुधार होगा और प्रेम संबंधों में नजदीकियां बढ़ेंगी।

वृश्चिकः आज का दिन उत्साह और प्रसन्नता से भरा रहेगा। संपत्ति विवादों का समाधान संभव है। नौकरीपेशा लोगों को राहत मिलेगी। ऑनलाइन कारोबार से लाभ के योग हैं। रिसर्च या शिक्षा क्षेत्र में जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी। दांपत्य जीवन में सामंजस्य रहेगा और प्रेम संबंध और प्रगाढ़ होंगे।

धनुः महिलाओं को पीठ दर्द या थकान की समस्या हो सकती है। घर के मामलों में तनाव रहेगा। प्रियजनों से भावनात्मक बातचीत होगी, लेकिन कुछ अनावश्यक खर्च बढ़ सकते हैं। एक समय में कई कामों में उलझने से बचें, वरना थकान बढ़ेगी।

मकरः आज आप अपने लक्ष्यों को लेकर अत्यंत गंभीर रहेंगे। परिजनों के साथ भविष्य की योजनाओं पर चर्चा हो सकती है। आर्थिक क्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे। निकट के रिश्तेदारों से शुभ समाचार प्राप्त होगा। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी और स्थायी संपत्ति के योग हैं।

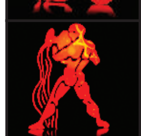

कुंभः कार्यस्थल पर अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती है। घरेलू जरूरतों की पूर्ति के लिए खरीदारी करेंगे। नकारात्मक लोगों की संगत से बचें। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई पर फोकस बढ़ाना चाहिए। दफ्तर का कोई लंबित कार्य आपको परेशान कर सकता है।

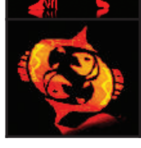

मीनः आज किसी महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति से मन प्रसन्न रहेगा। अधिक सोच-विचार से सिरदर्द की शिकायत हो सकती है। बुजुर्गों से मतभेद समाप्त होंगे। नौकरी में सुधार होगा और प्रमोशन या नए अवसर मिल सकते हैं।

बुद्धू की बीवी

बुद्धू अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। वह बचपन से ही बुद्धू था इसलिए सब उसे बुद्धू कहकर पुकारते थे। बुद्धू का कोई मजाक उड़ाता तो वह भी उसे अपनी प्रशंसा लगती। बुद्धू के माता-पिता उसके भविष्य को लेकर बहुत चिंतित रहते। बुद्धू जैसे-जैसे बड़ा हुआ वैसे-वैसे वह और अधिक बुद्धू होता गया।

एक दिन बुद्धू के एक दोस्त का विवाह हुआ। बुद्धू ने देखा कि विवाह में तो बड़े बाजे-गाजे बजते हैं, मिठाइयाँ खाने को मिलती हैं और अच्छे-अच्छे कपड़े पहनने को मिलते हैं तो उसने अपने पिता से कहा कि वे उसका भी विवाह करा दें। पिता ने उसे बहुत समझाया कि वह अभी विवाह के योग्य नहीं हुआ है किंतु बुद्धू मानने को तैयार नहीं था।

'जब मेरे दोस्त का विवाह हो गया तो मेरा क्यों नहीं हो सकता है?' बुद्धू की हठ थी।

‘तेरा दोस्त बुद्धिमान है लेकिन तू बुद्धू है।’ उसके पिता ने उसे समझाने का प्रयास किया।

‘विवाह तो लड़की से करना है फिर इसमें बुद्धिमान या बुद्धू होने की क्या बात है?’ बुद्धू ने रूठते हुए कहा।

‘बात ये है बेटा कि तुझसे कोई काम करते तो बनता नहीं है, चार पैसे कमा नहीं सकता है फिर अपनी पत्नी को खिलाएगा कहाँ से?’ पिता ने स्पष्ट शब्दों में कहा।

‘जैसे मैं खाता हूँ वैसे वो खाएगी। मैं कोठे से अनाज निकालकर माँ को देता हूँ तो वो चक्की में उसे पीसती है फिर हम खाते हैं। वैसे ही वो भी कोठे से अनाज निकालकर माँ को देगी, माँ पीसेगी और हम सब खाएँगे।’ बुद्धू ने भोलेपन से तर्क दिया।

पिता समझ गया कि बुद्धू किसी भी तरह से मानेगा नहीं। अतः उसने बुद्धू को बहलाने का प्रयास किया।

‘ठीक है। जो तू कहता है तो मैं तेरा विवाह करा दूँगा। मगर पहले तू लड़की से मिलकर उसे पसंद कर लेना फिर मुझे बताना।’ पिता ने कहा।

‘मुझे लड़की कहाँ मिलेगी?’ बुद्धू ने पूछा।

‘तू जब खेत की रखवाली करने जाएगा तो मैं लड़की को तेरे पास भेज दूँगा। पिता ने कहा।

‘हाँ, ये ठीक रहेगा।’ बुद्धू खुश होकर बोला।

बुद्धू के पिता ने बुद्धू से कह तो दिया कि वह खेत में लड़की भेज देगा लेकिन अब वह लड़की भेजे कहाँ से? समूचे गाँव में एक भी लड़की ऐसी नहीं थी जो बुद्धू से मिलने को भी तैयार होती। बुद्धू के पिता ने बहुत सोच-विचार किया और अंततः वह कुम्हार के पास पहुँचा।

‘मुझे एक मिट्टी की लड़की चाहिए। बिलकुल असली जैसी कद-काठी वाली।’ बुद्धू के पिता ने कुम्हार से कहा।

कुम्हार ने असली लड़की जैसी मिट्टी की एक मूर्ति बना दी। बुद्धू के पिता ने लड़की की मूर्ति ले जाकर खेत में बने मचान पर रख दिया।

रात को खेत की रखवाली करने के लिए जब बुद्धू मचान पर पहुँचा तो वही बहुत अँधेरा था। वह रात भर मचान पर चढ़कर खेत की रखवाली करता रहा किंतु उसे लड़की की मूर्ति दिखाई नहीं दी। भोर होने पर वह मचान से उतरा और घर आया। आते ही अपने पिता पर बिगड़ने लगा।

‘आपने कहा था कि आप खेत में किसी लड़की को भेजेंगे ताकि मैं उसे देखकर पसंद कर सकूँ मगर आप ने नहीं भेजी। आप झूठे हैं।’

‘नहीं रे बुद्धू! मैं झूठा नहीं हूँ। मैं स्वयं एक लड़की को मचान पर बिठाकर आया था। क्या तुमने उससे बात भी नहीं की?’ बुद्धू के पिता ने कहा।

‘हें? वहाँ तो कोई लड़की नहीं थी।’ बुद्धू चकित होकर बोला।

‘अरे वाह! कैसे नहीं थी? मैं उसे स्वयं वहाँ बिठाकर आया हूँ।’ बुद्धू के पिता ने झूठ बोलते हुए कहा।

‘ऐसा है तो मैं अभी खेत में जाता हूँ। उससे मिलकर आऊँगा।’ बुद्धू ने कहा और खेत जाने को उद्यत हो उठा।

‘ठीक है जाओ, लेकिन एक बात का ध्यान रखना कि यदि तुम उससे किसी भी प्रकार का हठ करोगे तो वह तुमसे रूठ जाएगी और तुम्हारे लिए वह मिट्टी की हो जाएगी।’ बुद्धू के पिता ने बुद्धू को आगाह किया। बुद्धू का पिता जानता था कि जब लड़की की मूर्ति बुद्धू के प्रश्नों का उत्तर नहीं देगी तो बुद्धू हठ करेगा और उसे लगेगा कि उसके हठ करने के कारण लड़की मिट्टी की हो गई है।

बुद्धू दौड़ा-दौड़ा खेत पर पहुँचा। उसी समय पड़ोस के खेत वाले ने अपने खेत से जंगली सुअर को भगाया।

जंगली सुअर उसी ओर भागा जिधर बुद्धू के खेत का मचान था। इधर बुद्धू भी अपने खेत की मचान की ओर आ रहा था। सुअर बुद्धू को अपनी ओर आता देखकर हड़बड़ा कर पलटा और मचान से टकरा कर भागा। सुअर के टकराने से बाँस-बल्ली की बनी मचान हिल गई और उस पर रखी लड़की की मूर्ति नीचे गिर कर टूट गई।

जब बुद्धू ने मचान पर चढ़कर देखा तो उसे लड़की नहीं मिली। बुद्धू तो था बुद्धू, उसने समझा की सुअर उसकी होने वाली पत्नी को लेकर भाग रहा है। बस, फिर क्या था, बुद्धू सुअर के पीछे दौड़ा। आगे-आगे जंगली सुअर और पीछे-पीछे बुद्धू। दोनों भागते-भागते घने जंगल में जा पहुँचे। सुअर को तो जंगल का चप्पा-चप्पा पता था इसलिए वह पलक झपकते ही किसी झुरमुट में गायब हो गया। मगर बुद्धू जंगल में भटक गया।

बहुत देर तक भटकने के बाद बुद्धू जंगल के पार एक दूसरे गाँव जा पहुँचा। गाँव के बाहर एक कुआँ था। उस कुएँ पर गाँव की लड़कियाँ पानी भर रही थीं। बुद्धू ने उन लड़कियों को ध्यान से देखा। उनमें से एक लड़की बुद्धू को भा गई। बुद्धू को लगा कि यही वह लड़की है जिसको सुअर भगा लाया है। बुद्धू ने आव देखा न ताव, लड़की का हाथ पकड़कर अपने साथ ले जाने को उद्यत हो उठा।

पानी भरने आई लड़कियों में चींख-पुकार मच गई। वह लड़की भी सहायता के लिए पुकारने लगी जिसका हाथ बुद्धू ने पकड़ रखा था। लड़कियों की चीख-पुकार सुनकर गाँव वाले वहाँ आ गए। उनमें उस लड़की के माता पिता भी थे।

‘तुमने मेरी बेटी का हाथ क्यों पकड़ रखा है?’ लड़की के पिता ने बुद्धू से पूछा।

‘ये मेरी होने वाली पत्नी है। मैं इसे अपने साथ ले जाने आया हूँ।’ बुद्धू ने कहा।

‘किसने कहा कि ये तुम्हारी होने वाली पत्नी है?’ लड़की के पिता ने पूछा।

‘मेरे पिता ने।’ बुद्धू ने उत्तर दिया।

‘यदि ऐसा है तो तुम्हारी होने वाली पत्नी को लेने के लिए तुम्हारे साथ तुम्हारे पिता को भी आना चाहिए। वे क्यों नहीं आए? तुम अकेले क्यों आए?’ लड़की के पिता ने पूछा।

‘मैं तो इसका पीछा करते-करते यहाँ आ गया। इसे तो सुअर भगा लाया था। लेकिन अब ये चिंता न करें, मैं इसे अपने साथ ले जाऊँगा।’ बुद्धू ने कहा।

‘हें? इसे सुअर भगा लाया था?’

‘हाँ!’

‘बेटा तुम्हारा नाम क्या है? तुम मुझे अपना नाम बताओ और पूरी घटना बताओ क्योंकि मैं इस लड़की का पिता हूँ और तुम्हारा होने वाला ससुर हूँ।’ लड़की के पिता ने कहा।

‘मेरा नाम बुद्धू है।’ कहते हुए बुद्धू ने अपने पिता से हुई बातचीत से लेकर जंगल में सुअर का पीछा करते हुए कुएँ तक आने की पूरी घटना सुना डाली।

लड़की का पिता समझ गया कि बुद्धू यथा नाम तथा गुण है। उसे लगा कि यह लड़का मूर्ख अवश्य है लेकिन उसकी पुत्री का ध्यान रखेगा। यह विचार करके लड़की के पिता ने अपनी लड़की का विवाह बुद्धू के साथ करा दिया और उसे अपने साथ अपने ही गाँव में बसा लिया।

बुद्धू अपनी पत्नी के साथ हँसी-खुशी से रहने लगा। एक दिन अचानक उसे अपने माता-पिता की याद आने लगी। उसे लगा कि माता-पिता से मिले बहुत दिन हो गए हैं और उसने अभी तक अपनी पत्नी भी उन्हें नहीं दिखाई है। बुद्धू ने अपने ससुर से कहा कि वह अपने गाँव जाना चाहता है और साथ में अपनी पत्नी को भी ले जाना चाहता है।

‘ठीक है, यदि तुम जाना चाहते हो तो जाओ। वैसे भी मेरी बेटी को अपनी ससुराल में रहना चाहिए।’ बुद्धू के ससुर ने कहा। वह अब तक बुद्धू की मूर्खताओं से तंग आ चुका था इसलिए उसने सहर्ष अनुमति दे दी।

इधर बुद्धू की पत्नी बुद्धू जैसा मूर्ख पति पाकर दुखी थी। उसे लगा कि कम से कम बुद्धू के परिवार के लोग तो मूर्ख नहीं होंगे। उनके सहारे जीवन कट जाएगा। फिर उसे इस बात का भी मलाल था कि उसके पिता ने बुद्धू जैसे मूर्ख व्यक्ति से उसका विवाह करा दिया जबकि उसे अच्छे लड़के मिल सकते थे। इसलिए बुद्धू की पत्नी भी खुशी-खुशी साथ जाने को तैयार हो गई।

बुद्धू और उसकी पत्नी परिवार वालों और गाँव वालों से विदा लेकर चल पड़े। बुद्धू के ससुर ने बुद्धू के गाँव का सही रास्ता अपनी बेटी को समझा दिया था। बुद्धू अपनी पत्नी के साथ जिस रास्ते से लौट रहा था उस रास्ते पर एक गाँव पड़ा। उस गाँव में मेला लगा हुआ था। नाना प्रकार की वस्तुओं की दूकानें सजी हुई थीं। बुद्धू ने देखा कि एक दूकान पर बढ़िया-बढ़िया रंग-बिरंगे कपड़े बिक रहे थे। बुद्धू अपनी पत्नी सहित उस दूकान पर पहुँचा और उसने अपने लिए, अपनी पत्नी के लिए और अपने माता-पिता के लिए अच्छे-अच्छे कपड़े पसंद कर लिए।

‘इन कपड़ों को अच्छे से एक थैले में रख दो। इन्हें मैं अपने साथ ले जाऊँगा।’ बुद्धू ने दूकानदार से कहा।

‘ये लीजिए।’ दूकानदार ने कपड़े एक थैले में रखे और बुद्धू को पकड़ा दिए। बुद्धू ने थैला लिया और चल दिया।

‘अरे साहब, कपड़ों के पैसे तो देते जाइए।’ दूकानदार चिल्लाया।

‘पैसे? कैसे पैसे?’ बुद्धू ने चकित होकर पूछा।

‘अरे वाह! आपने ये जो कपड़े खरीदे हैं उनके पैसे नहीं देंगे क्या?’ दूकानदार क्रोधित होते हुए बोला।

‘लेकिन पैसे तो मेरे पास नहीं हैं।’ बुद्धू ने कहा। वह चलते समय बटुवा रखना भूल गया था जो उसके ससुर ने उसे दिया था।

‘तो फिर आप ये कपड़े नहीं ले जा सकते हैं।’ दूकानदार ने थैला वापस लेते हुए कहा।

बाकी अगले अंक में

बाढ़ पीड़ितों की भलाई और पुनर्वास के लिए एक-एक पैसे का उपयोग समझदारी से किया जाएगाः भगवंत मान

एल एंड टी कंपनी द्वारा ह्यचढ़दी कला मिशनह्न के लिए पाँच करोड़ रुपये का योगदान

संवाददाता
चंडीगढ़

बहुराष्ट्रीय कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) के कर्मचारियों और प्रबंधकों ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए शुरू किए गए ह्यचढ़दी कला मिशनह्न में पाँच करोड़ रुपये का योगदान दिया है।

एल एंड टी बोर्ड के निदेशक डी.के. सेन, नाभा पावर प्लांट के सीईओ सुरेश नारंग, चंडीगढ़ शाखा के प्रबंधक जसवंत सिंह और नाभा पावर प्लांट के प्रशासनिक प्रमुख गगनवीर चीमा ने मुख्यमंत्री को सहायता राशि का चेक सौंपते हुए कहा कि राज्य के बाढ़ पीड़ितों की मदद करना कंपनी अपना नैतिक दायित्व समझती है।उन्होंने कहा कि वे बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों की सहायता के लिए आगे आए हैं और कंपनी व उसके प्रबंधन ने पंजाब सरकार को पाँच करोड़ रुपये का योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि कंपनी इस संकट की घड़ी में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों के साथ एकजुट होकर खड़ी है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि ह्यचढ़दी कला मिशनह्न एक ऐसा अभियान है जिसका उद्देश्य पंजाब में बाढ़ पीड़ितों की सहायता करना है। उन्होंने इस नेक पहल के लिए कंपनी का हृदय से धन्यवाद करते हुए कहा कि अनेक समाजसेवी पहले ही इस मिशन को सहयोग देने के लिए आगे आ चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि ह्यमिशन चढ़दी कलाह्न एक वैश्विक स्तर पर शुरू की गई फंड एकत्र करने की मुहिम है, जिसका मकसद वर्ष 2025 की बाढ़ से प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए राज्य सरकार के प्रयासों में सहयोग जुटाना है।

इस पहल की भावना को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, जैसे ह्यचढ़दी कलाह्न का अर्थ होता है– कठिन से कठिन समय में भी हौसला और उम्मीद बनाए रखना, उसी तरह मिशन चढ़दी कला दुनिया भर के पंजाबी भाइयों-बहनों को संकट के समय एक परिवार की तरह एकजुट होने का संदेश देता है।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि विश्वभर में बसे पंजाबी अपने सपनों के पंजाब के पुनर्निर्माण के लिए उदारतापूर्वक योगदान देते रहेंगे। पारदर्शिता और जवाबदेही का आश्वासन देते हुए मुख्यमंत्री ने दोहराया कि एकत्र किया गया एक-एक पैसा बाढ़ पीड़ितों की भलाई और पुनर्वास के लिए पूरी समझदारी और ईमानदारी से खर्च किया जाएगा।

भारत सरकार की सूची में पंजाब की जातियों को शामिल करने के लिए राष्ट्रीय आयोग की बैठक

चंडीगढ़। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग, नई दिल्ली की ओर से भारत सरकार की ओ.बी.सी. सूची में विभिन्न जातियों को शामिल करने के संबंध में दिनांक 09 अक्टूबर 2025 को दोपहर 2:00 बजे यू.टी. गेस्ट हाउस, चंडीगढ़ में एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की जा रही है।

प्रवक्ता ने कहा कि इस सार्वजनिक सुनवाई (पब्लिक हियरिंग) का उद्देश्य संबंधित जातियों के प्रतिनिधियों को अपने सुझाव, तथ्य और मांगें सीधे आयोग के समक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करना है। सरकार की ओर से संबंधित जातियों के समूहों और प्रतिनिधियों से अपील की जाती है कि वे इस सार्वजनिक सुनवाई (पब्लिक हियरिंग) में सक्रिय रूप से भाग लेकर अपने विचार आयोग के समक्ष रखें।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पंजाब से राज्यसभा सीट के उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी

संवाददाता
चंडीगढ़

भारत निर्वाचन आयोग ने 1 जुलाई, 2025 को श्री संजीव अरोड़ा के इस्तीफे के उपरांत खाली हुई सीट के लिए पंजाब से राज्यसभा के उपचुनाव का शैडयूल अधिसूचित कर दिया है। इस रिक्त सीट का कार्यकाल 9 अप्रैल, 2028 तक है। चुनाव आयोग द्वारा 6 अक्तूबर, 2025 को जारी अधिसूचना के अनुसार, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के प्रावधानों और उसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार उक्त रिक्त स्थान को भरने के लिए उपचुनाव करवाया जाएगा। इस शैडयूल अनुसार नामांकन प्रक्रिया 6 अक्तूबर से प्रारंभ होगी और 13 अक्तूबर, 2025 (सोमवार) नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि होगी।हालांकि, नैगोशियेबल इंस्ट्रूयमेंट ऐक्ट की धारा 25 के अंतर्गत इस अवधि में आने वाले राजपत्रित सार्वजनिक अवकाश के दिनों में कोई नामांकन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

14 अक्तूबर, 2025 (मंगलवार) : नामांकनों की जांच की तिथि

16 अक्तूबर, 2025 (गुरुवार) : उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि

24 अक्तूबर, 2025 (शुक्रवार : मतदान की तिथि (यदि आवश्यक हुआ)

28 अक्तूबर, 2025 (मंगलवार) : वह तिथि जिसके पहले चुनाव प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी

यदि मतदान आवश्यक हुआ, तो यह सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक किया जाएगा।

पंजाब सरकार की सलाह पर निर्वाचन आयोग ने पंजाब विधानसभा सचिवालय के सचिव राम लोक खटाना को उपचुनाव के लिए रिटर्निंग ऑफिसर तथा पंजाब विधानसभा सचिवालय के उप सचिव जसविंदर सिंह को चुनाव प्रक्रिया के संचालन में सहायता हेतु सहायक रिटर्निंग ऑफिसर के रूप में नामित किया है।

भारत चुनाव आयोग द्वारा 21-तरन तारन विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव की घोषणा, 11 नवंबर को मतदान होगा

चंडीगढ़। भारत चुनाव आयोग ने पंजाब की 21-तरन तारन विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही तरन तारन जिले में चुनाव आचार संहिता लागू हो गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सिबिन सी ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा उपचुनाव के लिए जारी किए गए कार्यक्रम के अनुसार 13 अक्तूबर को अधिसूचना जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि नामांकन भरने की अंतिम तिथि 21 अक्तूबर होगी और नामांकन पत्रों की जांच 22 अक्तूबर को की जाएगी, जबकि नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 24 अक्तूबर 2025 तय की गई है। सिबिन सी ने बताया कि 11 नवंबर को मतदान होगा और 14 नवंबर 2025 को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि नामांकन पत्र 13 अक्तूबर से लेकर 21 अक्तूबर तक किसी भी कार्य दिवस में भरे जा सकते हैं। केवल 19 अक्तूबर रविवार और 20 अक्तूबर दीवाली को अवकाश रहेगा, इन दिनों नामांकन पत्र दाखिल नहीं किए जा सकेंगे।

पंजाब रोडवेज का सुपरिंटेंडेंट 40,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान जालंधर के पंजाब रोडवेज डिपो-1 में तैनात सुपरिंटेंडेंट बलवंत सिंह को 40,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यहां इस खुलासे के दौरान, विजिलेंस ब्यूरो के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह मामला पंजाब रोडवेज के एक सेवानिवृत्त ड्राइवर द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो को बताया कि उक्त सुपरिंटेंडेंट ने उसकी सेवानिवृत्ति से पहले बकाया ओवरटाइम बिल तैयार करने के बदले 50,000 रुपये की मांग की। शिकायतकर्ता की अपील पर सुपरिंटेंडेंट ने इस काम के लिए 40,000 रुपये लेने के लिए सहमति जताई, लेकिन वह रिश्वत देने के लिए तैयार नहीं था। उसने आगे आरोप लगाया कि लेबर कोर्ट में चल रहे उसके मामले की सुनवाई के दौरान दोषी आरोपी पहले ही उससे किस्तों में 1,54,000 रुपये हड़प चुका था। प्रवक्ता ने बताया कि शिकायत की पुष्टि होने के बाद जालंधर रेंज की एक विजिलेंस टीम ने जाल बिछाया, जिसके दौरान उक्त सुपरिंटेंडेंट को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 40,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया। इस संबंध में विजिलेंस ब्यूरो ने जालंधर रेंज में उक्त सुपरिंटेंडेंट के खिलाफ भ्रष्टाचार रोधी कानून के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी को कल सक्षम अदालत में पेश किया जाएगा और इस मामले की आगे की जांच जारी है।

कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने मलोट के विभिन्न गांवों में लगभग 3.31 करोड़ रुपए की लागत वाले विकास कार्यों की शुरूआत

चंडीगढ़/मलोट/श्री मुक्तसर साहिब। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने आज मलोट हलके के गांव जंडवाला, थेहड़ी और फकरसर में लगभग 3.31 करोड़ रूपए की लागत से विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया।इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि जब किसी काम की नीयत साफ हो, तो कोई भी रुकावट आड़े नहीं आती और हर कार्य सुचारू रूप से पूरा होता है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार राज्य की प्रगति के लिए पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य कर रही है।अब तक के कार्यकाल में जितना विकास कार्य किया गया है, उतना पहले किसी भी सरकार ने नहीं किया।कैबिनेट मंत्री ने लोगों से अपील की कि वे विकास कार्यों की स्वयं निगरानी करें और यदि कहीं कोई त्रुटि या गड़बड़ी दिखे तो तुरंत उनके ध्यान में लाएं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विकास परियोजनाओं की गुणवत्ता पर किसी प्रकार का समझौता न हो। डॉ. बलजीत कौर ने इस मौके पर लोगों की समस्याएं और मांगें भी सुनीं। कई मामलों का समाधान वहीं मौके पर किया गया, जबकि अन्य मुद्दों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।इस अवसर पर गांव जंडवाला के सरपंच निर्मल सिंह, गांव थेहड़ी की सरपंच मनप्रीत कौर, गांव फकरसर के सरपंच मनप्रीत सिंह ढिल्लों, संबंधित विभागों के अधिकारी और पंचायत सदस्य उपस्थित थे।

आईआईटी रोपड़ में अंतरराष्ट्रीय छात्रों का स्वागत

संवाददाता
रोपड़

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ ने 1 अक्टूबर 2025 को अपने अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स और पीएचडी छात्रों के लिए एक विशेष स्वागत समारोह आयोजित किया। यह आयोजन संस्थान के वैश्वीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था, जिसमें एशिया और अफ्रीका के लगभग दर्जन भर देशों से आए छात्र शामिल हुए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. राजीव आहूजा, निदेशक, आईआईची रोपड़ ने की।उन्होंने अपने स्वीडन में 30 वर्षों के अकादमिक अनुभव को साझा करते हुए अंतरराष्ट्रीय की आवश्यकता पर बल दिया। ₹अंतरराष्ट्रीयकरण अब विकल्प नहीं, नवाचार के लिए अनिवार्य है,₹ उन्होंने कहा। छात्रों ने अपने देशों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से विविधता और एकता का सुंदर प्रदर्शन किया। इसके साथ ही, लौटे छात्रों को सम्मानित किया गया।

प्रो. रोहित शर्मा, डीन, अंतरराष्ट्रीय संबंध, ने संस्थान की वैश्विक साझेदारियों, आगामी एक्सचेंज प्रोग्राम्स और नए पहलों की जानकारी दी। कई विभागाध्यक्षों और शोध मार्गदर्शकों की उपस्थिति ने यह स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय छात्रों का समावेश आईआईची रोपड़ की प्राथमिकता है। छात्रों ने इस गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया। एक नाइजीरियाई पीएचडी छात्र ने कहा, ₹यह कार्यक्रम हमें यह एहसास दिलाता है कि हम यहां सिर्फ छात्र नहीं, बल्कि आईआईची रोपड़ परिवार का हिस्सा हैं।

यह आयोजन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उस दृष्टिकोण से मेल खाता है, जो भारतीय शिक्षा को अधिक अंतरराष्ट्रीय बनाने की दिशा में प्रेरित करता है। आईआईचटी रोपड़ ने हाल ही में यूरोप, अमेरिका, दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीका के प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ कई समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह स्वागत समारोह एक नई शुरूआत का संकेत था-एक ऐसा संस्थान जो दुनिया को अपनाने के लिए तैयार है, और जहां अंतरराष्ट्रीय छात्र सिर्फ मेहमान नहीं, बल्कि समुदाय के मूल्यवान सदस्य हैं।

अमेरिकी सेना में सिख सैनिकों के लिये दाढ़ी रखने पर प्रतिबंध लगाने का अमेरिकी सरकार का फैसला निंदनीयः स्पीकर

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के स्पीकर श्री कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि अमेरिकी सरकार द्वारा अमेरिकी सेना में सिख सैनिकों के लिये दाढ़ी रखने पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय अत्यंत निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है।

अमेरिकी सरकार की यह कार्रवाई सारागढ़ी और विश्व युद्ध में लड़ने वाले सिख सैनिकों का भी घोर अपमान है।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बाल न कटवाना सिख धर्म की विशिष्ट पहचान और उसका अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को तुरंत इस मुद्दे को अमेरिकी सरकार के समक्ष उठाना चाहिए और इस निर्णय को वापस लेने के लिए कूटनीतिक दबाव बनाना चाहिए।

नशा छुड़ाने के प्रयासों के तहत पंजाब पुलिस ने 17 व्यक्तियों को नशा छोड़ने का उपचार लेने के लिए किया राजी

युद्ध नशों विरुद्ध के 219वें दिन पंजाब पुलिस द्वारा 1.4 किलो हेरोइन और 9.2 लाख रुपए की ड्रग मनी सहित 72 नशा तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत राज्य से नशों का पूरी तरह सफाया करने के लिए चलाए जा रहे युद्ध नशों विरुद्ध अभियान के 219वें दिन पंजाब पुलिस ने आज राज्यभर में 335 स्थानों पर छापेमारी की।

इस दौरान 56 एफआईआर दर्ज कर 72 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही, पिछले 219 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 32,054 तक पहुँच गई है।

इन छापों के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 1.4 किलोग्राम हेरोइन, 50 किलोग्राम भुक्की, 269 नशीली गोलियाँ/कैप्सूल और 9.25 लाख रुपए की ड्रग मनी बरामद की गई।

यह उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और एसएसपी को पंजाब को नशा-मुक्त राज्य बनाने के निर्देश दिए हैं। नशों के खिलाफ जारी इस जंग की निगरानी के लिए पंजाब सरकार ने वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी भी गठित की है।

इस अभियान के दौरान 68 गजटेड अधिकारियों की देखरेख में 1000 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 120 से अधिक पुलिस टीमें ने पूरे राज्य में 335 स्थानों पर छापेमारी की।

अधिकारियों ने बताया कि पूरे दिन चले इस अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने 366 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की।

यह बताने योग्य है कि पंजाब सरकार ने राज्य में नशों के उन्मूलन के लिए तीन-आयामी रणनीति - प्रवर्तन, नशा मुक्ति और रोकथाम लागू की हुई है।इसी रणनीति के तहत पंजाब पुलिस ने आज 17 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास उपचार लेने के लिए राजी किया है।

संक्षिप्त-समाचार

पंजाब के राज्यपाल द्वारा महर्षि वाल्मीकि जयंती की बधाई

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने महर्षि वाल्मीकि जयंती के पावन अवसर पर पंजाब और चंडीगढ़ के सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। राज्यपाल ने महर्षि वाल्मीकि जी को महान ऋषि और कवि बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन और महान कृत्यों के माध्यम से शांति, सदाचार और नैतिक मूल्यों का संदेश दिया, जो आज भी समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने यह भी कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी द्वारा रचित पवित्र महाकाव्य ह्यरामायणह्न न केवल आदर्श और सदाचारी जीवन का मार्गदर्शन करता है, बल्कि सार्वभौमिक मानवतावाद, न्याय और मानव जाति की एकता का मार्ग भी प्रशस्त करता है। राज्यपाल ने महर्षि वाल्मीकि जी के समाज सुधारक और वंचित वर्गों के मसीहा के रूप में योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा सामाजिक न्याय, समानता और कमजोर वर्गों के कल्याण पर जोर दिया। उनके अद्वितीय कार्य और आदर्श आज भी समाज में प्रेरणा और मार्गदर्शन का स्रोत हैं। श्री कटारिया ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने जीवन में महर्षि वाल्मीकि जी की शिक्षाओं को अपनाएँ और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण, समानता और मानवता के लिए कदम उठाने में सक्रिय भागीदारी निभाएँ।

डिजिट इंश्योरेंस को एफई बेस्ट बैंक अवाड्र्स में अमित शाह द्वारा बेस्ट फिनटेक इंश्योरेंस अवार्ड दिया गया

चंडीगढ़। भारत की प्रमुख फुल स्टैक इंश्योरेंस कंपनियों में से एक, गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस (डिजिट इंश्योरेंस) को मुंबई में आयोजित हुए प्रतिष्ठित एफई बेस्ट बैंक्स अवाड्र्स 2025 में बेस्ट फिनटेक इंश्योरेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह अवार्ड डिजिट इंश्योरेंस की एमडी एवं सीईओ, जसलीन कोहली को माननीय गृहमंत्री, अमित शाह ने दिया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री, श्री देवेंद्र फड़नवीस और माननीय उप मुख्य मंत्री, श्री एकनाथ शिंदे मौजूद थे। इस अवार्ड के बारे में डिजिट इंश्योरेंस की एमडी एवं सीईओ, जसलीन कोहली ने कहा, यह सम्मान टेक-आधारित इनोवेशन प्रदान करने पर हमारे निरंतर केंद्रण का प्रमाण है। डिजिट इंश्योरेंस में हम लगातार चुनौतीपूर्ण स्थितियों पर ध्यान केंद्रित करके बीमा के परिवेश में सुधार ला रहे हैं ताकि पारदर्शिता, स्पीड एवं विश्वास के साथ सेवाएं प्रदान की जा सकें। यह अवार्ड हमें ऐसे समाधानों का निर्माण करने का प्रोत्साहन देता है, जो हमारे ग्राहकों और पार्टनर्स को सशक्त बनाएं तथा उद्योग में नए मानक स्थापित करें। डिजिट इंश्योरेंस को बीमा उद्योग में टेक्नोलॉजी का उपयोग करने के इनोवेटिव दृष्टिकोण के लिए सम्मानित किया गया, ताकि प्रक्रियाएं सरल बनें और ग्राहकों को सुगम अनुभव मिल सके। 2017 में अपनी शुरूआत से ही डिजिट इंश्योरेंस द्वारा डिजिटल-फर्स्ट समाधानों, पेपरलेस तथा एआई-संचालित प्रक्रियाओं की मदद से बीमा क्षेत्र में परिवर्तन लाया जा रहा है। कंपनी मोटर, स्वास्थ्य, संपत्ति, दायित्व आदि अनेक उत्पादों का विस्तृत पोर्टफोलियो प्रदान करती है। यह अपनी शुरूआत से भारत में 7 करोड़ से अधिक ग्राहकों को सेवाएं दे चुकी है।

अभिनेत्री शेफाली शाह और सिनेमैटोग्राफर अमिताभा सिंह ने उभरते फिल्मकारों को किया प्रेरित

चंडीगढ़। प्रख्यात अभिनेत्री शेफाली शाह ने चितकारा इंटरनेशनल स्कूल चंडीगढ़ में आयोजित ह्यसिने-मैस्ट्रो झ्र शेपिंग फ्यूचर फिल्ममेकर्सः फिल्म फेस्टिवल एंड अवॉड्र्स के 7वें संस्करण के दौरान अपनी रचनात्मकता और कहानी कहने की कला पर गहन विचार साझा करते हुए युवा फिल्मकारों को प्रेरित किया। यह वार्षिक आयोजन चितकारा यूनिवर्सिटी द्वारा संचालित और सिनेविद्या के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों ने फिल्म निर्माण और सिनेमा की अभिव्यक्ति के उत्सव सिनेविद्या को मनाया। फेस्टिवल के दौरान स्कूल का ऑडिटोरियम एक जीवंत ह्लरेड कार्पेटह्व माहौल में तब्दील हो गया, जहाँ छात्रों, शिक्षकों और अतिथियों ने चितकारा इंटरनेशनल स्कूल और अन्य विद्यालयों के छात्रों द्वारा निर्मित 20 लघु फिल्मों का प्रदर्शन देखा। इन फिल्मों में मानसिक स्वास्थ्य, मित्रता, दृढ़ता, आत्म-अभिव्यक्ति और सामाजिक न्याय जैसे विविध विषयों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को संबोधित करते हुए शेफाली शाह ने संदेश दिया कि वे ह्लअपनी रचनात्मक यात्रा में कल्पनाशीलता, धैर्य और ईमानदारी को अपनाएँह्व तथा सिनेमा की उस शक्ति को समझें जो समाज में बदलाव लाने की क्षमता रखती है। सिनेविद्या के संस्थापक एवं प्रसिद्ध सिनेमैटोग्राफर अमिताभा सिंह ने भी दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि सिनेमा एक ऐसा माध्यम है जो शिक्षार्थियों को ह्लनिडर होकर सोचने, साहसपूर्वक सृजन करने और प्रभावशाली कहानियाँ कहनेह्व का अवसर देता है। इस साल के सिने-मैस्ट्रो में 20 उत्कृष्ट छात्र-निर्मित फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। छात्रों द्वारा बनायीं गयी फिल्मों ने मानवीय अनुभवों के विविध रंगों को दिखाया–और यह संघर्ष, आत्म-खोज, साहस, दोस्ती, सहानुभूति और पहचान की खोज जैसे विषयों पर केंद्रित रही। वन होप, साइलेंट स्टॉर्म्स, द डिटेंशन फाइल्स और मिसफिट जैसी फिल्मों ने मानसिक स्वास्थ्य, बुलिंग और आत्म-संघर्ष जैसे मुद्दों को छुआ, जबकि परवाजः राइजिंग फ्रॉम स्ट्रेंजर टू स्टार, जस्ट ए हैंड अवे और अनकहे धागे जैसी फिल्मों ने करुणा, आत्म-अभिव्यक्ति और मानवीय जुड़ाव को खूबसूरती से पेश किया। वहीं आज की ताजा खबर, रैंक वर्सेस ज़िंदगी और 23-12 जैसी सामाजिक चेतना से भरी फिल्मों ने सामाजिक दबाव, उम्मीदों और संवेदनशीलता की जरूरत को उजागर किया।

कैटरपिलर का सेन्टेनीअल वर्ल्ड टूर पहुँचा भारत

चंडीगढ़। कैटरपिलर, जो अपने 100वें वर्षगांठ का जश्न मना रहा है, ने इस अक्टूबर अपने वैश्विक सेन्टेनीअल वर्ल्ड टूर को भारत में लाने की घोषणा की है। यह प्रदर्शनी ट्रक भारत में स्थित कैटरपिलर की प्रमुख पाँच सुविधाओं का दौरा करेगा, जहाँ आगंतुकों को इमर्सिव अनुभव प्रदान किए जाएंगे। इस टूर का उद्देश्य उन लोगों, प्रगति और उद्देश्यों को समर्पित करना है, जिन्होंने पिछले शताब्दी में कैटरपिलर को परिभाषित किया। प्रत्येक स्थान पर, आगंतुक इंटरैक्टिव प्रदर्शनी देख सकेंगे और कैटरपिलर द्वारा सामाजिक-आर्थिक विकास में निभाई गई भूमिका को समझ सकेंगे। यह प्रदर्शनी अनुसंधान एवं विकास और स्थानीय विनिर्माण में निवेश को भी उजागर करेगी। कैटरपिलर फाउंडेशन ने इस यात्रा के अवसर पर 145,000 अमेरिकी डॉलर की राशि गूंझ संस्था को आवंटित की है, जो अप्रयुक्त सामग्री का उपयोग कर ग्रामीण आजीविका सुधारने का कार्य करती है। यह दान, सी.एफ.ए अमेरिका के माध्यम से किया जाएगा।

एनए कल्चरल सोसाइटी ने प्री करवा चौथ में महिलाओं को दिया एक विशेष उपहार

चंडीगढ़। मदरहुड चैतन्य सेक्टर 44 की गाइनिक डॉक्टर डॉक्टर हीना चावला ने महिलाओं की समस्याओं को सुना और बताया कि महिलाओं में कैल्शियम और प्रोटीन की कमी से क्या-क्या समस्याएं आती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के लिए कौन-कौन से टेस्ट समय-समय पर करवाने चाहिए और इनसे कैसे बचाव हो सकता है। इस कैंप में लगभग 40 महिलाओं ने भाग लिया। फाउंडर प्रेसिडेंट निखार आनंद मिड्ढा ने डॉक्टर हीना चावला का धन्यवाद दिया और कहा कि राष्ट्र को मजबूत बनाने के लिए महिलाओं को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना सीखना होगा। केवल बाहरी सुंदरता पर ही ध्यान ना देकर अपने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति जागरूक और सजग रहना ही इस कैंप का उद्देश्य था। निखार आनंद मिड्ढा ने कहा कि महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना बहुत जरूरी है।

साम्प्रे न्यूट्रिशन्स लिमिटेड के बोर्ड ने फोरेन करन्सी कन्वर्टिबल बॉन्ड को मंजूरी दी

चंडीगढ़। साम्प्रे न्यूट्रिशन्स लिमिटेड के बोर्ड ओफ डिरेक्टर्स ने 4 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के फोरेन करन्सी कन्वर्टिबल बोन्ड (एफसीसीबी) जारी करने पर विचार किया और उसे मंजूरी दे दी है - जो 355.06 करोड़ रुपये के बराबर है। कंपनी एफसीसीबी की सब्सक्रिप्शन अमाउन्ट के अनुसार 1 लाख अमेरिकी डॉलर प्रति बॉन्ड के 400 एफसीसीबी जारी करेगी। एफसीसीबी फंड का उपयोग ईजिप्त और लाइबेरिया (मोनरोविया) जैसे उभरते बाजारों में कंपनी की ग्लोबल फूटप्रिन्ट को व्यापक बनाने के उद्देश्य से किया जाएगा। यह टार्गेट एक्सपान्शन हाई-ग्रोथ हो वेसै क्षेत्रों में कंपनी की उपस्थिति को मजबूत करने, रेवन्यु स्ट्रीम में विविधता लाने और अंतर्राष्ट्रीय एफएमसीजी क्षेत्रों में उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए अच्छी तरह से डिजाइन किया गया है। कंपनी ने प्रमुख प्रबन्धक - एरीज कैपिटल लिमिटेड, जो एक ईन्वेस्टमेन्ट मेनेजमेन्ट कंपनी है, उसके साथ एक समझौता किया है, जिसे इस इश्यू को सूचीबद्ध करने और अंडरराइटिंग करने के उद्देश्य से नियुक्त किया गया है। यह निर्गम कंपनी अधिनियम, 2013 और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (पूंजी निर्गम एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2018 के अनुसार है। एफसीसीबी 10 अक्टूबर 2025 से 15 अक्टूबर 2025 तक स्टॉक एक्सचेंज, अफ्रिनेक्स एक्सचेंज मॉरीशस पर उपलब्ध रहेंगे। 19 सितंबर को हुई बोर्ड मिटिंग में बोनस ईश्यू और स्टॉक स्प्लिट को मंजूरी दी गई।

ट्रंप प्रशासन ने नहीं माना संघीय अदालत का फैसला, मुकदमा दायर करने की घोषणा

प्रशासन ने फैसले को दरकिनार करते हुए ओरेगन के पोर्टलैंट में कैलिफोर्निया से नेशनल गार्ड के 200 सैनिकों को भेजा

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन

संघीय सरकार से कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी गई: टीना कोटेक

ट्रंप प्रशासन ने एक संघीय न्यायाधीश का फैसला नहीं माना। प्रशासन ने फैसले को दरकिनार करते हुए ओरेगन के पोर्टलैंट में कैलिफोर्निया से नेशनल गार्ड के 200 सैनिकों को भेजा है। इस पर गवर्नर टीना कोटेक ने रविवार को कहा कि उन्हें पता है कि कैलिफोर्निया से 101 सैनिक रातों-रात विमान से ओरेगन पहुंच गए हैं। और भी सैनिक आने वाले हैं। उन्हें संघीय सरकार से कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी गई है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर करने की घोषणा की है।

ओरेगन कैपिटल क्रानिकल अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, कोटेक ने कहा कि यह कदम, कल एक संघीय न्यायाधीश के फैसले को दरकिनार करने के लिए जानबूझकर उठाया गया प्रतीत होता है। तथ्य नहीं बदले हैं। ओरेगन में सैन्य हस्तक्षेप की कोई आवश्यकता नहीं है। पोर्टलैंड में कोई विद्रोह नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। ओरेगन हमारा घर है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एबिगेल जैक्सन ने एक ई-मेल में कहा कि ट्रंप ने हिंसा, दंगों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों पर हमलों के बाद पोर्टलैंड में संघीय संपत्ति की रक्षा के लिए अपने संवैधानिक अधिकार का प्रयोग किया। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम को पोर्टलैंड और देश भर के शहरों को तबाह करने वाले अपराधियों के विरोध में खड़ा होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि शनिवार दोपहर बाद संघीय न्यायाधीश कैरिन इमरगुट ने 18 अक्टूबर तक सैनिकों को ओरेगन भेजने पर अस्थायी रोक लगा दी थी। इस पर संघीय सरकार के वकीलों ने तुरंत एक नोटिस दायर किया और कहा कि वे इमरगुट के अस्थायी आदेश के खिलाफ नौवें सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स में अपील करेंगे। इमरगुट ने लिखा, यह संवैधानिक कानून वाला देश है, मार्शल लॉ वाला नहीं। प्रतिवादियों ने कई तर्क दिए हैं, जिन्हें अगर स्वीकार कर लिया जाता है तो नागरिक और सैन्य संघीय शक्ति के बीच की रेखा धुंधली हो सकती है।

फोटोः हि.स.

यह इस देश के लिए हानिकारक है।

ओरेगन के अटॉर्नी जनरल डैन रेफील्ड ने रविवार को संकेत दिया कि राज्य कैलिफोर्निया या अन्य किसी भी स्थान से सैनिकों की तैनाती को रोकने के लिए फिर से मुकदमा करने के लिए तैयार है। रेफील्ड ने कहा, राष्ट्रपति स्पष्ट रूप से अमेरिकी शहरों में सेना तैनात करने पर अड़े हुए हैं, जबकि ऐसा करने के लिए उनके पास कोई तथ्य या अधिकार नहीं है। उन्हें जवाबदेह ठहराना हम पर और अदालतों पर निर्भर है। हम यही करना चाहते हैं। न्यूसम ने कहा कि कैलिफोर्निया भी ट्रंप के कानून और सत्ता के दुरुपयोग को रोकने के लिए कानूनी कार्रवाई करेगा।

पेंटागन ने रविवार को पुष्टि की कि अमेरिकी सेना ने कैलिफोर्निया नेशनल गार्ड के लगभग 200 सदस्यों को पोर्टलैंड में तैनात किया है। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने कहा कि राष्ट्रपति के निर्देश पर ऐसा किया गया है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने कहा है कि पोर्टलैंड युद्धग्रस्त है। स्थिति को संभालने के लिए सैनिकों को भेजना जरूरी है। न्यूसम ने बयान में कहा, यह कानून और सत्ता का जबरदस्त दुरुपयोग है। कमांडर-इन-चीफ अमेरिकी सेना को अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

रूस का यूक्रेन पर हवाई हमला, 6 की मौत

रूस ने 500 ड्रोन और 50 से ज्यादा मिसाइलें दागीं:व्लादिमीर

एजेंसी (हि.स.)
कीव

फोटोः हि.स.

रूस ने यूक्रेन में पांच अक्टूबर की रात बड़े पैमाने पर हमले किए हैं। इन हमलों में कम से कम छह लोग मारे गए और 18 घायल हो गए। राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने फेसबुक पर लिखा कि रूस ने ल्वीव, इवानो-फ्रैंकिवस्क, जापोरिज्जिया, चेर्निहिव, सूमी, खार्किव, खेरसॉन, ओडेसा और किरोवोहराद ओब्लास्ट को निशाना बनाकर लगभग 500 ड्रोन और 50 से ज्यादा मिसाइलें दागीं। इनमें किंजल बैलिस्टिक मिसाइलें भी शामिल थीं।

द कीव इंडिपेंडेंट अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, जेलेंस्की ने हमलों की विभीषिका का जिक्र करते हुए अमेरिका और यूरोप से रूस को आकाश में युद्धविराम के लिए मजबूर करने का आान किया। जेलेंस्की ने कहा, इस हवाई आतंक को किसी भी तरह से निरर्थक बनाने के लिए अधिक सुरक्षा और सभी रक्षा समझौतों का पालन कराना जरूरी है। आकाश में एकतरफा युद्धविराम संभव है और यह वास्तविक कूटनीति का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। दोपहर में राष्ट्र के नाम संबोधन में, जेलेंस्की ने कहा कि रूस पश्चिम पर हंस रहा है क्योंकि उसके सहयोगी इस हमले का कड़ा जवाब देने में नाकाम रहे हैं।

यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने एक्स पर लिखा कि रूस अपने असफल ग्रीष्मकालीन हमले को छिपाने के लिए यूक्रेनी नागरिकों और बुनियादी ढांचे पर हमले कर रहा है। यूक्रेनी वायुसेना के अनुसार, यूक्रेन की वायु रक्षा ने 478 लक्ष्यों को मार गिराया, जबकि आठ मिसाइलों और 57 ड्रोनों ने 20 स्थानों पर हमले किए। लविव क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख मैक्सिम कोजित्स्की ने टेलीग्राम पर लिखा कि लविव ओब्लास्ट में चार लोग मारे गए और आठ अन्य घायल हो गए। लविव क्षेत्रीय अभियोजक कार्यालय ने बताया कि चारों मृतक एक ही परिवार के थे, जिनमें एक 15 वर्षीय लड़की भी शामिल थी। रिपोर्ट के अनुसार, रूस के पूर्ण आक्रमण की शुरूआत के बाद से यह इस क्षेत्र पर सबसे बड़ा हमला है, जिसमें 140 ड्रोन और 23 क्रूज मिसाइलें दागी गईं। मेयर एंड्री सदोवी ने टेलीग्राम पर लिखा कि लविव शहर पर मिसाइल और ड्रोन हमले के दौरान एक औद्योगिक पार्क में आग लग गई। सदोवी ने कहा कि लविव के दो जिलों में बिजली नहीं है और हमले के कारण सार्वजनिक परिवहन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। गवर्नर इवान फेडोरोव ने टेलीग्राम पर लिखा कि जापोरिज्जिया शहर में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 10 घायल हो गए। फेडोरोव ने लिखा कि रूसी सेना ने जापोरिज्जिया में ड्रोन और हवाई बम दागे, जिससे एक औद्योगिक उद्यम और आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं।

मैरी ब्रुनको, रामस्डेल और सकागुची को मिलेगा चिकित्सा क्षेत्र का नोबेल पुरस्कार

एजेंसी (हि.स.)
स्टॉकहोम

फोटोः हि.स.

वर्ष 2025 के लिए चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार की सोमवार को घोषणा कर दी गई। इस साल तीन वैज्ञानिकों- मैरी ई. ब्रुनको, फ्रेड रामस्डेल और शिमोन सकागुची को यह पुरस्कार मिला है। तीनों को पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस (परिधीय प्रतिरक्षा सहिष्णुता) से संबंधित खोज के लिए यह पुरस्कार दिया गया है।

रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंस ने चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार विजेताओं के नाम का ऐलान किया। इन तीनों को 10 दिसंबर को स्टॉकहोम में 10.3 करोड़ रुपये, गोल्ड मेडल और प्रमाण पत्र पुरस्कार के तौर दिया जाएगा। ब्रुनको, रामस्डेल और सकागुची ने इम्यून सिस्टम के सुरक्षा गार्ड यानी रेगुलेटरी टी-सेल्स की पहचान की, जो यह सुनिश्चित करती हैं कि इम्यून सेल्स हमारे अपने शरीर पर हमला न करें। इसके आधार पर कैंसर और ऑटोइम्यून रोगों के इलाज खोजे जा रहे हैं। इसके अलावा इन खोजों की मदद से अंग प्रत्यारोपण में भी मदद मिल रही है। दरअसल, हमारा इम्यून सिस्टम हर दिन हजारों-लाखों सूक्ष्मजीवों से हमारी रक्षा करता है। ये सभी सूक्ष्मजीव अलग-अलग दिखते हैं। कई ने तो अपने आप को मानव कोशिकाओं जैसा दिखाने की क्षमता विकसित कर ली है, जिससे इम्यून सिस्टम को यह पहचानना मुश्किल हो जाता है कि हमला किस पर करना है और किसकी रक्षा करनी है। चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार को आधिकारिक तौर पर ह्यफिजियोलॉजी या मेडिसिन्ह्व का नोबेल पुरस्कार कहा जाता है। पिछले साल का पुरस्कार अमेरिकी नागरिक विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को सूक्ष्म राइबोन्यूक्लिक एसिड (आरएनए) की खोज के लिए प्रदान किया गया था।

नेपाल में आम चुनाव अगले साल 5 मार्च को, निर्वाचन आयोग ने कार्यक्रम घोषित किया

काठमांडू। निर्वाचन आयोग ने नेपाल में आम चुनाव कराने के लिए सोमवार को कार्यक्रम घोषित कर दिया है। आम चुनाव अगले साल 5 मार्च को होंगे और 6 मार्च को मतगणना का काम शुरू किया जाएगा। वोटों की गिनती पूरी होने पर सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू होगी। निर्वाचन आयोग ने चुनाव कार्यक्रम घोषित करते हुए बताया है कि 5 मार्च, 2026 को सुबह 7 बजे से मतदान कार्य शुरू होगा तथा शाम 7 बजे तक मतदान कार्य चलेगा। उसी शाम सभी मतपेटिका को एकत्रित कर अगले दिन सुबह यानी 6 मार्च, 2026 को मतगणना का काम शुरू किया जाएगा। निर्वाचन आयोग के मुताबिक 17 नवम्बर से 26 नवम्बर तक राजनीतिक दलों के पंजीकरण का समय तय किया गया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि तय समय पर पंजीकरण नहीं कराने वाले दल चुनाव में शामिल नहीं हो सकेंगे। आयोग के मुताबिक 2 और 3 जनवरी को उम्मीदवारों की सूची पेश करनी होगी। नेपाल की मिश्रित निर्वाचन प्रणाली में 165 उम्मीदवारों का चयन प्रत्यक्ष मतदान के जरिये किया जाता है, जबकि 110 सदस्यों का निर्वाचन समानुपातिक प्रणाली से किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री साय ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से की मुलाकात

रजत जयंती वर्ष के विषय में विस्तारपूर्वक चर्चा

रायपुर

फोटोः हि.स.

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन से उनके निवास पर मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने अपनी उक्त मुलाकातों की जानकारी सोशल मीडिया एक्स पर दी है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राष्ट्रपति से नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर उनसे प्रदेश के रजत जयंती वर्ष के विषय में विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। उन्हें रजत जयंती वर्ष के विशेष अवसर पर राज्य सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे विकास, जनकल्याण और सांस्कृतिक गौरव से जुड़े कार्यक्रमों की जानकारी दी। राष्ट्रपति को उन्होंने छत्तीसगढ़ आगमन हेतु आमंत्रित भी किया। उन्होंने बताया है कि राष्ट्रपति ने प्रदेशवासियों को छत्तीसगढ़ राज्य की रजत जयंती वर्षगांठ की शुभकामनाएं देते हुए हमारी सरकार द्वारा राज्य के सर्वांगीण विकास और उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और प्रदेश के विकास संबंधी विषयों पर मूल्यवान मार्गदर्शन भी प्रदान किया। इस अवसर पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू और मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह भी उपस्थित थे। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में बताया कि उपराष्ट्रपति को रजत जयंती वर्ष के ऐतिहासिक अवसर पर 5 नवम्बर को नया रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के समापन समारोह में सम्मिलित होने हेतु उन्हें सादर आमंत्रित किया। उपराष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ आगमन की सहमति प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संपूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए गौरव, सम्मान और अपार हर्ष का क्षण है।

संक्षिप्त-समाचार

ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनी के बीच ऐतिहासिक रक्षा संधि

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनी ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण रक्षा संधि पर हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य दक्षिण प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते सैन्य प्रभाव को कम करना और ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी क्षेत्र के जरिए चीन द्वारा उसके शक्ति प्रदर्शन को रोकना माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज और पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने यहां संसद भवन में पुकपुक संधि पर हस्ताक्षर किए। संधि का मुख्य उद्देश्य दक्षिण प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते सैन्य प्रभाव को कम करना और ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी क्षेत्र के जरिए चीन द्वारा उसके शक्ति प्रदर्शन को रोकना माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह समझौता दोनों देशो के दीर्घकालिक संबंधों को एक औपचारिक गठबंधन में बदल देगा। पापुआ न्यू गिनी मंत्रिमंडल ने पिछले सप्ताह ही इस ऐतिहासिक समझौते को औपचारिक रूप से मंजूरी दी थी। पहले इस संधि पर पापुआ न्यू गिनी की ऑस्ट्रेलिया से स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के समारोह के दौरान सितंबर में हस्ताक्षर किए जाने थे। हालांकि उस समय दोनों देशों ने केवल एक संयुक्त विज्ञप्ति ही जारी की क्योंकि पापुआ न्यू गिनी मंत्रिमंडल में संधि की मंजूरी के लिए आवश्यक कोरम का अभाव था।

खैबर पख्तूनवा में बलोच लड़ाकों के हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत, एक घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनवा प्रांत में एक पुलिस चौकी को निशाना बनाकर किए गए बलोच लड़ाकों के हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया। समाचार पत्र डान ने पुलिस के हवाले से सोमवार को यह खबर दी। कोहाट जिला पुलिस अधिकारी डॉ. जाहिदुल्ला खान के मुताबिक बड़ी संख्या में लड़ाकों ने कोहाट के दर्रा आदमखेल में एक चौकी पर कल देर रात लगभग एक बजे कई तरफ से हमला किया। इसके बाद पुलिस और अज्ञात हमलावरों के बीच हुई गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और एक फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी) का अधिकारी घायल हो गया। गोलीबारी ढाई घंटे तक चली। उन्होंने बताया कि अज्ञात हमलावरों का लक्ष्य चौकी पर कब्जा करना था लेकिन उनकी कोशिश नाकाम कर दी गई। इस बाबत तलाशी अभियान में अब तक तीन विस्फोटक उपकरण बरामद किए गए हैं। इस बीच खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंदी ने हमले की निंदा की और मृतक पुलिसकर्मी को श्रद्धांजलि देते हुए घायल पुलिस अधिकारी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। यह हमला खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले के पास बलोच लड़ाकों द्वारा की गई एक अन्य गोलीबारी की घटना के एक दिन बाद हुआ है। उस हमले में एक सैनिक मारा गया था और एक अन्य घायल हो गया था।

इंडोनेशिया में इमारत हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 50 हुई , 13 लापता

जकार्ता। इंडोनेशिया में पूर्वी जावा द्वीप के सिदोअरजो शहर में एक स्कूल की इमारत ढहने के कारण हुई दुर्घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर कम से कम 50 हो गई है। अब तक 13 लोग लापता हैं। आपदा प्रतिरोधक एजेंसी के उप निदेशक बुदी इरावन ने सोमवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पिछले सप्ताह हुई इस दुर्घटना में अल खोजिनी इस्लामी बोर्डिंग स्कूल की इमारत का मलबा हटाने के लिए भारी मशीनों का उपयोग किया गया। रविवार देर रात बचावकर्मियों ने अस्सी प्रतिशत मलबा साफ कर लिया। ज्यादातर शव किशोर छात्रों के थे जो कंक्रीट के भारी मलबों के नीचे दबे हुए थे। अब तक 50 शव बरामद किए गए हैं। राहत एवं बचाव टीम सोमवार रात तक मलबें में फंसे हुए 13 लोगों को बाहर निकालने की पूरी कोशिश करेगी। उन्होंने फंसे लोगों के जीवित होने की संभावना को बेहद क्षीण बताया। इस दौरान राहत एवं बचाव एजेंसी के एक अधिकारी युधी ब्रमांत्यो ने बताया कि मलबे में शरीर के क्षत विक्षत अंग बिखरे मिले हैं जिसके कारण मृतकों की संख्या कम से कम 54 हो सकती है। इमारत ढहने का कारण ऊपरी मंजिलों पर जारी निर्माण कार्य था, जिसे इमारत की नींव सहन नहीं कर सकी।

कटक में दुर्गा विसर्जन शोभायात्रा पर पथराव हिंसा; अब तक आठ गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा के कटक शहर में दुर्गा पूजा विसर्जन शोभायात्रा के दौरान पथराव, हिंसा, तोड़फोड़ और सुरक्षा बलों पर हमले की घटनाओं में पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है।पुलिस कमिश्नर एस. देवदत्त सिंह ने सोमवार को बताया कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों से आरोपियों की पहचान की गई। वे फिलहाल पूछताछ के लिए हिरासत में हैं। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि एक रैली के दौरान पुलिस पर पथराव के बाद शहर में 36 घंटे का कर्फ्यू लगाया गया था। स्थिति अब सामान्य है और कोई नई घटना की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि उपद्रवियों की पहचान कर ली गई है और गिरफ्तारी की प्रक्रिया जारी है। अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, वहीं कुछ लोग एफआईआर दर्ज कराने भी आगे आए हैं।वर्तमान में कटक के 13 थानों के अंतर्गत कर्फ्यू लागू है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरे शहर में 60 प्लाटून पुलिस बल तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त आठ अर्धसैनिक बलों की कंपनियाँ रैपिड एक्शन फोर्स (आरएफ), बीएसएफ, सीआरपीएफ और ओडिशा स्विफ्ट एक्शन फोर्स को भी संवेदनशील स्थानों और चौराहों पर तैनात किया गया है, ताकि शांति व्यवस्था बनाए रखी जा सके और किसी भी प्रकार की पुनः अशांति को रोका जा सके।

हरकी पैड़ी क्षेत्र में गंगा तल में दिखीं ब्रिटिश कालीन रेल पटरियां

हरिद्वार। हरकी पैड़ी पर इन दिनों गंगा का दृश्य पूरी तरह से बदला हुआ है। पानी न होने की वजह से वार्षिक सफाई और मरम्मत के लिए जल प्रवाह रोके जाने के बाद गंगा का तल बिलकुल साफ नजर आ रहा है। इस दौरान गंगा की तलहटी में ब्रिटिश कालीन रेल की पटरियां दिखाई दीं, जो श्रद्धालुओं और पर्यटको के लिए आकर्षण और हैरत का विषय बनी हुई हैं। इतिहासकारों के अनुसार ये रेल पटरियां 19वीं सदी के मध्य में गंगनहर के निर्माण के दौरान बिछाई गई थीं। उस समय इन्हें निर्माण सामग्री ढोने के साथ ब्रिटिश इंजीनियर निरीक्षण के लिए उपयोग करते थे। यह नैरो गेज रेलवे लाइन थी। जिस पर हाथगाड़ी चलाई जाती थी। गंगनहर, जिसे लॉर्ड डलहौजी के कार्यकाल में इंजीनियर कोटले की देखरेख में बनाया गया था, ब्रिटिश इंजीनियरिंग का एक बेहतरीन उदाहरण है।

सात राज्यों की 8 विधानसभा सीटों पर 11 नवंबर को मतदान

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

चुनाव आयोग ने मंगलवार को बिहार के साथ ही सात राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव से जुड़े कार्यक्रम की घोषणा कर दी। इन सभी सीटों पर दूसरे चरण की तरह 11 नवंबर को मतदान होगा। 14 नवंबर को बिहार के साथ ही नतीजे आएंगे। उपचुनाव से जुड़ी सीटें हैं- जम्मू-कश्मीर की बडगाम और नगरोटा, राजस्थान की अंता, झारखंड की घाटशिला (एसटी), तेलंगाना की जुबली हिल्स, पंजाब की तरनतारन, मिजोरम की डम्पा सीट, ओडिशा की नुआपाड़ा। इनमसें से बडगाम इस्तीफे और राजस्थान की अंता सीट अयोग्य ठहराए जाने से रिक्त हुई थी। बाकी सभी सीटें विधायकों के देहांत के कारण रिक्त हुई थीं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की उपस्थिति में आज बिहार चुनाव और सात राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव से जुड़े कार्यक्रम की घोषणा की।

इन सीटों पर दूसरे चरण के तहत मतदान होगा। लेकिन कुछ तिथियां में स्थानीय स्थितियों को देखते हुए बदलाव है। सभी सीटों के लिए 13 अक्टूबर को अधिसूचना जारी होगी। जम्मू-कश्मीर और ओडिशा के लिए 20 अक्टूबर तक नामांकन और बाकी सीटों के लिए 21 अक्टूबर तक नामांकन किया जा सकता है। नामांकन की जांच और नाम वापसी 22 अक्टूबर और 24 अक्टूबर को होगी। केवल राजस्थान की अंता सीट पर यह तिथियां 23 अक्टूबर और 27 अक्टूबर रहेगी।

जम्मू-कश्मीर की बडगाम सीट से उमर अब्दुल्ला ने इस्तीफा दे दिया था। राजस्थान की अंता से कंवरलाल को अयोग्य ठहराया गया था। वहीं जम्मू-कश्मीर की नगरोटा से देवेन्द्र सिंह राणा, झारखंड घाटशिला (एसटी) सीट से रामदास सोरेन, तेलंगाना जुबली हिल्स से मगंती गोपीनाथ, पंजाब तरनतारन से डॉ. कश्मीर सिंह सोहल, मिजोरम डम्पा (एसटी) से लालरिंतलुआंगा सैला और ओडिशा नुआपाड़ा से राजेंद्र ढोलकिया का निधन हो गया था।

फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू का इस्तीफा

पेरिस। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने अपने मंत्रिमंडल के औपचारिक रूप से गठन के एक दिन के अंदर ही आज इस्तीफा दे दिया। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि सोमवार सुबह लेकोर्नू ने राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ एक घंटे तक बैठक की जिसके बाद एलिसी पैलेस ने प्रधानमंत्री के इस्तीफे की घोषणा की। यह घटनाक्रम पूर्व प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बेयरू की पिछली सरकार के पतन के बाद लेकोर्नू को प्रधानमंत्री नियुक्त किए जाने के मात्र 26 दिन के भीतर हुआ है। फ्रांस की नेशनल असेंबली में सभी दलों ने लेकोर्नू के मंत्रिमंडल के गठन की कड़ी आलोचना की थी, जिसमें अधिकतर सदस्य बेयरू के मंत्रिमंडल के थे और उसी मंत्रिमंडल को हटाने के लिए ही दबाव बनाया गया था। राजनीतिक दलों ने लेकार्नू सरकार को मतदान के जरिए अपदस्थ करने की धमकी दी थी। अब कई दल जल्द चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। कुछ राष्ट्रपति मैक्रों के इस्तीफे की भी मांग कर रहे हैं। हालांकि मैक्रों ने स्पष्ट किया है कि वह 2027 में अपना कार्यकाल समाप्त होने से पहले पद नहीं छोड़ेंगे। जुलाई 2024 में हुए संसदीय चुनावों के परिणामस्वरूप खंडित जनादेश के कारण फ्रांसीसी राजनीति अत्यधिक अस्थिर रही है।

नेपाल में विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस फायरिंग में घायल 30 लोग अभी भी अस्पतालों में भर्ती

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

नेपाल में 8 और 9 सितंबर को हुए युवाओं के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गोली लगने से घायल 30 लोगों का अभी भी देश के विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक काठमांडू के सिविल अस्पताल में 1, काठमांडू के ही नेशनल ट्रॉमा सेंटर में 10, काठमांडू मेडिकल कॉलेज टीचिंग अस्पताल में 3, त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग अस्पताल में 3, पाटन एकेडमी ऑफ हेल्थ साइंसेज में 3, नेपाल पुलिस अस्पताल में 1 और कीर्तिपुर अस्पताल में 1 व्यक्ति का अभी भी इलाज किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त तीन को बीएंडबी अस्पताल में, एक को विराटनगर के बिराट मेडिकल कॉलेज टीचिंग अस्पताल में, एक को नोबेल मेडिकल कॉलेज टीचिंग अस्पताल में और एक को पोखारा एकेडमी ऑफ हेल्थ साइंसेज में भर्ती कराया गया है।

प्रदर्शन के दौरान कुल 2,316 घायल व्यक्तियों को इलाज के लिए विभिन्न अस्पतालों में भर्ती किया गया था, जिनमें से 2,238 को पहले ही छुट्टी दे दी गई है। विरोध प्रदर्शनों के कारण अब तक 76 प्रदर्शनकारियों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा पुलिस के तीन और जेल से भागे 3 कैदियों के भी मारे जाने की जानकारी मंत्रालय ने दी है।

इजराइली हमलों में गाजा में 24 घंटों में 65 फिलिस्तीनी मारे गए

एजेंसी (हि.स.)
गाजा पट्टी

फोटोः हि.स.

पिछले 24 घंटों में इजराइली सशस्त्र बलों के हमले कम से कम 65 फिलिस्तीनी मारे गए। इन हमलों में 153 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी एन्क्लेव के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने टेलीग्राम चैनल पर दी। मंत्रालय के अनुसार, संघर्ष शुरू होने के बाद से मारे गए गाजा निवासियों की कुल संख्या 67,139 तक पहुंच गई है और लगभग 170,000 घायल हुए हैं।

रूस की समाचार एजेंसी तास के अनुसार, मंत्रालय ने यह भी बताया कि पिछले दिन भुखमरी से एक और मौत दर्ज की गई। भूख और कुपोषण से संबंधित जटिलताओं से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 460 हो गई है। इस संबंध में अल जजीरा चैनल की रिपोर्ट में कहा गया कि इजराइली रक्षा बल युद्धविराम वार्ता जारी रहने के बावजूद फिलिस्तीनी क्षेत्र पर गोलाबारी कर रहे है। पिछले 48 घंटों में ही इजराइली वायु सेना ने पट्टी पर 130 से अधिक हवाई हमले किए हैं। इनमें इस क्षेत्र के प्रशासनिक केंद्र गाजा शहर और शरणार्थी शिविर भी शामिल हैं।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के युद्धविराम प्रस्ताव पर आज मिस्र की मध्यस्थता में हमास और इजराइल के बीच वार्ता शुरू होने वाली है। हमास का प्रतिनिधिमंडल मिस्र पहुंच चुका है। इस वार्ता पर पूरी दुनिया की निगाह टिकी हुई है।

योजना | **महतारी वंदना योजना प्रदेशभर में लाखों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही**

शामपति ने योजना की राशि से शुरू किया बकरी पालन

आर्थिक स्थिति में आया सुधार

एजेंसी (हि.स.)
बलरामपुर

फोटोः हि.स.

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण एवं सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई। महतारी वंदना योजना प्रदेशभर में लाखों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। विशेषकर आदिवासी बाहुल्य जिलों में इस योजना ने महिलाओं को आत्मनिर्भरता की राह दिखाने का कार्य किया है।

इस योजना से बलरामपुर जिले की शामपति जैसी कई महिलाएं आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर हो रही हैं। जिले के राजपुर विकासखंड ग्राम पतरापारा निवासी शामपति इसका सशक्त उदाहरण हैं। योजना अंतर्गत उन्हें प्रतिमाह एक हजार की राशि प्राप्त होती है। आम तौर पर यह राशि परिवार की घरेलू आवश्यकताओं पर खर्च हो सकती थी, किंतु शामपति ने दूरदर्शिता दिखाते हुए इसे बकरी पालन जैसे छोटे उद्यम में निवेश किया। उन्होंने बकरियों को सुरक्षित रखने के लिए एक हवादार एवं साफ-सुथरा बाड़ा बनवाया। इसके साथ ही बकरियों के लिए हरा एवं सूखा चारा, साफ पानी और स्वास्थ्य देखभाल की व्यवस्था की। समय-समय पर पशु चिकित्सक की परामर्श लेकर उन्होंने बकरियों का नियमित टीकाकरण और उपचार भी सुनिश्चित किया। परिणामस्वरूप उनकी बकरियां स्वस्थ हैं और बकरी पालन धीरे-धीरे आय का स्थायी स्त्रोत बनता जा रहा है। शामपति कहती है कि, हो सकता है किसी बड़े शहर में रहने वाले परिवार के लिए एक हजार बहुत मायने न रखता हो, लेकिन हमारे जैसे मेहनत-मजदूरी करने वाले परिवार के लिए यह राशि बहुत महत्वपूर्ण है। इस के सहारे मैंने बकरी पालन शुरू किया और आज परिवार की स्थिति पहले से बेहतर है। शामपति से प्रेरित होकर गांव की अन्य महिलाएँ भी बकरी पालन, सब्जी उत्पादन और छोटे व्यवसायों की ओर अग्रसर हो रही हैं। परिवार के अन्य जन अब गर्व महसूस करते हैं कि घर की महिलाएं परिवार का सहारा बन गई है। परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आने से उनके परिवार खुश हैं और अब परिवार भविष्य की नई संभावनाओं को लेकर आश्वस्त है। बलरामपुर जैसे आदिवासी बहुल और भौगोलिक दृष्टि से परिपूर्ण जिले में निवासरत समुदायों के लिए के लिए एक-एक हजार रुपये की राशि महिलाओं के लिए बेहद मायने रखती है। यह उन्हें आत्मनिर्भर बनने, आय के नए साधन तलाशने का अवसर दे रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के दूरदर्शी पहल से महतारी वंदन योजना अंतर्गत महिलाओं को आर्थिक संबल करने का जो प्रयास जमीनी स्तर पर भी दिखाई देने लगा है। आज शामपति जैसी अनेक महिलाएं इस योजना से लाभान्वित होकर न केवल अपने परिवार का सहारा बन रही हैं, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं।

बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं थी पिच : हरमनप्रीत कौर

विश्व कप 2025: पाकिस्तान पर मिली जीत के बाद बोलीं भारतीय कप्तान

- भारत ने पाकिस्तान को 88 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की

एजेंसी (हि.स.)

फोटोः हि.स.

कोलंबो, 6 अक्टूबर (हि.स.)। कोलंबो में खेले गए महिला वनडे विश्व कप 2025 के मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 88 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मैच के बाद कहा कि यह टीम के लिए 'बहुत अहम मुकाबला' था और जीत से वह 'बहुत खुश' हैं, लेकिन यह आसान नहीं रहा।

भारत की बल्लेबाजी फिर एक बार लड़खड़ाई और टीम एक समय 203 रन पर 7 विकेट खोकर संघर्ष कर रही थी। हालांकि, ऋचा घोष ने अंत में नाबाद 35 रन (20 गेंदों पर) की ताबड़तोड़ पारी खेलकर स्कोर को 247 तक पहुंचाया। मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा, 'सच कहूं तो इस पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। हमने बस यह सोचा कि जितना लंबा खेल सकें उतना अच्छा रहेगा। पिछली बार जब हम यहां त्रिकोणीय सीरीज में खेले थे, तब विकेट अलग थे। लेकिन पिछले दो दिनों की बारिश से पिच में पकड़ आ गई थी। हमारी योजना थी कि आखिरी तक विकेट बचाए रखें ताकि अंतिम ओवरों में रन बना सकें।'

गेंदबाजी में भारत की क्रांति गौड़ ने शानदार प्रदर्शन किया। तेज गेंदबाज गौड़ ने पाकिस्तान की शुरूआत बिगाड़ते हुए शुरूआती दस ओवरों में सदफ शमास और आलिया रियाज के विकेट झटके। उन्होंने 20 रन देकर तीन विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुनी गईं। यह वही मैदान था जहां क्रांति ने इसी साल मई में अपना वनडे डेब्यू किया था। घरेलू वनडे फाइनल में उन्होंने चार गेंदों पर चार विकेट लेकर सभी को चौंका दिया था। कप्तान हरमनप्रीत ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, 'क्रांति ने शानदार गेंदबाजी की। रेनुका भी दूसरे छोर से अच्छी लाइन-लेंथ रख रही थीं, जिससे हमें शुरूआती ब्रेकथ्रू मिले।' हालांकि, भारत ने फील्डिंग में कई मौके गंवाए। टीम ने चार कैच छोड़े, जिनमें तीन कैच सिदरा अमीन के थे, जो पाकिस्तान की सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं। हरमनप्रीत ने माना कि फील्डिंग में सुधार की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'हमने फील्डिंग में खुद को निराश किया। हमें बहुत मौके मिले जो हम पकड़ नहीं सके, लेकिन जीत के बाद खुशी जरूर होती है।' हरमनप्रीत ने आगे के मैचों को लेकर कहा, 'अभी हम इस जीत का आनंद लेना चाहते हैं। सुधार के लिए कई क्षेत्र हैं, लेकिन फिलहाल जीत से खुशी है। हम भारत लौट रहे हैं, जहां की पिचों को हम बेहतर जानते हैं।

शंघाई मास्टर्स 2025: डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर

शंघाई। शंघाई मास्टर्स 2025 में मौजूदा चैंपियन जैनिक सिनर को रविवार को नीदरलैंड्स के टैलन ग्रीकस्पूर के खिलाफ तीसरे राउंड के मुकाबले में पैर की चोट के कारण मैच से रिटायर होना पड़ा। विश्व नंबर दो सिनर को तीसरे सेट के चौथे गेम के दौरान पैर में तकलीफ महसूस हुई। उन्होंने खेल जारी रखने की कोशिश की, लेकिन स्कोर 6-7(3), 7-5, 3-2 के समय उन्होंने मुकाबला छोड़ दिया। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। सिनर ने टाईब्रेक में शानदार खेल दिखाया और दो ऐस लगाकर शुरूआती बढ़त हासिल की। दूसरे सेट में रोमांच और बढ़ गया। डच खिलाड़ी ग्रीकस्पूर ने दूसरे गेम में तीन ब्रेक प्वॉइंट बचाए और आखिरकार 11वें गेम में बैकहैंड शॉट से ब्रेक करते हुए सेट जीतकर मुकाबले को आधी रात के बाद तक खींच लिया। तीसरे सेट के चौथे गेम में सिनर दर्द से झुक गए और कोर्ट पर लंगड़ाते हुए चलते दिखे। उनकी स्थिति अगले गेम में और बिगड़ गई, जिसके बाद उन्होंने कुछ आसान शॉट्स नेट में मारे और ग्रीकस्पूर को आसान ब्रेक मिल गया।

बोपन्ना, लुसियानो डाडेर्री और कोरेंटिन मौटे करेंगे टेनिस प्रीमियर लीग सीजन 7 की अगुवाई

- टीपीएल का सातवां सीजन इस साल गुजरात यूनिवर्सिटी टेनिस स्टेडियम में खेला जाएगा

एजेंसी (हि.स.)

मुंबई

फोटोः हि.स.

टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) का सातवां सीजन इस साल 9 से 14 दिसंबर तक अहमदाबाद के गुजरात यूनिवर्सिटी टेनिस स्टेडियम में खेला जाएगा। यह सीजन भारतीय टेनिस के लिए एक ऐतिहासिक और रोमांचक उत्सव बनने जा रहा है, जिसमें भारत के दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना, विश्व नंबर 29 लुसियानो डाडेर्री (इटली), विश्व नंबर 38 कोरेंटिन मौटे (फ्रांस) और विश्व नंबर 39 एलेक्जेंड्रे मुलर (फ्रांस) जैसे दिग्गज खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

आगामी 9 अक्टूबर को मुंबई में होने वाली सीजन 7 की नीलामी के लिए आठों फ्रेंचाइजी अपनी टीमों को इन स्टार खिलाड़ियों के इर्द-गिर्द तैयार करने में जुटी हैं। भारत के अनुभवी स्टार और दो बार के ग्रैंड स्लैम विजेता रोहन बोपन्ना, जिन्होंने पिछले साल अपना टीपीएल डेब्यू किया था, इस बार एसजी पाइपर्स बेंगलुरु टीम की ओर से खेलते नजर आएंगे। ग्रैंड स्लैम और एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी 45 वर्षीय बोपन्ना लीग के उस विजन को आगे बढ़ा रहे हैं, जिसमें भारतीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं का संगम दिखता है इटली के लुसियानो डाडेर्री (विश्व रैंक 29) इस बार राजस्थान रेंजर्स से खेलेंगे, जबकि फ्रांस के कोरेंटिन मौटे (विश्व रैंक 38) गुरुग्राम ग्रैंड स्लैमर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। वहीं एलेक्जेंड्रे मुलर (विश्व रैंक 39) गुजरात पैंथर्स से और आर्थर रिंडरकनेक (विश्व रैंक 54) हैदराबाद स्ट्राइकर्स से खेलेंगे। इसके अलावा दामीर जुमहूर (बोस्निया और हजेगोविना, पूर्व विश्व रैंक 23, मौजूदा 67) यश मुंबई ईगल्स की अगुवाई करेंगे। अर्जेंटीना के टोमास मार्टिन एटचेवेरी (विश्व रैंक 58) जीएस दिल्ली एसेस से और चेक गणराज्य के युवा स्टार डालीबोर स्वर्शिना (विश्व रैंक 91) चेन्नई स्मैशर्स से खेलेंगे।

अब अपने लगातार सातवें संस्करण में प्रवेश कर चुकी टेनिस प्रीमियर लीग भारत की सबसे सफल खेल प्रतियोगिताओं में से एक बन गई है। यह देश की केवल चौथी ऐसी लीग है जिसने सात सीजन का मुकाम हासिल किया है। लीग को टेनिस के दिग्गज लिएंडर पेस, सानिया मिर्जा, महेश भूपति (सीईओ-एसजी पाइपर्स) और बॉलीवुड हस्तियों रकुल प्रीत सिंह व सोनाली बेंद्रे बेहल का समर्थन प्राप्त है। टीपीएल अपने अनोखे फॉर्मेट, विश्व स्तरीय खिलाड़ियों और डिजिटल सहभागिता के जरिए भारत में टेनिस को एक नए रूप में पेश कर रहा है। टीपीएल के सह-संस्थापक कुनाल ठाकुर ने कहा, ह्लइस साल हमारे पास लुसियानो डाडेर्री, कोरेंटिन मौटे और एलेक्जेंड्रे मुलर जैसे विश्व स्तरीय नाम हैं, जो हमारे अपने ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना के साथ खेलेंगे। ऐसे खिलाड़ियों की मौजूदगी न केवल प्रतियोगिता के स्तर को ऊंचा करती है, बल्कि भारतीय टेनिस के युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरित करती है।

फुटबॉल को किक मारकर 69वें राष्ट्रीय स्कूल खेलों का मुख्यमंत्री उमर ने किया उद्घाटन

एजेंसी (हि.स.)

श्रीनगर

फोटोः हि.स.

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को श्रीनगर के टीआरसी फुटबॉल ग्राउंड में फुटबॉल को किक मारकर 69वें राष्ट्रीय स्कूल खेलों का आधिकारिक उद्घाटन किया। इस प्रकार राष्ट्रीय स्तर के इस खेल आयोजन की औपचारिक शुरूआत हुई। इस वर्ष के राष्ट्रीय स्कूल खेलों में देश भर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने वाली 30 टीमें भाग ले रही हैं और छह अलग-अलग स्थानों पर मैच खेले जायेंगे। इन प्रतियोगिताओं में फुटबॉल, वुशु, ताइक्वांडो और टेबल टेनिस की प्रतियोगिताएं शामिल हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल देश के विभिन्न क्षेत्रों के युवाओं के बीच एकता, मित्रता और आपसी समझ को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल एकता और मित्रता के सेतु का निर्माण करते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को सरकार और आयोजकों की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि उनकी सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर आपमें से किसी को भी किसी भी तरह की असुविधा हो, चाहे गर्म कपड़ों की कमी हो या कोई अन्य आवश्यकता तो कृपया हमसे संपर्क करने में संकोच न करें। हम आपके प्रवास और भागीदारी को आरामदायक बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। मौसम की स्थिति में सुधार की आशा व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने युवा एथलीटों को प्रतियोगिता और सौहार्द के अनुभव का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर बर्नार्ड जूलियन का 75 वर्ष की उम्र में निधन

वलसेन (त्रिनिदाद)। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर और 1975 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य बर्नार्ड जूलियन का शनिवार को 75 वर्ष की उम्र में वलसेन (त्रिनिदाद) में निधन हो गया। उन्होंने वेस्टइंडीज की ओर से 24 टेस्ट और 12 वनडे अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा लिया था। जूलियन ने 1975 के पहले विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने 4 विकेट पर 20 रन, न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 विकेट पर 27 रन और फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 37 गेंदों में 26 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली थी। वह बाएं हाथ की तेज गेंदबाजी, बेहतरीन स्ट्रोकप्ले और जीवंत फील्डिंग के लिए जाने जाते थे। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान क्लाइव लॉयड ने उन्हें 1975 की विजेता टीम का अहम स्तंभ बताया। उन्होंने एक बयान में कहा, ह्लवह हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देते थे। मैंने कभी उन्हें जिम्मेदारी से पीछे हटते नहीं देखा। वह एक सच्चे टीम खिलाड़ी थे, जिन पर मैं हमेशा भरोसा कर सकता था – बल्ले और गेंद दोनों से। वे एक बेहतरीन क्रिकेटर थे। लॉर्ड्स में भी जूलियन ने यादगार प्रदर्शन किया था, जब उन्होंने 1973 में इंग्लैंड के खिलाफ 121 रनों की मैच जिताने वाली पारी खेली और अगले वर्ष उसी टीम के खिलाफ पांच विकेट भी हासिल किए।

आईसीसी ने आचार संहिता के उल्लंघन के लिए पाक बल्लेबाज सिदरा अमीन को फटकार लगाई

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

आईसीसी ने पाकिस्तान की बल्लेबाज सिदरा अमीन को 5 अक्टूबर को भारत के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए फटकार लगाई है। इसके साथ ही उन्हें एक डिमेरिट प्वाइंट भी दिया गया है। ऑन-फील्ड अंपायरों की ओर से लगाए गए आरोप के बाद तय की गई सजा को अमीन ने स्वीकार कर लिया।

सिदरा अमीन ने पाकिस्तान के लिए 106 गेंदों में सर्वाधिक 81 रन की पारी खेली थी। उन्हें आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह अनुच्छेद ह्लअंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण, कपड़े, ग्राउंड उपकरण या फिक्स्चर पर दुर्व्यवहारह्व से संबंधित है। अमीन ने आउट होने के बाद अपना बल्ला जोर से पिच पर मार दिया, जिसे अनुचित आचरण माना गया। लेवल 1 के उल्लंघन में खिलाड़ी पर अधिकतम मैच फीस का 50 फीसदी जुमार्ना और दो डिमेरिट प्वाइंट तक की सजा दी जा सकती है। भारत के दिए गए 248 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 159 रन पर ऑलआउट हो गई और मुकाबला 88 रन से हार गई। टीम अब तक टूर्नामेंट में जीत दर्ज नहीं कर सकी है, क्योंकि इससे पहले वह बांग्लादेश से भी हार चुकी है। पाकिस्तान का अगला मुकाबला 8 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से होगा।

बीसीसीआई महिला सीनियर टी-20 प्रतियोगिताः हिमाचल टीम की घोषणा, सुषमा वर्मा को कप्तान की जिम्मेदारी

धर्मशाला। बीसीसीआई महिला सीनियर (टी-20) एलीट टूर्नामेंट 2025-26 के लिए हिमाचल की महिला सीनियर टीम की घोषणा कर दी गई है। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने महिला वरिष्ठ खिलाड़ियों का चयन कर टीम की सोमवार को घोषणा कर दी है। टीम का जिम्मा वरिष्ठ खिलाड़ी एवं पूर्व में भारतीय टीम का हिस्सा रही सुषमा वर्मा को दिया गया है। चयनित टीम के खिलाड़ियों में नैंसी शर्मा चंबा, ज्योति ठाकुर कांगड़ा, प्रीती देवी कांगड़ा, सुष्मिता कुमारी किन्नौर, मोनिका कुल्लू, यमुना देवी कुल्लू, नीना चौधरी मंडी, निकिता मंडी, शिवानी मंडी, सोनल मंडी, देवांशी वर्मा शिमला, मनीषा शिमला, निकिता चौहान शिमला, प्राची चौहान शिमला, सुषमा वर्मा (कप्तान) शिमला, वासुवी फिश्टा शिमला शामिल हैं। इसके अलावा टीम में सहायक कर्मचारियों में योगिंदर पुरी कोच, प्रेम सिंह सहायक कोच, शिवानी शर्मा फील्डिंग कोच, मनीषा फिजियो, वीना देवी प्रशिक्षक, आशुतोष पांडे वीडियो विश्लेषक, सोनाली ठाकुर मसाजर तथा शिव कपूर को बतौर प्रबंधक नियुक्त किया गया है।

ला लीगा 2025-26: सेविला ने बार्सिलोना को 4-1 से रौंदा

एजेंसी (हि.स.)

सेविला

फोटोः हि.स.

सेविला ने रविवार को मौजूदा चैम्पियन बार्सिलोना को 4-1 से हराकर ला लीगा में उसकी अपराजेय शुरूआत पर विराम लगा दिया और उसे अंक तालिका में शीर्ष पर लौटने से रोक दिया। यह 2015 के बाद सेविला की बार्सिलोना पर पहली लीग जीत रही, जिससे उसने आठ मैचों में 13 अंकों के साथ अस्थायी रूप से चौथा स्थान हासिल कर लिया।

वहीं, 19 अंकों के साथ बार्सिलोना दूसरे स्थान पर बनी रही, जो शीर्ष पर मौजूद रियल मैड्रिड से दो अंक पीछे है। बार्सिलोना ने धीमी शुरूआत की और शुरूआती आधे घंटे में एक भी शॉट ऑन टारगेट नहीं लिया, जबकि सेविला ने शुरूआती पलों में ही अलेक्सिस सांचेज को लंबी गेंदों से मौके देने की कोशिश की। सेविला को 13वें मिनट में बढ़त मिली जब इसाक रोमरो बार्सिलोना के रोनाल्ड अराउजो से टकरा गए और वीएआर समीक्षा के बाद रेफरी ने पेनल्टी दी। सांचेज ने अपने पूर्व आर्सेनल साथी वोज्शिच शेजनी को गलत दिशा में भेजते हुए गोल दाग दिया। 27वें मिनट में शेजनी ने रोमरो के शॉट को रोककर सेविला की बढ़त को दोगुना होने से बचाया, लेकिन 37वें मिनट में रूबेन वर्गास के शानदार क्रॉस पर रोमरो ने पहला ही टच लेते हुए गोल कर दिया और स्कोर 2-0 कर दिया। हाफ टाइम से ठीक पहले मार्कस रैशफोर्ड ने पेड्री के ऊंचे पास को बाएं पैर से नेट में पहुंचाकर बार्सिलोना की ओर से एक गोल वापस किया और स्कोर 2-1 कर दिया। दूसरे हाफ में बार्सिलोना ने जोर लगाया और 76वें मिनट में बराबरी का मौका भी मिला, जब अडनान जानुजाज ने अलेजांद्रो बाल्डे को बॉक्स में गिरा दिया, लेकिन रॉबर्ट लेवांडोव्स्की की पेनल्टी किक गोलपोस्ट के बाहर चली गई।

प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग है हरिद्वार

सुरेश्वरी देवी मंदिर

देवी दुर्गा को समर्पित, सुरेश्वरी देवी मंदिर हरिद्वार में एक पुराना मंदिर है। यह हरे जंगलों के बीच बाहरी इलाके में स्थित है और एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल होने के अलावा हरिद्वार में देखने लायक लोकप्रिय स्थानों में से एक है। साल भर कई पर्यटक शांतिपूर्ण माहौल पाने और देवी के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए इस मंदिर में आते हैं।

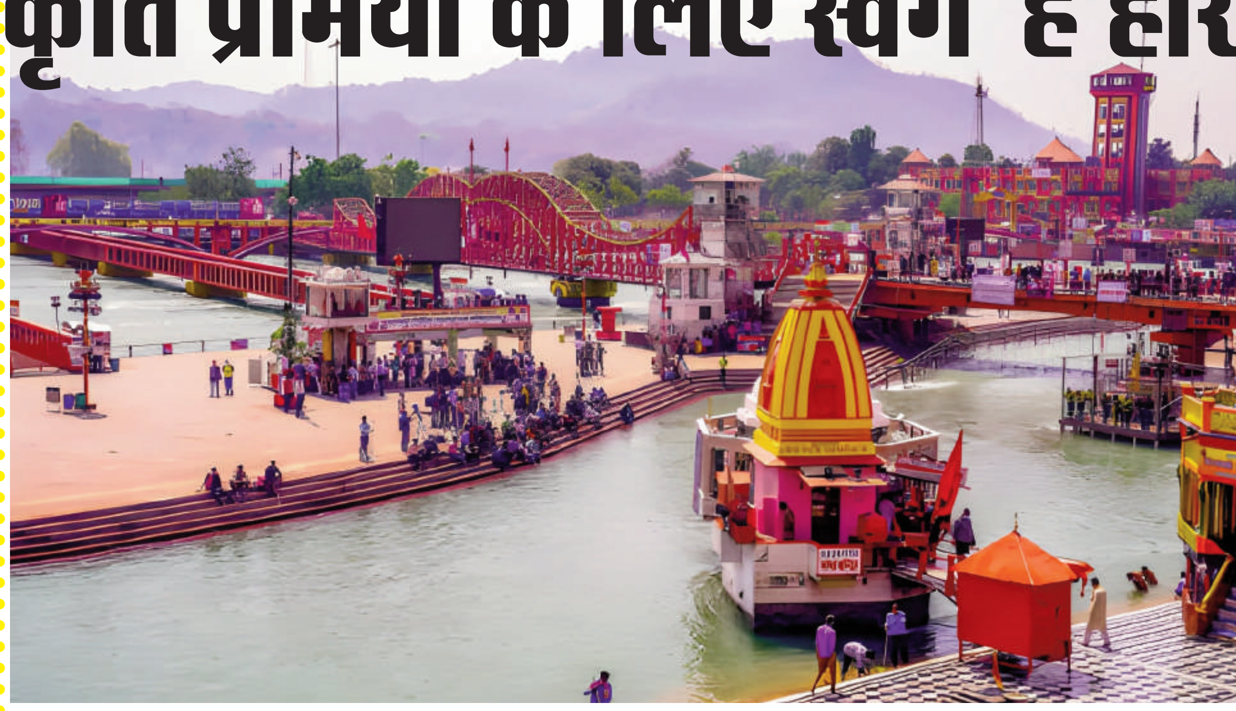

प्रकृति प्रेमियों के लिए एक स्वर्ग, हरिद्वार भारतीय संस्कृति और सभ्यता की बहुरूपदर्शिका प्रस्तुत करता है। हरिद्वार को 'ईश्वर का प्रवेश द्वार' भी कहा जाता है जिसे मायापुरी, कपिला, गंगाधर के रूप में भी जाना जाता है। भगवान शिव के अनुयायी और भगवान विष्णु के अनुयायी इसे क्रमशः हरद्वार और हरिद्वार नाम से उच्चारण करते हैं जैसा की कुछ लोगो ने बताया है की यह देवभूमि चार धाम अर्थात बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के प्रवेश के लिए एक केन्द्र बिंदु है कहा जाता है कि महान राजा भगीरथ गंगा नदी को अपने पूर्वजों को मुक्ति प्रदान करने के लिए स्वर्ग से पृथ्वी तक लाये है। यह भी कहा जाता है कि हरिद्वार को तीन देवताओं ने अपनी उपस्थिति से पवित्र किया है ब्रह्मा, विष्णु और महेशे कहा जाता है कि भगवान विष्णु ने हर की पैड़ी के ऊपरी दीवार में पत्थर पर अपना पैर प्रिंट किया है, जहां पवित्र गंगा हर समय उसे छूती है। भक्तों का मानना है कि वे हरिद्वार में पवित्र गंगा में एक डुबकी लगाने के बाद स्वर्ग में जा सकते हैं। हरिद्वार चार स्थानों में से एक है; जहां हर छह साल बाद अर्ध कुंभ और हर बारह वर्ष बाद कुंभ मेला होता है।

ऐसा कहा जाता है कि अमृत की बुँदे हर की पैड़ी के ब्रम्हकुंड में गिरती हैं इसलिए माना जाता है कि इस विशेष दिन में ब्रहमकुंड में किया स्नान बहुत शुभ है प्राचीनतम जीवित शहरों में से एक होने के नाते, हरिद्वार प्राचीन हिंदू शास्त्रों में भी अपना उल्लेख पाता है जिसका समय बुद्ध से लेकर हाल ही के ब्रिटिश आगमन तक फैलता है। हरिद्वार कला, विज्ञान और संस्कृति को सीखने के लिए विश्व के आकर्षण का केन्द्र भी बनता हैं। हरिद्वार की आयुर्वेदिक दवाओं और हर्बल उपचारों के साथ ही अपनी अनूठी गुरुकुल विद्यालय, प्राकृतिक सुंदरता और हरियाली के लिए भी एक आकर्षण का केन्द्र है गंगा नदी की पहाड़ो से मैदान तक की यात्रा में हरिद्वार पहले प्रमुख शहरों में से एक है और यही कारण है कि यहां पानी साफ और शांत है। हरे भरे जंगल और छोटे तालाब इस पवित्र भूमि को प्राकृतिक सुंदरता से जोड़ते हैं। राजाजी राष्ट्रीय उद्यान हरिद्वार से सिर्फ 10 किमी दूर है। जंगली जीवन और रोमांच प्रेमियों के लिए यह एक आदर्श स्थल है। प्रतिदिन सांय हरिद्वार के सभी प्रमुख घाट गंगा नदी की आरती की पवित्र ध्वनि एवं दीपकों के दिव्य प्रकाश से प्रदीप्त होते हैं। आज हरिद्वार का केवल धार्मिक महत्व ही नहीं है बल्कि यह एक आधुनिक सभ्यता का मंदिर भी है।

नील धारा पक्षी विहार

परिवार और दोस्तों के साथ एक दिन का आनंद लेने के लिए एक आदर्श स्थान, नील धारा पक्षी विहार विशेष रूप से सर्दियों के महीनों में प्रवासी पक्षियों को देखने के लिए जाना जाता है। चंडी देवी मंदिर के नजदीक स्थित, प्रकृति पार्क पक्षियों के लिए एक आदर्श सैरगाह है। पक्षी देखने के अलावा, यात्री यहां अन्य गतिविधियों में भी शामिल होते हैं। आप यहां ट्रैकिंग पर जा सकते हैं और आश्चर्यजनक शिवालिक हिमालय को देख कर आश्चर्यचकित हो सकते हैं जो पार्क क्षेत्र में फैला हुआ है।

दूधाधारी बफार्नी मंदिर

सफेद संगमरमर से बनी अद्भुत संरचना, दूधाधारी बफार्नी मंदिर हरिद्वार के सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थलों में गिना जाता है। दूधाधारी बफार्नी आश्रम में स्थित, इस मंदिर में भगवान राम और देवी सीता और भगवान शिव और देवी पर्वती जैसे सभी मुख्य हिंदू देवताओं को समर्पित छोटा मंदिर हैं। आशीर्वाद लेने और प्रकृति के बीच ध्यान करने के लिए इस मंदिर में पर्यटक दूर- दूर से आते है।

गौरी शंकर महादेव मंदिर

गौरी शंकर महादेव मंदिर हरिद्वार में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है क्योंकि यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और इसकी सेटिंग सुंदर है। मंदिर के बगल से गंगा बहती है और विशाल हिमालय की पृष्ठभूमि इसे और भी सुंदर बनाती है। हिमालय की पृष्ठभूमि और मंदिर की सुंदर सेटिंग एक जादुई आभा पैदा करती है। पर्यटक इस स्थान पर छुट्टियां बिताने के लिए आते है।

बिरला घाट

विष्णु घाट के ठीक बगल में स्थित, बिड़ला घाट हरिद्वार के सबसे पुराने घाटों में से एक होने के लिए जाना जाता है, जो इसे हरिद्वार में घूमने के लिए शीर्ष स्थानों में से एक बनाता है। माना जाता है कि पवित्र जल में डुबकी लगाने से आपके पापों से मुक्ति मिल जाती है और कई भक्त इसके लिए यहां डुबकी लगाते हैं। किसी भी दुर्घटना को रोकने के लिए सीढ़ियों के पास सुरक्षा अवरोधक लगाए गए हैं।

पावन धाम

हरिद्वार में घूमने के लिए सबसे प्रतिष्ठित स्थानों में से एक पवन धाम है जो भागीरथी नगर में स्थित है। इसका रखरखाव मोगा की गीता भवन ट्रस्ट सोसायटी द्वारा किया जाता है। एक बार जब आप इस स्थान पर जाएंगे, तो आप धाम की जटिल वास्तुकला, विस्तृत कांच के काम और कीमती पत्थरों और रत्नों से सजी मूर्तियों को देखकर मंत्रमुग्ध हो जाएंगे।

पंचकूला में पेड पार्किंग खत्म, अब फ्री में होगी पार्किंग

नगर निगम की बैठक में कई अहम फैसले: गारबेज टैक्स माफ, धार्मिक संस्थाओं को राहत और सफाई मित्रों को बोनस की सौगात

संवाददाता
पंचकूला

नगर निगम पंचकूला की आम बैठक सोमवार को महापौर कुलभूषण गोयल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में विधायक चंद्रमोहन, निगम आयुक्त आर.के. सिंह, संयुक्त आयुक्त गौरव चौहान, पार्षद एवं अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में शहरवासियों के लिए कई बड़े निर्णय लिए गए। आरके सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सेक्टर 8, 9 और 10 में लागू पेड पार्किंग सिस्टम को समाप्त किया जाएगा। कांग्रेस पार्षदों ने पार्किंग ठेकेदार द्वारा नगर निगम की राशि जमा न करवाने पर विरोध दर्ज कराया। अधिकारियों ने बताया कि ठेकेदार पर लगभग सवा करोड़ रुपये की बकाया राशि है। महापौर ने निगम आयुक्त को तत्काल वसूली के निर्देश दिए। आयुक्त आर.के. सिंह ने कहा कि यदि ठेकेदार ने राशि जमा नहीं करवाई तो एफआईआर दर्ज की जाएगी। महापौर ने बताया कि 10 नवंबर को ठेकेदार का अनुबंध समाप्त हो जाएगा, जिसके बाद सभी पार्किंग फ्री कर दी जाएंगी।

बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे अवैध खनन का मुद्दा भी जोरदार ढंग से उठा। पार्षद सलीम खान ने बताया कि खनन के कारण गांव की नदियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं और नगर निगम की लगभग 4 करोड़ रुपये की राशि बकाया है। महापौर ने निर्देश दिए कि तीन दिन में यह राशि वसूल की जाए, अन्यथा खनन कार्य बंद कराया जाए। आयुक्त ने कहा कि खनन विभाग से तालमेल कर वसूली और साइट निरीक्षण किया जाएगा। बैठक में पार्षदों के स्टडी टूर पर भी चर्चा हुई। कांग्रेस पार्षद सलीम खान ने गोवा जाने का सुझाव दिया, जिस पर कुछ पार्षदों ने मुस्कुराते हुए आपत्ति जताई। अंततः निर्णय लिया गया कि पार्षद अपने पति या पत्नी के साथ केरल स्टडी टूर पर जाएंगे। महापौर गोयल ने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए गारबेज टैक्स माफ करने का प्रस्ताव पारित किया गया है, जिसे स्वीकृति के लिए सरकार को भेजा जाएगा।

सामुदायिक केंद्रों की बुकिंग दरों में भी कमी की गई – एक एकड़ से अधिक एरिया वाले केंद्रों की राशि 21,000 से घटाकर 11,000 रुपये, एक एकड़ से कम वाले केंद्रों की राशि 11,000 से घटाकर 5,000 रुपये कर दी गई। साथ ही धार्मिक कार्यक्रमों के लिए 50% छूट और भोग या रस्म क्रिया के लिए 25% छूट देने का प्रस्ताव पारित किया गया। नगर निगम क्षेत्र की सभी धार्मिक संस्थाओं, धर्मशालाओं और मंदिरों का वर्ष 2025झ26 का प्रॉपर्टी टैक्स माफ किया गया। रिहायशी व कमर्शियल संपत्तियों के पुराने लंबित टैक्स पर ब्याज में 50% छूट दी गई है।गांव चंडीमंदिर, अलीपुर और जलौली में धार्मिक संस्थाओं को धर्मशाला, भवन, स्कूल और हॉस्टल निर्माण के लिए 33 साल की लीज पर भूमि आवंटित करने का निर्णय लिया गया। माता मनसा देवी मंदिर क्षेत्र में खाली जमीन पर रेस्ट हाउस और भवन बनाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि विद्यार्थियों के लिए सुबह से शाम तक चलने वाली 5 इलेक्ट्रिक एसी बसें खरीदी जाएंगी। साथ ही धार्मिक यात्रा के लिए एक एसी बस खरीदी जाएगी, जो लोगों को माता मनसा देवी, चंडीमाता, कालका माता, समलासन मंदिर, नाडा साहिब और त्रिलोकपुर मंदिर के दर्शन करवाएगी। महापौर ने घोषणा की कि दिवाली पर नगर निगम में कार्यरत सफाई मित्रों को 15 दिन का वेतन, जबकि अन्य अनुबंधित कर्मचारियों (एचकेआरएन, हारट्रोन, पार्ट-2) को 7 दिन का वेतन बोनस के रूप में देने का प्रस्ताव सरकार को भेजा जाएगा।

नगर निगम ने सेक्टर 19 सामुदायिक केंद्र का नाम स्व. रतनलाल कटारिया (पूर्व सांसद, अंबाला) के नाम पर रखने का प्रस्ताव पास किया। सेक्टर 15 पार्क नं. 1514 का नाम पद्मश्री जगदीश लाल अहूजा (लंगर बाबा) के नाम पर रखा जाएगा। इसके अलावा एक सामुदायिक केंद्र का नाम मक्खन सिंह लुबाना और दूसरा अरुट जी महाराज के नाम पर रखा जाएगा।

कोट, जसवंत और बिल्ला गांवों में 100 एकड़ की लेक विकसित करने और पीपीपी मॉडल पर रिजॉर्ट निर्माण का प्रस्ताव पारित। सेक्टर 9 सामुदायिक केंद्र के साथ बैंक्वेट हॉल का निर्माण। वीटा बूथ के लिए भूमि आवंटन के प्रस्ताव पर मतदान – 12 पक्ष में, 8 विरोध में – प्रस्ताव पारित। सरकारी स्कूलों को भूमि आवंटन, जर्जर आंगनवाड़ियों और एससी धर्मशालाओं के पुनर्निर्माण का निर्णय लिया गया।

संक्षिप्त-समाचार

वन संरक्षण और वनीकरण के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया

चंडीगढ़। वन्यजीव सप्ताह के उपलक्ष्य में पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज, सेक्टर 46 के एसडीजी क्लब ने धारिणी-पर्यावरण जागरूकता सोसायटी के सहयोग से एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और पौधा वितरण अभियान का आयोजन किया। भारत के विविध वनस्पतियों और जीवों की सुरक्षा और संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से वन्यजीव सप्ताह पूरे भारत में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। इस दिन का विषय सेवा पर्व था, जो जिम्मेदार और सक्रिय कार्यों के माध्यम से पर्यावरण की सेवा पर जोर देता है। इस कार्यक्रम में प्रिंसिपल, प्रो. बीनू डोगरा ने भाग लिया, जिन्होंने सभा को संबोधित किया और वन संरक्षण और वनीकरण के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। प्रोफेसर डोगरा ने पौधे और पशु जीवन दोनों को संरक्षित करके पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। डीन श्रीमती अनुराधा मित्तल और उप-प्राचार्य प्रो. स्नेह हर्षिंदर शर्मा भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे और अपना समर्थन एवं प्रोत्साहन दिया। क्विज प्रतियोगिता में 50 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर अपने ज्ञान और जागरूकता का प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त, वृक्षारोपण और हरित जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए छात्रों और कर्मचारियों के बीच पौधे वितरित किए गए। इस कार्यक्रम का सफल समन्वय और आयोजन डॉ. रितु सरसोहा और डॉ. अमनप्रीत कौर ने किया।

चंडीगढ़ के सेक्टर 49 स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

संवाददाता
चंडीगढ़

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार के अंतर्गत, सामुदायिक चिकित्सा विभाग और स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ (ऊळट-रढक), पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (ठऌट), यूटी चंडीगढ़ के सहयोग से 1 अक्टूबर, 2025 को चंडीगढ़ के सेक्टर 49 स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर (अअट) में एक बहु-विषयक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नेताओं, कार्यक्रम अधिकारियों, चिकित्सकों और सामुदायिक प्रतिनिधियों ने जागरूकता बढ़ाने, आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने और सशक्त परिवारों की रीढ़ के रूप में महिलाओं के स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए एक साथ आए।

कार्यक्रम की शुरूआत पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ की कार्यवाहक प्रभारी डॉ. अंकिता कांकरिया द्वारा गणमान्य व्यक्तियों के गर्मजोशी से स्वागत और अभिनंदन के साथ हुई। एनएचएम की चिकित्सा अधिकारी डॉ. शिविका पवार ने स्वास्थ्य शिविर की सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ की डीसीएमएसपीएच प्रोफेसर डॉ. मधु गुप्ता और एएएम-49 की प्रभारी ने केंद्र में उपलब्ध सेवाओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

सेक्टर 49 के पार्षद श्री राजिंदर कुमार शर्मा ने समुदाय में संतोषजनक सेवाएँ प्रदान करने के लिए एएएम-49 टीम की सराहना की। एनएचएम के नोडल अधिकारी एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. मंजीत सिंह ने टीकाकरण के महत्व पर चर्चा की।

संत निरंकारी मिशन की सहभागिता में वैश्विक युवा महोत्सव 2025 का सफल आयोजन

संवाददाता
चंडीगढ़ /पंचकुला

अहिंसा, शांति एवं सर्वधर्म समभाव जैसे महात्मा गांधी के शाश्वत आदर्शों को युवा पीढ़ी तक पहुँचाने तथा वैश्विक एकता की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से गांधी ग्लोबल फैमिली (जीजीएफ), नेशनल यूथ प्रोजेक्ट (एनवाईपी) एवं संत निरंकारी मिशन (एसएनएम) के संयुक्त तत्वावधान में 2 अक्टूबर से 7 अक्टूबर 2025 तक संत निरंकारी सत्संग भवन, असंध रोड, पानीपत में वैश्विक युवा महोत्सव 2025 का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन किया गया। इस सात दिवसीय अंतरराष्ट्रीय महोत्सव में भारत सहित विभिन्न देशों से लगभग 400 युवा प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता की, जिससे यह आयोजन विचारों, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और मानवता के संदेश का एक सशक्त मंच बनकर उभरा। प्रतिदिन प्रातः 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक चलने वाले विविध कार्यक्रमों में योग सत्र, श्रमदान, संवाद, भाषाओं की कक्षाएँ तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शामिल रहीं। देश-विदेश से पधारे युवा कलाकारों ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को साकार किया। सभी प्रतिभागियों के लिए आयोजकों द्वारा निःशुल्क आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था की गई थी, जिससे सहभागिता सहज, सुगम एवं सशक्त बनी रही।

3 अक्टूबर को महोत्सव का उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में गांधी ग्लोबल फैमिली के अध्यक्ष, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री श्री गुलाम नबी आजाद जी उपस्थित रहे। उनके साथ मंच पर संत निरंकारी मिशन के सचिव श्री जोगिंदर सुखीजा एवं नेशनल यूथ प्रोजेक्ट के सचिव श्री रण सिंह परमार भी विशेष रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम के विभिन्न दिवसों में स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों और समाजसेवियों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की सार्थकता को और भी बढ़ाया। संत निरंकारी मिशन की ओर से संत निरंकारी मंडल के मेंबर इंचार्ज, प्रैस एवं पब्लिसिटी विभाग श्री राकेश मुटरेजा एवं कॉर्डिनेटर, प्रचार विभाग श्री हेमराज शर्मा की सक्रिय भागीदारी उल्लेखनीय रही। उन्होंने युवाओं को मिशन के मूलभूत सिद्धांतों – ईश्वर की एकता, मानव की एकता, और धर्म का सार झ प्रेम – से परिचित कराया और बताया कि किस प्रकार आध्यात्मिक समरसता, सेवा और शांति के माध्यम से विश्व बंधुत्व की स्थापना संभव है।

महोत्सव के समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने यह संकल्प लिया कि वे अपने जीवन में गांधी जी के सिद्धांतों को आत्मसात कर न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि सामाजिक व वैश्विक स्तर पर भी शांति, सहयोग एवं सद्भावना के संवाहक बनेंगे। यह आयोजन केवल सांस्कृतिक या शैक्षणिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एक जीवंत वैचारिक आंदोलन के रूप में उभरा, जिसने नई पीढ़ी को गांधी दर्शन के आलोक में मानवता के सार्वभौमिक मूल्यों से जोड़ने का कार्य किया।